15 नवंबर, 2023
कार्तिक, कृष्ण पक्ष, द्वितीय
संवत 2080
पृष्ठ : 24, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 09, अंक 26

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

सत्यमेव जयते

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

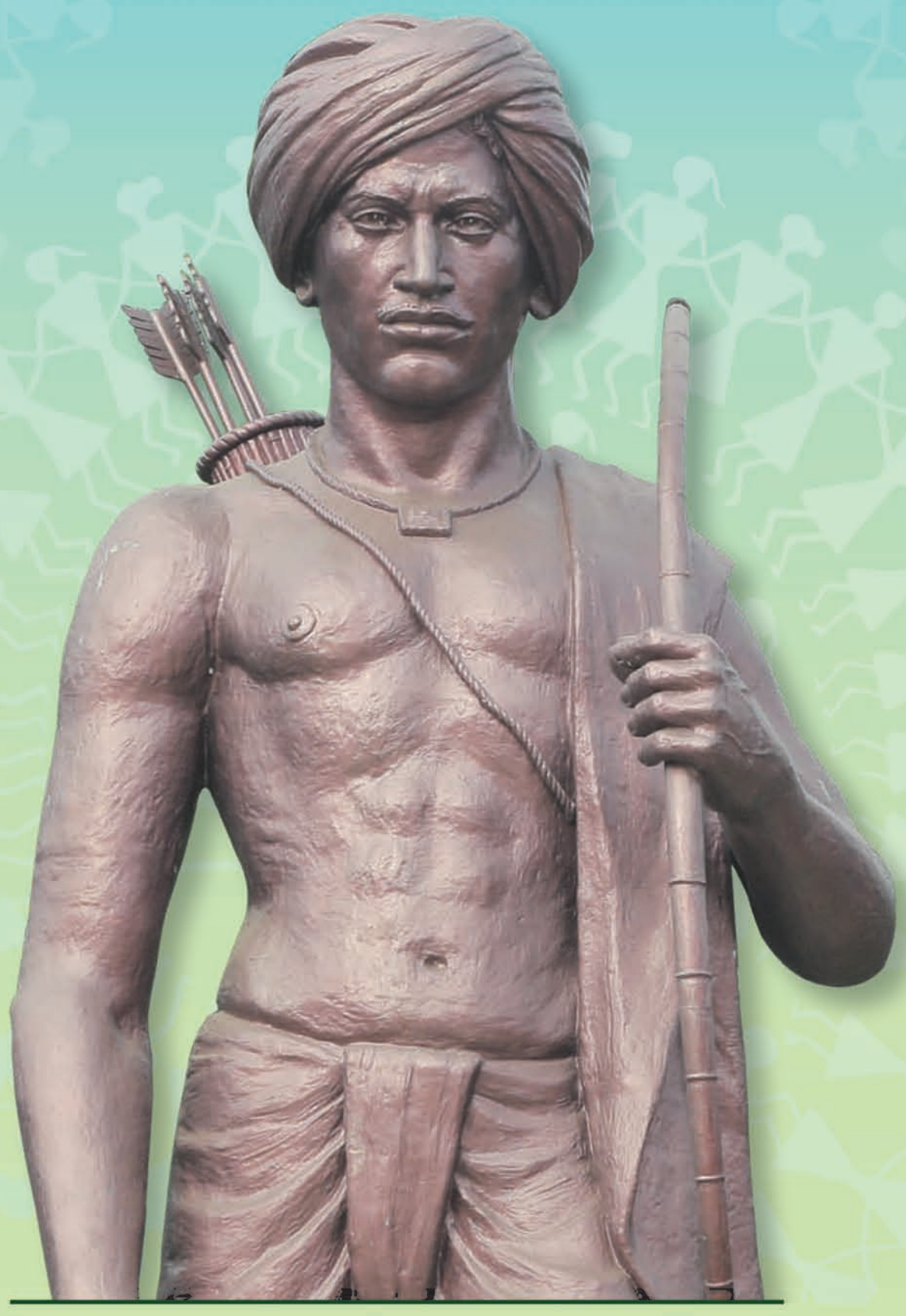

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के शुभ अवसर पर

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

का झारखण्ड की पावन धरती पर
हार्दिक अभिनंदन और जोहार

15 नवम्बर, 2023

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

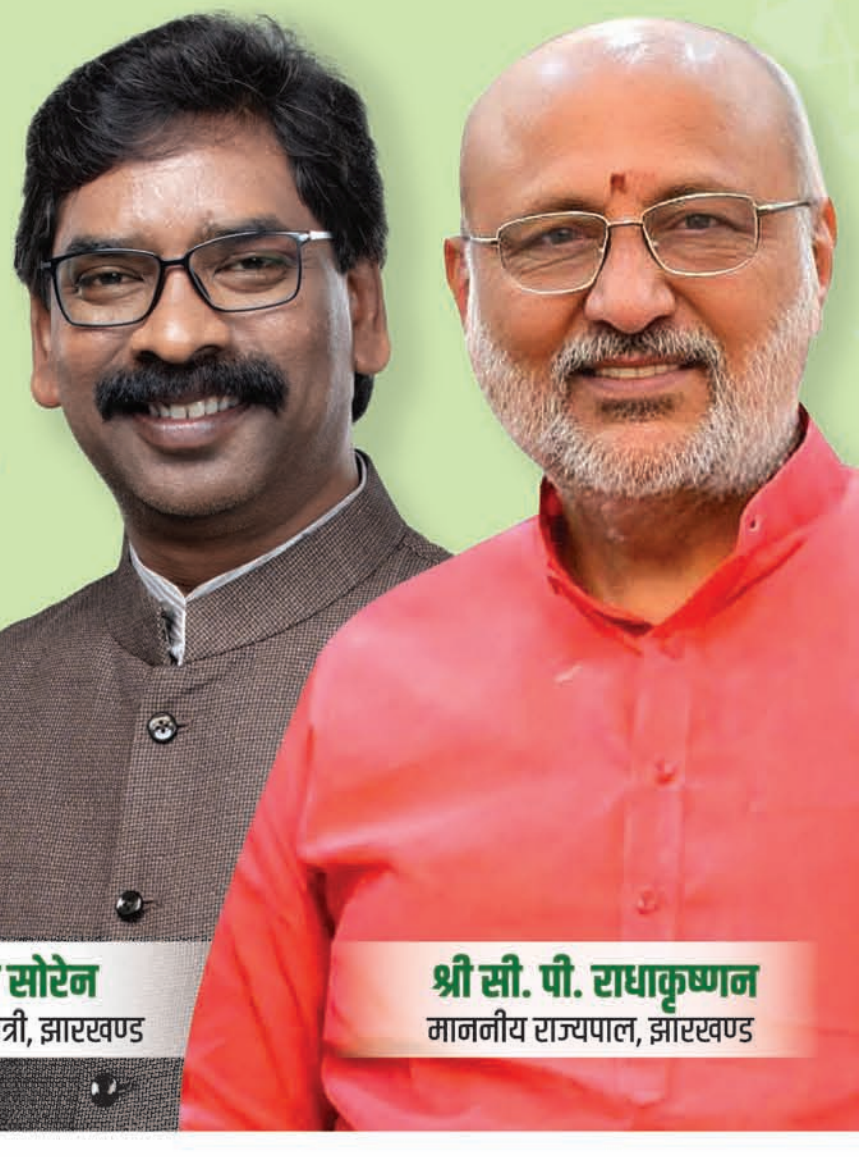

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

श्री सी. पी. राधाकृष्णन
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

P.R. 311361 (IPRD) 23-24

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

सबका साथ, सबका विकास

जोहार,

विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती पर हार्दिक स्वागत

रमेश सिंह

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा, झारखंड प्रदेश

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57,400 रु./10 ग्राम
चांदी	75,000 रु./प्रति किलो

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.9 °C	14.2 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.05 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.02 बजे

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर राज्य स्थापना दिवस समारोह

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड के अमर वीर शहीदों एवं आंदोलनकारियों के संघर्ष और शहादत को शत-शत नमन

दिनांक - 15 नवम्बर, 2023 | समय - अपराह्न 02:00 बजे से
स्थान - मोरहाबादी मैदान, राँची

जोहार

समारोह के मुख्य बिंदु

- **₹1,714 करोड़** के कुल 229 योजनाओं का **उद्घाटन**
- **₹5,328 करोड़** के कुल 677 योजनाओं का **शिलान्यास**
- **आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार** कार्यक्रम का शुभारंभ
- **अबुआ आवास योजना** और **मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना** का शुभारंभ
- **रोजगार मेला** के तहत **18,034 युवाओं** को ऑफर लेटर वितरण
- **सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना** के तहत वर्ष 2023-24 में **5.5 लाख** से अधिक किशोरियों को **₹261 करोड़** की सहायता राशि वितरण
- खेल प्रोत्साहन नीति के तहत 70 खिलाड़ियों को लगभग ₹2 करोड़ का **नकद पुरस्कार** वितरण
- **ये पॉलिसी होंगे लॉन्च**
  - झारखण्ड स्टार्टअप पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड एम.एस.एम.ई प्रमोशन पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड निर्यात पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड आई.टी., डाटा सेंटर एवं बी.पी.ओ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023

श्री सी. पी. राधाकृष्णन
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

P.R. 311363 (IPRD) 23-24

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

15 नवंबर, 2023
कार्तिक, कृष्ण पक्ष, द्वितीय
संवत 2080
पृष्ठ : 24, मूल्य : ₹3.00
रांची
बुधवार, वर्ष 09, अंक 26

कलम कलम बढ़ाये जो

आजाद सिपाही

मोदीमय हुई रांची उमडा जनसैलाब

गवर्नर और सीएम ने किया स्वागत, लोगों ने की पुष्प वर्षा

- हवाई अड्डा से लेकर राजभवन तक गाड़ी से हाथ हिला कर लोगों का किया अभिवादन
- आज जायेंगे उलिहातू, धरती आबा बिरसा मुंडा को करेंगे नमन
- 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष विमान से रात 9.30 बजे रांची हवाई अड्डे पर पहुंचे। रांची हवाई अड्डे पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, विपक्ष के नेता अमर बाउरी समेत भाजपा के अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे से राजभवन तक (सात किमी) रोड-शो किया। कड़ी सुरक्षा के बीच खुले वाहन से लोगों का हाथ हिला कर अभिवादन किया। रांची के लोगों ने भी उनका जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़े, फूलों से सारे रास्ते पर लोगों ने उनके आगमन का जश्न मनाया। प्रधानमंत्री करीब 10.00 बजे राजभवन पहुंचे। वह राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे।

प्रधानमंत्री का आज का कार्यक्रम

- सुबह 9 बजे राजभवन से बिरसा मुंडा स्मृति पार्क के लिए प्रस्थान करेंगे।
- 9.15 बजे पहुंचेंगे, यहां 15 मिनट तक रुकेंगे।
- 9.30 बजे: बिरसा मुंडा स्मृति पार्क से रांची एयरपोर्ट जायेंगे।
- हेलीकॉप्टर से उलिहातू पहुंचेंगे। सड़क मार्ग से बिरसा मुंडा जन्मस्थली जायेंगे। वहां 20 मिनट रहेंगे। बिरसा मुंडा म्यूजियम जायेंगे।
- उलिहातू हेलीपैड से खूंटी हेलीपैड आयेंगे। यहां खूंटी फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में शरीक होंगे।
- इसके बाद पीएम मोदी खूंटी हेलीपैड से रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे।
- दोपहर 1.30 बजे दिल्ली लौट जायेंगे।

बुधवार 15 नवंबर को प्रधानमंत्री सबसे पहले रांची स्थित बिरसा मुंडा स्मृति पार्क जायेंगे। यहां करीब 15 मिनट रहने के बाद उलिहातू के लिए रवाना होंगे। यह पहली बार होगा, जब कोई प्रधानमंत्री भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली जा रहे हैं। उलिहातू से प्रधानमंत्री खूंटी आयेंगे। यहां कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहीं से वह पीएम किसान की 15वीं किस्त के 18 हजार करोड़ रुपये जारी करेंगे। झारखंड की 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यस करेंगे। इसके अलावा वह देश के आदिवासियों के लिए एक समन्वित मिशन लांच करेंगे। इसके लिए 24 हजार करोड़ रुपये की योजना तैयार की गयी है। ये आदिवासी देश के 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 75 आदिम जनजाति 22,544 गांवों (220 जिलों) में रहते हैं। इनकी आबादी लगभग 28 लाख है। पीएम पीवीटीजी मिशन के अंतर्गत केंद्र सरकार इनके घरों तक सड़क निर्माण करेगी।

दूरसंचार कनेक्टिविटी, बिजली, सुरक्षित आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी। इसके अलावा स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य-पोषण, स्थायी आजीविका के अवसर भी उपलब्ध कराये जायेंगे। आदिम जनजाति गांवों में टीबी उन्मूलन, शत-प्रतिशत टीकाकरण, पीएम सुरक्षित मातृत्व योजना, पीएम मातृ वंदना योजना, पीएम पोषण और पीएम जन धन योजना आदि के लिए अलग से कार्यक्रम सुनिश्चित किये जायेंगे।

झारखंड स्थापना दिवस आज, मोरहाबादी तैयार, सीएम ने किया निरीक्षण

हेमंत सोरेन करेंगे 5328 करोड़ की 677 योजनाओं का शिलान्यास

- 1714 करोड़ की 229 योजनाओं का होगा उद्घाटन
- कई पॉलिसी लांच होगी, खिलाड़ी होंगे पुरस्कृत, ऑफर लेटर बांटे जायेंगे
- आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार का तीसरा चरण होगा शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड बुधवार को अपना 23वां स्थापना दिवस मनायेगा। रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित तमाम मंत्री शामिल होंगे। स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर दो बजे होगी। यह कार्यक्रम लगभग डेढ़ घंटे चलेगा। इस दौरान करोड़ों की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए 5,55,652 किशोरियों को 261 करोड़ रुपये की सहायता राशि का वितरण किया जायेगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 70 खिलाड़ियों के बीच लगभग दो करोड़ पुरस्कार राशि का वितरण होगा। कार्यक्रम स्थल में श्रम विभाग द्वारा आयोजित रोजगार मेला में 18,034 हजार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर दिया जायेगा। इसके अलावा आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे चरण की शुरुआत होगी।

कार्यक्रम स्थल का सीएम ने निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्थापना दिवस की तैयारी का मंगलवार को निरीक्षण किया। उन्होंने पंडाल, मंच और स्टॉल के चल रहे निर्माण कार्य को देखा। अधिकारियों को कई निर्देश दिये। इस समारोह में शामिल होनेवाले लोगों और लाभुकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने यहां की जा रही व्यवस्थाओं की पूरी जानकारी अधिकारियों से ली। इस मौके पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

इन नीतियों की होगी घोषणा

- झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी 2023
- झारखंड एमएसएमइ प्रमोशन पॉलिसी 2023
- झारखंड निर्यात पॉलिसी 2023
- झारखंड आइटी, डाटा सेंटर और बीपीओ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023

इन विभागों की योजनाओं का उद्घाटन

- ऊर्जा विभाग- तीन, जल संसाधन विभाग-सात, नगर विकास विभाग-तीन, आरइओ- 72, ग्रामीण विकास विभाग-22, पेयजल-44, भवन निर्माण-44, पथ निर्माण-32, उद्योग विभाग-छह

इन विभागों की योजनाओं का शिलान्यास

- जल संसाधन विभाग-75, नगर विकास विभाग-आठ, कृषि विभाग-चार, आरइओ-455, ग्रामीण विकास विभाग-27, पथ निर्माण विभाग-65, भवन निर्माण विभाग-40

अन्य कार्यक्रम

- सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत किशोरियों को डीबीटी के जरिये सहायता राशि हस्तांतरित की जायेगी।
- 8.5 लाख गरीबों के लिए अबुआ आवास योजना की शुरुआत।
- मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना शुरू होगी।
- आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार के तीसरे चरण की शुरुआत होगी।
- युवाओं को ऑफर लेटर दिया जायेगा।

सबका साथ, सबका विकास

धरती आबा
बिरसा मुंडा की
धरती पर विकास पुरुष
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी
का हार्दिक

स्वागत

डॉ. प्रदीप वर्मा
प्रदेश महामंत्री
झारखंड प्रदेश
भाजपा

2 वर्ष कोरोना के बावजूद मात्र 3 वर्षो में बदलता मेदिनीनगर

शहर के सजते चौक चौराहे

नवनिर्मित मरीन ड्राइव में योगाभ्यास करते लोग

कोयल रिवर फ्रंट निगम वासियों को समर्पित

चौक-चौराहो लगे पौधों का रेगुलर पटवन

तिरंगे लाइट से जगमगता महात्मा गाँधी रोड

प्रथम महापौर के सौजन्य से आरो प्लांट का रेगुलर मेंटेनेंस

प्रथम महापौर के नीजी सहयोग से लगाई गई सैकडों बेंच

राजा हरिश्चंद्र घाट का रखरखाव चेंबर एवं महापौर के सौजन्य से

अरूणा शंकर

प्रथम महापौर
मेदिनीनगर नगर निगम

सबका साथ, सबका विकास
जोहार,
विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी
का भगवान
बिरसा मुंडा की पावन
धरती पर हार्दिक
स्वागत
सन्नी टोप्पो
युवा भाजपा नेता
रांची, झारखंड

आरएस फाउंडेशन ने बाल दिवस मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु के जन्मदिन पर पूरे देश में बाल दिवस मनाया जाता है। आरएस फाउंडेशन ने बाल दिवस के मौके पर बच्चों को मिठाइयां बांटी, उनको शिक्षण सामग्री जैसे- किताब, कॉपी, पेंसिल, रबड़ आदि भी बांटे। फाउंडेशन के सदस्यों ने उनको अच्छे नागरिक बनने की सलाह दी एवं उनको बताया कि पूरे देश का भविष्य उनके कंधों पर ही निर्भर है। इस मौके पर संस्था के पंकज बंका, संतोष कुमार, बजरंग गुप्ता, प्रशान्त कुमार आदि मौजूद थे।

उत्तरकाशी में फंसे झारखंड के सभी 15 मजदूर सुरक्षित

- झारखंड आपदा की तीन सदस्यीय टीम पहुंची घटना स्थल
-राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष की टीम ने उत्तराखंड आपदा प्रबंधन से मामले की जानकारी ली
-उत्तराखंड आपदा प्रबंधन ने 40 श्रमिकों की सूची कंट्रोल रूम को साझा किया, झारखंड के कुल 15 श्रमिक सूची में शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उतराखंड के उत्तरकाशी में हुई दुर्घटना में फंसे मजदूरों की सकुशल वापसी के लिए झारखंड आपदा की एक तीन सदस्यीय टीम पहुंच गयी है। जैप आइटी के सीइओ भुवनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में गयी टीम ने उत्तराखंड के अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी ली। वहीं मंगलवार को श्रमिकों के परिजनों से संपर्क किया गया। उनके परिवार से श्रमिकों का सत्यापन किया गया। अब तक 9 श्रमिकों (2 गिरिडीह, 3 खूंटी, 3 रांची, 1 पश्चिमी सिंहभूम) के परिवारों से बातचीत कर पुष्टि हुई है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष का 5 व्हाट्सएप फोन नंबर एवं 1 टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने त्वरित कार्य करने के लिए राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को निर्देशित किया।

भुवनेश प्रताप सिंह ने बताया कि सभी श्रमिक सुरक्षित हैं। अधिकारियों एवं परिजनों ने श्रमिकों से पाइप के जरिए बात भी की है। श्रमिकों ने अपने सुरक्षित होने की बात बतायी है। प्रतिनिधियों ने गिरिडीह जिला के बिरनी प्रखंड गिरीडीह के विश्वजीत कुमार वर्मा व सुबोध कुमार वर्मा से बातचीत किया। झारखंड के सभी 15 श्रमिक सुरक्षित पाये गये हैं। सभी श्रमिकों को एयरलिफ्ट कर झारखंड वापस लाया जायेगा।

आपदा प्रबंधन उत्तरकाशी, उत्तराखंड ने बताया कि सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और रेस्क्यू का कार्य अभी भी चल रहा है। सुरंग में फंसे श्रमिकों को पाईप के माध्यम से खाना और ऑक्सीजन पहुंचाया जा रहा है। श्रमिकों को कल तक पाइप के माध्यम से निकाल लिया जायेगा। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष सभी श्रमिकों के परिवार से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। उत्तरकाशी में फंसे मजदूरों की जानकारी के लिए जेएलसी राजेश प्रसाद और प्रदीप रॉबर्ट लकड़ा से क्रमशः 9431344109 और 9431160414 पर संपर्क किया जा सकता है।

आरटीसी विद्यालय ने मनाया बाल दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगलवार को आर टी सी विद्यालय के प्रांगण में बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर विद्यालय के निर्देशक डॉ रुद्र नारायण महतो के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस बीच प्राचार्य सुनील कुमार सिंह के द्वारा बच्चों को देश के भावी कर्णधार बनाने और सदुणों को अपनाने की शिक्षा दी गयी।

लालु प्रसाद यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष
राजद

तेजस्वी यादव
उप मुख्यमंत्री
बिहार

हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री
झारखंड सरकार

आलमगीर आलम
ग्रामीण विकास मंत्री
झारखंड सरकार

सुभाष प्रसाद यादव
पूर्व लोकसभा प्रत्याशी
चतरा राजद (झारखण्ड)

संजय सिंह यादव
राजद प्रदेश अध्यक्ष
झारखंड

घर का माटी घर का बेटा
सबका चहेता, सत्यानन्द भोगता

राज्य स्थापना दिवस
व
छठ महापर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री सत्यानन्द भोगता
मंत्री
श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास मंत्री
झारखण्ड सरकार

विनोद भोगता
प्रदेश उपाध्यक्ष
युवा राजद , झारखंड, चतरा

रश्मि प्रकाश
प्रदेश महासचिव, राष्ट्रीय जनता दल, झारखंड, चतरा

हरा-भरा चतरा, विकसित चतरा

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 15 नवंबर, 2023
www.azadsipahi.in

पीएम आज खूंटी आयेंगे

24 हजार करोड़ की योजनाओं की देंगे सौगात

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 नवंबर को खूंटी आयेंगे। प्रशासन के अनुसार 15 नवंबर को सुबह करीब 9.30 बजे प्रधानमंत्री रांची में भगवान बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क और स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का दौरा करेंगे। उसके बाद वह भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू गांव पहुंचेंगे, जहां वह भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। नरेंद्र मोदी भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू गांव पहुंचने वाले पहले प्रधानमंत्री होंगे। प्रधानमंत्री सुबह करीब 11.30 बजे खूंटी में तीसरे जनजातीय गौरव दिवस 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री विकसित भारत संकल्प यात्रा और प्रधानमंत्री विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह मिशन का शुभारंभ करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री किसान योजना की 15वीं किस्त भी जारी करेंगे और कई विकास योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री का यह निरंतर प्रयास रहा है कि सरकार की प्रमुख योजनाओं को लोगों तक पूरी तरह पहुंचाया जाये और यह सुनिश्चित किया जाए कि इन योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंच सके। योजनाओं की संतृप्ति का यह लक्ष्य पाने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू करेंगे। यह यात्रा लोगों के पास जाने, जागरूकता पैदा करने और स्वच्छता सुविधाओं, आवश्यक वित्तीय सेवाओं, बिजली कनेक्शन, एलपीजी सिलेंडर तक पहुंच, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उचित पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छ पेयजल जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने पर केंद्रित होगी। संभावित लाभार्थियों का नामांकन इस यात्रा के दौरान मिले विवरणों के जरिए किया जायेगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री खूंटी में आइइसी (सूचना, शिक्षा और संचार) वैन को हरी झंडी दिखायेंगे। यह यात्रा महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले जिलों से शुरू होगी और 25 जनवरी 2024 तक देश के सभी जिलों को कवर करेगी। बताया गया कि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री एक अनुपम पहल प्रधानमंत्री विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (प्रधानमंत्री पीवीटीजी) मिशन का शुभारंभ भी करेंगे। 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 75 पीवीटीजी 22,544 गांवों (220 जिलों) में रहते हैं, जिनकी आबादी लगभग 28 लाख है। ये जनजातियां बिखरी हुई, दूरस्थ, दुर्गम बस्तियों में और अक्सर वन क्षेत्रों में रहती हैं। इसलिए लगभग 24,000 करोड़ रुपये के बजट वाले इस मिशन में पीवीटीजी परिवारों और इनके आवासों को सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी, बिजली, सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण तक बेहतर पहुंच और स्थायी आजीविका के अवसर जैसी बुनियादी सुविधाओं से युक्त करने की योजना बनायी गयी है। इसके अलावा पीएमजेएवाई, सिकल सेल रोग उन्मूलन, टीबी उन्मूलन, शत-प्रतिशत टीकाकरण, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री पोषण, प्रधानमंत्री जनधन योजना आदि के लिए अलग से संतृप्ति सुनिश्चित की जाएगी। प्रधानमंत्री रेल, सड़क, शिक्षा, कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे कई क्षेत्रों में लगभग 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उनमें एनएच 133 के महगामा-हंसडीहा सेक्शन के 52 किमी लंबे हिस्से को चार लेन का करना; एनएच114ए के बासुकीनाथ-देवघर सेक्शन के 45 किलोमीटर लंबे हिस्से को चार लेन का करना; केडीएच-पूणार्डीह कोल हैंडलिंग प्लांट और, आईआईआईटी रांची के नए शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन की आधारशिला रखना शामिल है। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन होगा और राष्ट्र को समर्पित किया जायेगा, उनमें आइआइएम रांची का नया परिसर; आइआईटी आइएसएम धनबाद का नया छात्रावास; बोकारो में पेट्रोलियम ऑयल और लूब्रिकेंट (पीओएल) डिपो; हटिया-पकरा सेक्शन, तलगरिया-बोकारो सेक्शन और जारंगडीह-पतरातू सेक्शन को डबल करना शामिल है। इसके अलावा, झारखंड में 100 फीसदी रेलवे विद्युतीकरण की उपलब्धि भी प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित की जायेगी।

उपायुक्त ने अधिकारियों को दिये निर्देश

खूंटी। प्रधानमंत्री के खूंटी जिला आगमन को खास बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रहा है। बिरसा जयंती 15 नवंबर को उलिहातु और बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित होनेवाले कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने मंगलवार को राज्य स्तरीय पदाधिकारी और सचिव, पुलिस महानिरीक्षक हेडक्वार्टर और अन्य वरीय पदाधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया। है। खूंटी में आयोजित होनेवाले जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होंगे। इसे लेकर युद्ध स्तर पर अलग-अलग विभागों को जिम्मेवारी सौंपी गयी है। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर पूरे खूंटी शहर को जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न सब जोन में बांटा गया है। सभी जोन में बड़ी संख्या में दंडाधिकारियों के साथ पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। प्रतिनियुक्त सभी दंडाधिकारियों, अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्यक्रम की जानकारी दी गयी। ब्रीफिंग के दौरान उपायुक्त ने सभी दंडाधिकारियो, अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को कार्यक्रम के मद्देनजर जारी संयुक्त जिला आदेश को अच्छी तरह से पढ़ लेने, प्रतिनियुक्ति स्थल एवं स्थल पर किये जाने वाले कार्यों को अच्छी तरह से समझ लेने का निर्देश दिया। अलग-अलग प्रवेश द्वार पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और अधिकारियों को उपायुक्त ने अच्छी तरह से जांच करने के उपरांत ही किसी भी व्यक्ति को कार्यक्रम स्थल में प्रवेश की अनुमति देने का निर्देश दिया।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 15 नवंबर, 2023
www.azadsipahi.in
11

भगवान बिरसा मुंडा क्यों हैं आज भी खास

राहुल सिंह

बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के ऐसे नायक रहे, जिनको जनजातीय समाज आज भी गर्व से याद करता है। आदिवासियों के हितों के लिए संघर्ष करने वाले बिरसा मुंडा ने तब के ब्रिटिश शासन से भी लोहा लिया था। उनके योगदान के चलते ही उनकी तस्वीर भारतीय संसद के संग्रहालय में लगी हुई है। यह सम्मान जनजातीय समुदाय में केवल बिरसा मुंडा को ही अब तक मिल सका है। बिरसा मुंडा का जन्म झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातू गांव में हुआ था। उनका जन्म 15 नवंबर, 1875 को हुआ था। उनके पिता का नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी था।

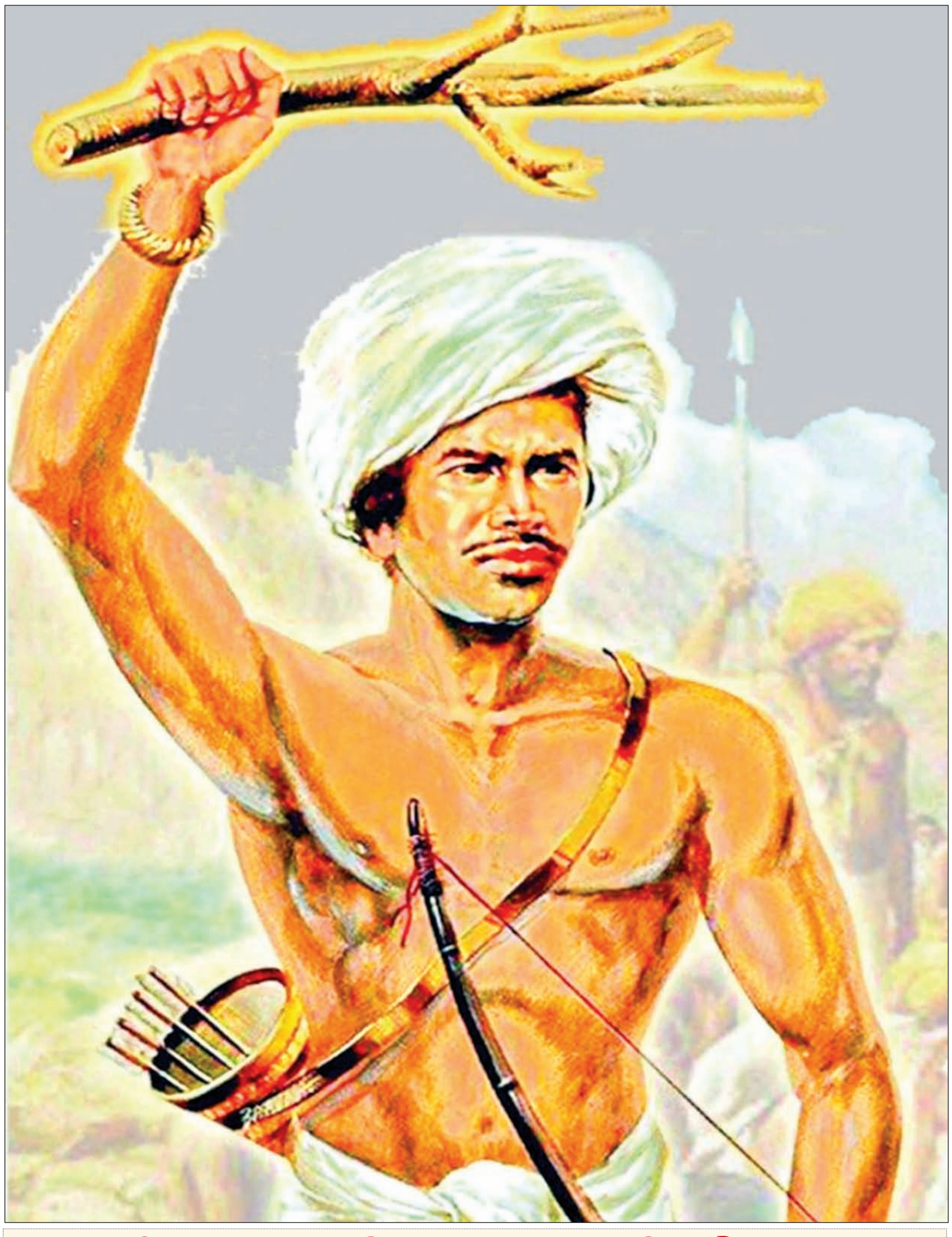

बिरसा के पूर्वजों ने बसाया था उलिहातू गांव

बिरसा के पूर्वज चुटू मुंडा और नागू मुंडा थे। वे पूर्ति गोत्र के थे। वे रांची के उपनगर चुटिया में रहा करते थे। कहा जाता है कि इन दो भाइयों के नाम से इस क्षेत्र का नाम छोटानागपुर पड़ा। चुटिया में अनेक वर्षों तक इनका समय बीता। काल-क्रमानुसार इनकी जनसंख्या में वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप इन उपवंश के मुंडा अपने रहने के लिए क्षेत्र की खोज में निकल पड़े। वे खूंटी में मरंगहदा के पास तिलमा पहुंचे और वहां बस गये। वहां से फिर मांझिया मुंडा के नेतृत्व में आगे बढ़े और तमाड़ में मांझीडीह गांव की स्थापना की। मांझीडीह से उन्होंने रंका और लाका मुंडा के नेतृत्व में अड़की प्रखंड के मुख्यालय से 10 किलोमीटर पश्चिम दुर्गम एवं पहाड़ी मार्ग पार पहाड़ की चोटी पर उलिहातू गांव बसाया। बाद में उलिहातू विकसित होकर एक बड़े गांव के रूप में परिणत हो गया। इसी गांव में लकारी मुंडा का जन्म हुआ था, जो बिरसा के दादा थे। बिरसा के पिता सुगना मुंडा का जन्म भी यहीं हुआ था और बिरसा का जन्म भी यहीं हुआ। बिरसा के दादा लकारी मुंडा का विवाह चलकद में हुआ था और उसके तीन पुत्र हुए। उनमें बिरसा के पिता सुगना मुंडा का दूसरा स्थान था। सुगना का विवाह अयुबहातु में डिबर मुंडा की सबसे बड़ी पुत्री करमी से हुआ। उनके तीन पुत्र और दो पुत्रियां थीं। इनमें से बिरसा का चौथा स्थान था।

आर्थिक एवं सामाजिक जीवन

उलिहातू में बिरसा वंशजों की आर्थिक स्थिति काफी बिगड़ी हुई थी। परिस्थिति से विवश होकर खेत में काम करनेवाले मजदूरों या बंटाईदार अथवा रैयतों के रूप में काम की तलाश में बिरसा के पिता, मां और चाचा पसना मुंडा उलिहातू छोड़ कर बीरबांकी के निकट कूडुंबदा चले गये। वहां से परिवार चंबा चला गया और फिर चलकद आया। बिरसा के जन्म के बहुत दिन पहले ही उसके बड़े पिता कानू उलिहातू में इसाइ बन चुके थे। इनका मसीही नाम पौलूस था। बिरसा के पिता सुगना और उसके छोटे भाई फसना ने बंबा में जाकर इसाइ धर्म स्वीकार कर लिया। यहां तक कि सुगना तो जर्मन इसाई मिशन के प्रचारक भी बन गये थे। इसलिए बिरसा भी अपने पिता के साथ इसाई हो गये। सुगना का मसीही नाम मसीह दास और बिरसा का दाऊद मुंडा पड़ा। बिरसा को दाउद बिरसा भी कहा जाता था। इस तरह से बिरसा का परिवार उलगुलान होने तक चलकद में ही रहा और बिरसा का बचपन भी अपने माता-पिता के साथ काफी दिनों तक चलकद में ही व्यतीत हुआ। गरीबी के कारण कुछ बड़े होने पर बिरसा को अपने मामा घर अयुबहातु ले जाया गया। बिरसा के बड़े भाई कोंता मुंडा 10 वर्ष की उम्र में कूंदी चले गये। वहां एक मुंडा के यहां नौकरी करने लगे और काफी अर्से तक वहीं रह गये था। बाद में उनकी शादी उसी गांव की एक मुंडा लड़की से हुई। बिरसा अयुबहातु में दो वर्ष तक रहे। वहीं रहते हुए जयपाल नाग द्वारा संचालित सलगा स्कूल में दाखिला लेकर आरंभिक शिक्षा प्राप्त की। कुछ दिनों बाद उनकी सबसे छोटी मौसी जौनी की शादी खटंगा में हो गयी। चूंकि बिरसा अपनी मौसी के दुलारे थे, इसलिए शादी के बाद वह उन्हें अपने साथ खटंगा लेती गयी। यहां इसाई प्रचारक से उनका संपर्क हुआ। वह प्रचारक मुंडाओं की पुरानी धर्म व्यवस्था की आलोचना किया करता था। यह बिरसा को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वह इस चिंता में भावमग्न होकर अध्ययन में इतने तल्लीन रहते थे कि उन्हें भेड़-बकरियों को चराने के काम भी मन लगा कर नहीं करते थे। इस कारण उन्हें कभी-कभी अपनी मौसी तथा अन्य लोगों से डांट भी मिलती थी। वहां से वह बुडजो स्थित जर्मन मिशन स्कूल में भर्ती हो गये और वहीं से निम्न प्राथमिक की शिक्षा प्राप्त करने के लिए जर्मन इसाई मिशन स्कूल चाइबासा में 1886 में दाखिला ले लिया।

धार्मिक जीवन

अब बिरसा का जीवन एक सरदार की तरह व्यतीत हो रहा था। अंतर इतना था कि वह धार्मिक प्रभाव में रहते थे। उनके जीवन में कई तरह की विलक्षण घटनाएं घटती रहीं और आगे चल कर 1895 तक में वह एक पैगंबर बन गये। उसके बाद वह चोट लगे लोगों की बीमारियों को छूने मात्र से ठीक करने लगे। इस तरह से सात्विक धर्म का सूत्रपात्र हुआ। वह मुंडाओं के बीच प्रचलित बोंगा एवं पूजा प्रथा से नफरत करने लगे। बलि प्रथा का विरोध किया और एक नये धर्म का सृजन किया, जिसे बिरसाइत धर्म कहा जाता है। सन 1895 में बिरसा मुंडा ने अपने धर्म के प्रचार के लिए 12 शिष्यों को नियुक्त किया। जलमइ (चाईबासा) के रहनेवाले सोमा मुंडा को प्रमुख शिष्य घोषित किया। उन्हें धर्म-पुस्तक सौंपी। इस लिहाज से देखें, तो उन्होंने अपनी धर्म की स्थापना 1894-95 के बीच की होगी। बिरसा को भगवान या अपना हीरो मानने वाले लाखों लोग हैं, लेकिन उनके बनाये धर्म को मानने वाले खूंटी, सिमडेगा और चाइबासा जिले को मिलकर महज कुछ हजार लोग ही।

राजनीतिक आंदोलन में योगदान

अब तक बिरसा का आंदोलन केवल सुधारवादी सिद्धांतों के आधार पर चल रहा था। किंतु उनके आंदोलन में भीतर ही भीतर इसाई मिशनरियों के विरुद्ध विरोध का स्वर था, क्योंकि बिरसा के इसाई धर्म विरोधी रुख पर मिशनरी के अधिकारी क्षुब्ध थे। बिरसा आंदोलन धीरे-धीरे स्वतंत्र जन आंदोलन के रूप में भी विकसित हो रहा था। इसमें सरदारों का शामिल होना महत्वपूर्ण था। उन्हीं के प्रभाव के कारण आंदोलनकारी सरदार के रूप में उभरने की बिरसा की दमित आंकाक्षा उभर कर सामने आने लगी।

1895 में निर्दोष और धार्मिक रंग लिये हुए आंदोलन की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे उसने एक भूमि संबंधी राजनीतिक आंदोलन का स्वरूप ले लिया। इस परिवर्तन के पीछे सरदारों का बढ़ता प्रभाव काम कर रहा था। सरदार आंदोलन के प्रभाव से बिरसा के उपदेश का स्वर भी बदल गया। वह अब मुंडाओं के अलावा और किसी को भी प्रोत्साहन देने को तैयार नहीं थे। अन्य बहरी लोगों के प्रति उन्हें नफरत हो गयी थी। अपनी एक सभा में उन्होंने अपनी जाति के शोषकों के विरुद्ध आवाज उठायी। गुस्से से आग-बबूला हो गये और अपने हाथ-पैर पटकने लगे। लोग यह दृश्य देखकर डर गये। वास्तव में उनका गुस्सा जमींदारों पर था। लोग उन्हें बाबू कहते थे।

यद्यपि बिरसा पर सरदारों का प्रभाव था, लेकिन वह उनके प्रवक्ता नहीं थे। इतना सही है कि सरदार और बिरसा आंदोलन दोनों की ही जड़ में भूमि संबंधी पृष्ठभूमि कायम थी। इस प्रश्न को लेकर वर्षों तक मुंडाओं के बीच घोर चिंता और असंतोष चल रहा था। शुरू में सरदारों ने अग्रेजों के प्रति और यहां तक कि छोटानागपुर के राजा के प्रति भी निष्ठा प्रकट की थी। वे लोग सिर्फ बिचौलिया स्वार्थों को समाप्त करना चाहते थे। बाद में उनमें से कुछ यूरोपियों के प्रति खिलाफ हो गये और सितंबर 1892 में अपनी जनता के समस्याओं के समाधान के लिए हिंसा पर उतारू हो गये। पर उनके सामने कोई स्पष्ट और ठोस राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था। ऐसा कार्यक्रम 1895 में बिरसा ने पेश किया, पर वह भी कुछ अस्पष्ट सा था। बिरसा का उद्देश्य अपने को मुंडा राज्य का प्रधान बनना था। साथ ही वह धार्मिक और राजनीतिक स्वतंत्रता भी हासिल करना चाहते थे। जब सरदारों ने देखा कि उनके आंदोलन के सफल होने की संभावना नहीं थी, तो वे बिरसा की योजना के अनुसार काम करने लगे। फल यह हुआ कि उनके बेढंगे से विचार भी बिरसा आंदोलन को प्रभावित करने लगे। बिरसा से अनुमति के बिना ही सरदारों ने आंदोलन की तैयारियां शुरू कर दी थीं और हथियार इकट्ठे किये जा रहे थे। यद्यपि 24 अगस्त 1895 को विद्रोह छिड़ जाने की संभावना नहीं थी, लेकिन यह शुरू हो गया। आंदोलन छिड़ने की आशंका से बिरसा को गिरफ्तार करने के लिए सरकार का षडयंत्र चलने लगा। 22 अगस्त 1895 तक और अन्य अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 505 के अधीन 19 नवंबर 1895 को दोषी ठहराया गया। उन लोगों को दंगा कराने के अपराध के लिए अतिरिक्त अल्पकालिक सजाएं दी गयीं और मुख्य अपराध के लिए दो वर्षों के सश्रम कारावास की सजा दी गयी। बिरसा को 50 रुपये का जुर्माना भी किया गया और जुर्माना नहीं देने की स्थिति में छह महीने सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। अन्य लोगों में से हरेक को 20-20 रुपये का जुर्माना किया गया। उन्हें जुर्माना नहीं देने की स्थिति में तीन महीने के सश्रम कारवास की सजा सुनायी गयी। उच्च न्यायालय में अपील करने पर दंडादेश में परिवर्तन किया गया और दो वर्ष छह महीने की सजा घटा कर दो वर्ष कर दी गयी।

बिरसा के आंदोलन के दमन और उस बारे में की गयी सरकारी कार्रवाई का परिणाम यह हुआ कि घटनाओं ने अत्यधिक सरलता और शीघ्रता के साथ विपरीत दिशा में पलटा खाया। नये लोगों ने इसाई धर्म स्वीकार किया और जो इसाई धर्म छोड़कर बिरसा की ओर चले गये थे, वे पुनः इसाई धर्म की छत्रछाया में आ गये। लोगों ने सरकार द्वारा प्रतिशोध के कदम की आशंका से बहुत ही ज्यादा भयभीत होकर पादरी की शरण लेना श्रेयस्कर समझा।

बिरसा की जेल यात्रा

सजा सुनाये जाने के बाद बिरसा को रांची की जेल से हजारीबाग जेल भेज दिया गया। उन्होंने वहां दो वर्ष की सजा भोगी। सजा खत्म होने के कुछ दिनों पूर्व उन्हें रांची जेल फिर भेज दिया गया, ताकि उनकी रिहाई के बाद उनकी गतिविधि पर रांची की पुलिस निगाह रख सके। बिरसा को 30 नवंबर 1897 को जेल से रिहा किया गया। उन्हें पुलिस चलकद ले आयी और चेतावनी दी गयी कि वह अब पुरानी हरकतें नहीं करेंगे। अगले महीने सात तारीख को डिप्टी कमिश्नर ने चलकद में उनसे मुलाकात की। बिरसा ने वादा किया कि अब वह किसी तरह का उपद्रव नहीं करेंगे।

बिरसा के जेल से निकलने के कुछ दिनों बाद उनके अनुयायी उनसे मिले। उन्होंने उनसे निवेदन किया कि एक संगठन फिर से खड़ा किया जाये। उन्होंने कहा कि अपने खोये अधिकारों को फिर से हासिल करने और दुश्मनों को मार भगाने के लिए संगठन बनाना नितांत आवश्यक था। अनुयायी एवं शिष्यगण दो टुकड़ियों में बांट दिये गये। एक टुकड़ी पर धार्मिक प्रचार का भार था और दूसरी विद्रोही की तैयारियों में लग गयी थी। राजनीतिक संगठन कार्य में सरदारों का बोलबाला था। इस प्रकार से बिरसा के धार्मिक आंदोलन की तैयारी के सिलसिले में आंदोलन का स्वरूप ही बदल गया था। धार्मिक संगठन के इस स्वरूप से राजनीतिक आंदोलन की तैयारी में आसानी हुई।

जैसी की विद्रोह की योजना बनायी गयी थी, बड़ा दिन (क्रिसमस) के एक दिन पूर्व अर्थात 24 दिसंबर 1899 को अगलगी और तीरों से प्रहार किया गया। सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाने और रांची जिले के खूंटी, कर्रा, तोरपा, तमाड़ और बसिया थानों के अंतर्गत विद्रोह की आग दहक उठी। खूंटी थाने का क्षेत्र इस आंदोलन का केंद्र था। आंदोलन के सिलसिले में मुरहू एंग्लिकन स्कूल भवन पर दो तीर चलाये गये। किंतु तीर से किसी को चोट नहीं लगी। सरवदा इसाई मिशन में रात नौ बजे के बाद गोदाम में आग लगा दी गयी। कुछ गांव में घर जलाये गये। सिंहभूम के पोड़ाहाट क्षेत्र में तीरों के प्रहार की बजाय अगलगी की घटनाएं ज्यादा हुईं। इन सब घटनाओं को देख कर बिरसा की गिरफ्तारी की कोशिशें फिर से शुरू हुईं। उधर रांची के डिप्टी कमिश्नर के आदमी बिरसा की खोज में पोड़ाहाट के जंगलों की खाक छान रहे थे और इधर खूंटी क्षेत्र में बिरसा के अनुयायियों ने आम बगावत की तैयारी शुरू कर दी थी। 9 जनवरी को साइलरकब पहाड़ी पर विद्रोही मुंडाओं की एक बड़ी बैठक होने जा रही थी। यह जगह डोंबारी से कुछ दूर और सैको से करीब तीन मील उत्तर है। बैठक के लिए 25 दिसंबर 1899 से ही विद्रोही बड़ी संख्या में तीर-धनुष और मशाल लेकर साइलरकब पहाड़ी पहुंचने लगे थे। वहां वे घमासान लड़ाई के लिए तैयारी किये हुए थे। यह खबर सुनते ही पुलिसकर्मी उन्हें गिरफ्तार करने के लिए उस पहाड़ी तक पहुंच गये।

स्ट्रीटफिल्ड ने विद्रोहियों को चेतावनी दी की यदि उन्होंने तुरंत आत्मसमर्पण नहीं किया तो उन पर गोलियां चलायी जायेंगी। पर विद्रोही इसी तरह अड़े रहे और बिना भयभीत हुए विरोध भाव के साथ उन्होंने चिल्ला कर जवाब दिया कि वे लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। गोलीबारी शुरू हुई। इसका जवाब विद्रोहियों ने पत्थरों और तीरों से दिया। गोली की बौछार से अनगिनत लोग मारे गये, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। खून की नदियां बहीं, बहुत से बच्चे अनाथ हुए, औरतें विधवा हुईं, परिवार उजड़ गया। किंतु वे मैदान में डटे रहे। गोली का जवाब तीरों से देते रहे। विद्रोहियों में से बहुत लोग गिरफ्तार हुए। अंततः 3 जनवरी 1900 को बिरसा भी पकड़े गये। उन्हें रांची जेल भेज दिया गया। 9 जून 1900 की सुबह नौ बजे अचानक उनकी मृत्यु जेल में हुई। कहा जाता है कि उनकी मृत्यु हैजा से हुई, किंतु संदेह व्यक्त किया जाता रहा है कि उन्हें जहर देकर मार दिया गया। इस तरह से छोटानागपुर की धरती के वीर सपूत का अंत हो गया।

बुजुर्ग महिला की भविष्यवाणी और बिरसा

चाइबासा में बिरसा चार वर्षों (1886 से 1890) तक रहे। इस बीच उनके साथ एक रोचक घटना घटी। एक बूढ़ी महिला ने उनके माथे की रेखाओं का निरीक्षण करने के बाद यह भविष्यवाणी की थी कि वह एक दिन बहुत बड़ा काम कर दिखायेंगे और एक महान व्यक्ति बनेंगे। इस अवधि में जर्मन, लूथेरन और रोमन कैथोलिक इसाइयों के भूमि आंदोलन चल रहे थे। एक दिन चाइबासा मिशन में उपदेश देते हुए डॉ नोट्रेट ने ईश्वर के राज्य के सिद्धांत पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस उपदेश के स्रोता के रूप में बिरसा भी उपस्थित थे। डॉ नोट्रेट का कहना था कि यदि वे इसाई बने रहेंगे और और उनके अनुदेशों का अनुपालन करते रहेंगे, तो उनकी छीनी हुई जमीन की वापसी कर दी जायेगी। इस बात से बिरसा को और अन्य लोगों को भी बड़ा धक्का लगा और 1886-87 में मिशनरियों से सरदारों का संबंध विच्छेद हो गया। उसके बाद मिशनरियों ने सरदारों को धोखेबाज कहना शुरू किया। बिरसा ने उसी समय डॉ नोट्रेट और मिशनरियों की बहुत ही तीखे शब्दों में आलोचना की। इसका नतीजा यह हुआ कि बिरसा को स्कूल से निकाल दिया गया। इस घटना के बाद उन्होंने अपनी आवाज बुलंद की : साहब-साहब एक टोपी है। अर्थात गोरे अंग्रेज और मिशनरी एक जैसे हैं।

बिरसा ने 1890 में चाइबासा छोड़ दिया और उसके तुरंत बाद उन्होंने जर्मन इसाई मिशन की सदस्यता भी छोड़ दी। इसके साथ उनके और भी सहपाठी भी थे, जिन्होंने इनका साथ दिया। उन्होंने जर्मन मिशन त्याग कर रोमन कैथोलिक मिशन धर्म स्वीकार किया। उसके साथ कुछ दिनों तक रहे, पर बाद में उस धर्म के प्रति भी उनके मन में विरक्ति आने लगी। ऐसी ही बात सरदारों के आंदोलन के साथ भी हुई। उन लोगों ने जिन मांगों को लेकर रोमन कैथोलिक मिशन का समर्थन प्राप्त करना चाहा था, उस ओर से वे निराश होकर अपनी पुराने धर्म की ओर लौट आये। इस तरह से वे मिशन धर्म का त्याग कर अपने धर्म की आस्था पर विशेष बल देने लगे। चाइबासा से लौटने के बाद बिरसा ने करीब एक वर्ष तक अपनी बड़ी बहन दसकीर के यहां कांडेर में समय बिताया। सन 1891 में वह बंदगांव पहुंचे। बिरसा का यह समय व्यक्तित्व निर्माण का था। 1894 तक में बिरसा बढ़ कर एक बलिष्ठ और सुंदर युवक बन चुके थे। इसाई धर्म ने, जो उनके चारों ओर एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा था, उनके बचपन को एक विशेष सांचे में ढाला और इसके कारण ही उन्हें अच्छी स्कूली शिक्षा मिल पायी। बाद में वह इसाई और वैष्णव धर्म की मिश्रित प्रभाव में आकर धार्मिक आंदोलन की ओर प्रेरित हुआ। सरदारों के भूमि संबंधी आंदोलन के अदम्य प्रभाव ने बिरसा को मिशनरियों से भिड़ने तथा स्कूल छोड़ने के लिए बाध्य किया। बिरसा ने सरदार आंदोलन का अनुसरण किया और आनंद पांडे का साथ छोड़ा। बाद में उन्होंने वन एवं भूमि संबंधी अधिकारों की मांगों को लेकर चल रहे सरदारी आंदोलन में विशेष रूप से भाग लिया।

झारखंड अलग राज्य के असली नायक

जयपाल सिंह मुंडा: संविधान सभा में आदिवासियों की बुलंद की आवाज

राहुल सिंह

दिसंबर 1946 में जब भारत की संविधान सभा की बैठक में मूल निवासियों के प्रश्न पर चहुंओर चुप्पी थी, अचानक एक आदमी उठ खड़ा होता है। वह काफी संजीदगी, लेकिन बुलंद आवाज में कहता है, मैं भुला दिये गये उन हजारों योद्धाओं की ओर से बोल रहा हूं, जो आजादी की लड़ाई में आगे रहे, लेकिन उनकी कोई पहचान नहीं है। देश के इन्हीं मूल निवासियों को पिछड़ी जनजाति, आदिम जनजाति, जंगली, अपराधी कहा जाता है। श्रीमान मैं बताना चाहता हूं कि मुझे जंगली होने पर गर्व है। इस देश के अपने हिस्से में हम इसी नाम से पुकारे जाते हैं। मुझे यह समझ नहीं आता कि आदिवासियों के हक में प्रस्ताव पास करने में क्या समस्या आ रही है? आप आदिवासियों को लोकतांत्रिक मूल्य नहीं सिखा सकते, बल्कि आप लोगों को उनसे लोकतांत्रिक परंपराए सीखनी चाहिए। वे इस धरती पर सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक निवासी हैं।

संविधान सभा में आदिवासी प्रश्नों पर सबसे प्रखर होकर बोल रहे इस व्यक्ति का नाम जयपाल सिंह मुंडा था। उनकी पैदाइश बिरसा मुंडा के निधन के करीब तीन साल बाद 3 जनवरी 1903 को झारखंड के रांची जिले के खूंटी अनुमंडल में हुई। बिरसा मुंडा भी इसी इलाके से थे। जयपाल को विद्रोह बिरसा से विरासत में मिला था। बिरसा के नेतृत्व में 1895-1900 के बीच उलगुलान हुआ था, जिसे महान विद्रोह भी कहते हैं। आदिवासियों का यह विद्रोह उनके जल, जंगल, जमीन पर बाहरी लोगों के कब्जे के खिलाफ था। इससे पहले 1855 में भी संथालों ने बाहरी लोगों के खिलाफ विद्रोह किया था। इसकी वजह बाहरी लोगों को आदिवासियों के साथ छल-कपट, बेइमानी और सदियों से चला आ रहा शोषण था। अब भी आदिवासी बाहरी लोगों को लेकर भरोसा नहीं रखते हैं।

जयपाल सिंह मुंडा अपनी स्कूली शिक्षा के बाद सेंट पॉल के प्रधानाचार्य के संरक्षण में उच्च शिक्षा के लिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय चले गये। वहां जा कर उन्होंने अर्थशास्त्र में बीए किया। उनका हॉकी खेल से लगाव पहले से ही था। ऑक्सफोर्ड में आकर जल्दी ही उन्होंने अपनी क्षमता का लोहा मनवा लिया और विश्वविद्यालय की टीम में शामिल हो गये। इस खेल में उनका प्रदर्शन इतना शानदार रहा था कि 1928 में नीदरलैंड में हुए ओलंपिक के लिए उन्होंने भारतीय कप्तान के रूप में नेतृत्व किया। बीए पास करने के बाद उन्होंने आइसीएस की परीक्षा पास की, लेकिन उन्होंने नौकरी छोड़ दी।

हॉकी के प्रति दीवानगी के चलते जब उनके सामने हॉकी और आइसीएस की नौकरी में से एक चुनने का सवाल खड़ा हुआ, तो उन्होंने हॉकी को चुना। जयपाल की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में स्वर्ण पदक हासिल किया।

झारखंड आंदोलन के अगुवा निर्मल महतो

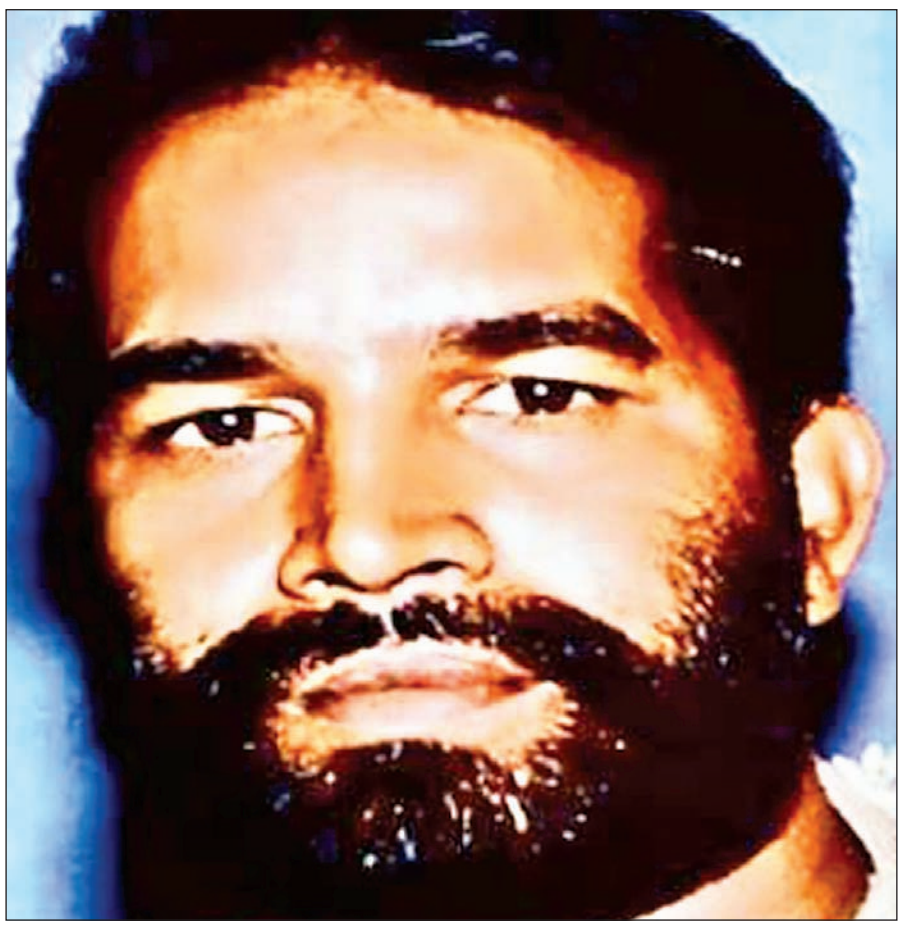

निर्मल महतो झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख नेता थे। वह ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के संस्थापक भी थे। वह झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में प्रमुख नेताओं में से थे। निर्मल महतो का जन्म 25 दिसंबर 1950 को सिंहभूम जिले के गांव उलियान, जमशेदपुर में हुआ था। वह जगबंधु महतो और पिरिआ बाला महतो के चौथे पुत्र थे। निर्मल महतो ने जमशेदपुर वर्कर्स यूनियन हाइ स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पूरी की और को-ऑपरेटिव कॉलेज जमशेदपुर से बीए की शिक्षा ली। पढ़ाई के साथ-साथ उनकी राजनीतिक में अधिक रुचि थी।

सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन चलाने वाले निर्मल महतो ने झारखंड अलग राज्य के लिए चलाये गये आंदोलन में अहम भूमिका निभायी थी। झारखंड के दिशोम गुरु शिबू सोरेन इनकी आक्रामक छवि से काफी प्रभावित थे। निर्मल महतो ने झारखंड के लिए आंदोलन चलाया था और सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन किया था। उन्होंने झारखंड के सबसे बड़े छात्र संगठन ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) का गठन किया। झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन ने इनकी आंदोलनकारी छवि को देखते हुए उनको 1980 में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में शामिल किया।

निर्मल महतो 8 सितंबर 1980 में पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव में आदिम जनजाति आंदोलन के अग्रणी आंदोलनकारी नेता थे। इस आंदोलन में गोली कांड हुआ, जिसमें हजार से अधिक लोगों ने अपना बलिदान दिया। 1984 में उन्होंने लोकसभा चुनाव झारखंड मुक्ति मोर्चा से लड़ा, जिसमें उन्हें सफलता नहीं मिली। 1985 में बिहार विधानसभा का चुनाव भी लड़ा, लेकिन उसमें भी उन्हें सफलता नहीं मिली। अप्रैल 1986 में उन्हें झारखंड मुक्ति मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया। झारखंड के शहीद तेलंगा खड़िया के गांव को उन्होंने गोद लिया था। निर्मल महतो ने शोषण के विरुद्ध और गरीबों, मजदूरों, किसानों के हक के लिए आवाज उठायी और जमीनी स्तर पर युवाओं को जोड़ने का काम किया। उन्होंने आजसू के नेताओं को आंदोलन की बारीकियों से अवगत कराने के लिए दार्जिलिंग में सुभाष घीसिंग और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के नेता प्रफुल्ल कुमार महंत और भृगु कुमार फूकन से मिलने असम भी भेजा। झारखंड अलग राज्य के लिए आंदोलन ने इस कदर रफ्तार पकड़ ली कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी व तत्कालीन भारत के गृह मंत्री बूटा सिंह को दिल्ली में कई बार आजसू से वार्ता करनी पड़ी। आठ अगस्त 1987 को निर्मल महतो की हत्या कर दी गयी।

आंदोलन की तपिश ने गढ़ा शिबू सोरेन को

कहा जाता है कि 79 साल की उम्र किसी आम मनुष्य के जीवन का वह पड़ाव है, जहां जीवन के बारे में उसका नजरिया बदल जाता है, लेकिन कर्मयोगी इससे अलग होते हैं। और अलग होते हैं वे लोग भी, जिन्हें आंदोलन की तपिश ने गढ़ा और फिर संघर्ष के पथ पर हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। यह प्रेरणा ऐसी थी कि उनका जीवन ही लोगों के लिए प्रेरणा बन गया। हम बात कर रहे हैं झारखंड के सबसे सम्मानित और प्रतिष्ठित राजनीतिक हस्ती शिबू सोरेन की, जिन्हें लोग 'दिशोम गुरु' के नाम से जानते हैं। भारतीय सियासी इतिहास में शिबू सोरेन वह शख्सियत हैं, जिनके जीवन से जुड़ी घटनाओं-कहानियों से साफ हो जाता है कि उन्होंने हमेशा खुद को खुद की कसौटी पर ही कसा और गढ़ा है। ऐसा विरले ही होते हैं कि एक चिंगारी, जो मशाल बन जाये और फिर समाज उससे आलोकित होता रहे। शिबू सोरेन उसी मशाल का नाम है।

शिबू सोरेन को उम्र ने शारीरिक रूप से कमजोर जरूर बना दिया है, लेकिन उनकी आंखें आज भी सपनीली हैं। उनके दिलो-दिमाग में झारखंड के लोग, जंगल, पहाड़ और संस्कृति की ही बातें होती हैं। उनका पूरा जीवन कहानियों से भरा है। गुरुजी के बारे में कहा जा सकता है कि जिस तरह से चट्टानें हजारों साल का इतिहास अपने सीने में संजोये रखती हैं, उसी तरह उनका जीवन किस्सों-कहानियों और असंख्य दुखों से रंगा हुआ है। वह संघर्ष और आंदोलन की जीती-जागती मिसाल हैं।

शिबू सोरेन को जानते हुए सैकड़ों संघर्ष याद आने लगते हैं, जो अपनी माटी, पहाड़, पेड़, पानी और जिंदगी की हिफाजत में लड़े गये। हजारों कविताएं बादल बन कर आकाश को ढंक लेती हैं। याद आने लगते हैं सिदो-कान्हू, तिलका मांझी, बिरसा और तानाजी भगत और याद आने लगती हैं सिनगी दई। अपनी धरती की हिफाजत के लिए आदिवासियों की अनगिनत शहादतों से मस्तिष्क में उजास फैलने लगता है। दिशोम गुरु का संघर्ष हमेशा प्रेरित करता है। उनकी सादगी विरल है। उनकी आंखें अब भी उतनी ही सपनीली हैं, जितनी पहले हुआ करती थीं। बदलाव के तमाम झंझवातों और दबावों में वह आज भी कई मायनों में पहले जैसे ही हैं। एक व्यक्ति और एक राजनेता के रूप में उनके जीवन में इतने उतार-चढ़ाव आये हैं कि कभी-कभी आश्चर्य होता है कि इतना सब कुछ एक ही व्यक्ति के साथ घटित कैसे हो पाया। उनके एक जीवन में कई जिंदगियों की कहानियां सांस ले रही हैं। उनका जीवन फिल्म और उपन्यास के लिए उपयुक्त है। हालांकि 'समर शेष है' और 'रेड जोन' जैसे उपन्यास लिखे जा चुके हैं, फिर भी साहित्यकारों के लिए दिशोम गुरु अभी भी जिंदा इतिहास के एक ऐसे पात्र हैं, जिनके व्यक्तित्व और कृतित्व के कई पहलुओं पर लिखा जाना अभी बाकी है। जयपाल सिंह मुंडा से लेकर शिबू सोरेन तक भारत की राजनीति, दलित और आदिवासी नेताओं के लिए हमेशा दुरूह रही है। उनकी अगवानी हमेशा जटिल परिस्थितियों ने की है। राजनीति में आने के बाद दिशोम गुरु को भी तमाम जटिल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। मगर उन्हें राजनीति में लाने के लिए वही परिस्थितियां जिम्मेदार हैं, जिन्होंने उनका बचपन कांटों से भर दिया था।

रांची से लगभग 70 किलोमीटर दूर रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के नेमरा गांव में शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी, 1944 को सोबरन मांझी के यहां हुआ। नेमरा गांव विशालकाय चंदू पहाड़ के बीच बसा हुआ है। इस पहाड़ से शिबू सोरेन का बड़ा गहरा नाता है, क्योंकि इसी पहाड़ के आंचल में उनके पिता सोबरन मांझी की समाधि है, जिनकी महाजनों और बनियों ने 27 नवंबर, 1957 को हत्या कर दी थी। पिता की हत्या का किशोर शिबू सोरेन पर गहरा प्रभाव पड़ा। थोड़ा बड़ा होते ही शिबू सोरेन ने दुश्मनों को नहीं, बल्कि दुश्मनी पैदा करने वाली व्यवस्था अर्थात महाजनी सभ्यता को समाप्त करने के लिए 'धनकटनी आंदोलन' छेड़ दिया और आदिवासियों के मन में यह बात बिठा दी कि जल-जंगल-जमीन पर उनका प्राकृतिक अधिकार है। इस आंदोलन ने महाजनी सभ्यता की नींव को खोखला कर दिया। साथ ही साथ धरती की लूट से बचाने वाले दूसरे आंदोलन (कोयलांचल की कोयला माफिया के खिलाफ लड़ाई) भी इस आंदोलन से जुड़ते चले गये। एक महाआंदोलन खड़ा होने से महाजनी सभ्यता की नुमाइंदगी करने वाले परेशान हो गये। इसी क्रम में बिनोद बिहारी महतो और एके राय से भी शिबू सोरेन का मिलना हुआ। झारखंड की भूमि की लूट को रोकने के लिए सांगठनिक प्रयास के रूप में 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा का जन्म हुआ।

दिशोम गुरु ने आदिवासी समाज के लिए धनकटनी आंदोलन के माध्यम से सूदखोरी करने वाले महाजनों से बहुत सारी जमीन अर्जित कर ली। लहलहाती फसलों को काटकर आश्रम में रखा जाने लगा। 'सभी को काम और सभी को आराम' के सिद्धांत पर सामुदायिक खेती शुरू की गयी। लोगों को काम के साथ-साथ पढ़ाया भी जाने लगा। रात्रिकालीन स्कूलों की स्थापना से आदिवासियों को अक्षर ज्ञान दिया गया। औरतों की हाथों के हुनर को निखारने के लिए उन्हें मौका दिया जाने लगा। रचनात्मक होने के कारण झामुमो का कारवां विशाल होता जा रहा था। परंतु बड़ी राजनीतिक परिघटना के घटित होने के पहले ही 26 जून, 1975 को पूरे देश में आपातकाल लगा दिया गया, जिसका असर झामुमो और गुरुजी पर भी पड़ा।

शिबू सोरेन ने महाजनी प्रथा के खिलाफ बड़े आंदोलन की शुरुआत की और आदिवासी समाज में जागृति लाने के लिए अभियान प्रारंभ किया। पोखरिया आश्रम में रहने के दौरान ही उन्हें जनजातीय समाज की ओर से दिशोम गुरु की संज्ञा दी गयी। अलग झारखंड राज्य आंदोलन के दौरान संथाल परगना, छोटानागपुर, कोयलांचल और कोल्हान इलाके में उनकी तूती बोलती थी। सिर्फ नगाड़े (पारंपरिक वाद्य यंत्र) की आवाज सुनकर ही लोग शिबू सोरेन के संदेश को सुनने के लिए एकत्रित हो जाते थे।

आपातकाल के दौरान पूंजीवाद और महाजनी सभ्यता के लोग अवसर का इस्तेमाल तमाम जनवादी संगठनों को मिटाने में करने लगे थे। प्रशासन से उनको किसी न किसी रूप में सहयोग मिल रहा था। वे शिबू सोरेन को रोकना चाहते थे। इसी क्रम में केबी सक्सेना को उपायुक्त बनाकर धनबाद भेजा गया। उनके कहने पर एवं साथियों की मौत और झामुमो के बिखरते भविष्य को देखते हुए शिबू सोरेन ने आत्मसमर्पण कर दिया। कुछ दिन धनबाद जेल में रखने के बाद उन्हें मुक्त कर दिया गया।

धीरे-धीरे गुरुजी की राजनीति का दायरा बढ़ा और वे केंद्र में मंत्री भी बनाये गये। फिर तीन बार झारखंड के सीएम भी बने। शिबू सोरेन ने 1980 में दुमका से लोकसभा का पहला चुनाव जीता। बाद में वह 1989, 1991, 1996, 2002, 2004, 2009 और 2014 में भी दुमका संसदीय क्षेत्र से चुने गये। वर्ष 2002 में वह राज्यसभा के लिए भी चुने गये। दूसरी बार 2020 में वह संसद के उच्च सदन के लिए चुने गये।

'पढ़ो और लड़ो' का नारा देनेवाले बिनोद बिहारी महतो

बिनोद बिहारी महतो (23 सितंबर 1923-18 दिसंबर 1991) एक भारतीय वकील और राजनीतिज्ञ थे। वह 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक थे। वह 1980, 1985, 1990 में बिहार विधानसभा के तीन बार सदस्य और 1991 में गिरिडीह से लोकसभा के सदस्य थे। बिनोद बिहारी महतो का जन्म 23 सितंबर 1923 को धनबाद के बालीपुर प्रखंड के बडवाहा गांव में एक कुड़मी महतो परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम महेंद्र महतो एक किसान थे और माता का नाम मंदाकिनी देवी था। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा बालीपुर से की। उन्होंने अपनी पढ़ाई डीएवी झरिया और धनबाद हाइ इंग्लिश स्कूल से की। उन्होंने पीके राय मेमोरियल कॉलेज से इंटर किया। उन्होंने रांची कॉलेज से स्नातक और लॉ कॉलेज, पटना से लॉ की पढ़ाई की। परिवार की आर्थिक समस्याओं के कारण उन्होंने धनबाद न्यायालय में दिहाड़ी लिपिक के रूप में लेखन कार्य किया। वह एक शिक्षक के रूप में भी काम करते थे। इसके बाद उन्हें धनबाद में क्लर्क की नौकरी मिल गयी। उन्होंने 1956 में धनबाद में वकील का पेशा शुरू किया। उन्होंने पंचेत डैम, मैथन डैम, सिंदरी कारखानों आदि के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए कई मामले लड़े। उन्होंने झरिया से 1952 का चुनाव लड़ा, लेकिन जीत नहीं पाये। 1967 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी विभाजित हो गयी। वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सदस्य थे। 1971 में उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के टिकट पर धनबाद लोकसभा चुनाव में भाग लिया और दूसरा स्थान प्राप्त किया। वह धनबाद नगरपालिका में चुनाव जीते। वे 1980 से 1985 तक टुंडी से विधानसभा के सदस्य रहे। फिर

वह 1990 में सिंदरी और टुंडी से विधानसभा सदस्य बने। इसके बाद वह 1991 में गिरिडीह से लोकसभा के सदस्य बने। उन्होंने फुलमनी देवी से शादी की। उनके पांच बेटे राज किशोर महतो, नील कमल महतो, चंद्र शेखर महतो, प्रदीप सुमेर महतो, अशोक कुमार महतो और दो बेटियां चंद्रवती देवी और तारावती देवी थीं।

बिनोद बिहारी महतो झारखंड की संस्कृति के प्रेमी थे। उन्होंने हमेशा झारखंड के लोक गीतों, त्योहारों और संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास किया। उन्होंने झारखंड के लोक नृत्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। वह टुसू पर्व, जितिया, करम परब, सोहराई और मनासा पूजा जैसे त्योहारों में भाग लेते। उन्होंने कुड़माली भाषा को बढ़ावा देने का भी काम किया, जिसके लिए बुद्धिजीवियों और विद्वानों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कुड़माली साहित्य और व्याकरण के लेखक लक्ष्मीकांत महतो को प्रोत्साहित किया। खोरठा भाषा के लेखक और कवि श्रीनिवास पुनेरी उनके मित्र थे। उनके प्रयास के कारण, रांची विश्वविद्यालय में कुड़माली भाषा का अध्ययन शुरू हुआ। उन्होंने 'पढ़ो और लड़ो' का नारा दिया। उनको फुटबॉल और तीरंदाजी खेलों में काफी रुचि थी। वह समय-समय पर फुटबॉल और तीरंदाजी प्रतियोगिताओं का आयोजन और खिलाड़ियों का प्रोत्साहन करते थे।

बिनोद बिहारी महतो 25 साल तक कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य रहे। उनका अविश्वास अखिल भारतीय दलों से टूट चुका था। उनका मानना था कि कांग्रेस और जनसंघ जैसे राजनीतिक दल सामंतवादियों और पूंजीवादियों के लिए हैं, जबकि दलित और पिछड़ी जाति के लिए कोई दल नहीं हैं। इसलिए इन दलों के सदस्य के रूप में दलित और पिछड़ी जाति के लिए लड़ना मुश्किल होगा।

नये भारत के शिल्पकार नरेंद्र मोदी ने दी नयी पहचान

■ अध्यात्म से लेकर अर्थव्यवस्था तक को किया दुरुस्त
■ भारत की सांस्कृतिक विरासत और धरोहरों का निर्माण करा, फैला रहे सनातन का परचम

राकेश सिंह

भारत प्राचीन काल में विश्व गुरु की भूमिका में हमेशा रहा। चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो या फिर अध्यात्म का। भारत का लोहा पूरा विश्व मानता था, लेकिन भारत को विदेशी आक्रांताओं की नजर लग गयी और एक ऐसा दौर आया, जब भारत की संस्कृति, भारत की धरोहरों को नष्ट किया जाने लगा। भारत के मंदिरों को तोड़ा गया। उन्हें लूटा गया। देवी-देवताओं की मूर्तियों को चुरा लिया गया, उन्हें खंडित किया गया। धर्मग्रंथों को जला दिया गया। उस समय भारत के वीर सपूतों ने विदेशी आक्रांताओं का डट कर सामना किया, लेकिन जब तक आक्रांता पराजित होते भारत का बहुत नुकसान हो चुका था। भारत ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ा, लेकिन आजादी के बाद भी भारत धार्मिक रूप से आजाद नहीं हो सका। उदाहरण के तौर पर अयोध्या का राम मंदिर, काशी का विश्वनाथ मंदिर, मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मस्थान, गुजरात का सोमनाथ, ऐसे कई भारत के प्राचीन मंदिरों और धरोहरों को विदेशी आक्रांताओं के तोड़ डाला था। उन पर अवैध तरीके से मस्जिदों और इस्लामी ढांचों का निर्माण भी कर डाला। 2014 से पहले देश के हिंदुओं को लगने लगा था कि राम मंदिर निर्माण का उनका सपना शायद पूरा नहीं हो पायेगा। पूर्व की भाजपा सरकार और हिंदू संगठनों ने राम मंदिर निर्माण के लिए कई प्रयास किये। हजारों राम भक्तों ने अपने प्राणों की आहुति दे डाली। फिर भी 2014 से पहले राम मंदिर का सपना बहुत कठिन लग रहा था। लेकिन 2014 के बाद भारत की राजनीतिक व्यवस्था में ऐसा बदलाव आया, जिसने देश की दिशा और दशा दोनों ही बदल डाली। भारत का डंका देखते ही देखते विश्व में बजने लगा, क्योंकि 2014 में डंके की चोट पर एक ऐसा व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बना, जिसे हर उस विषय का बोध था, जो भारत को अध्यात्म से लेकर आर्थिक मोर्चे पर मजबूत बना सकता था। वह व्यक्ति कोई और नहीं नरेंद्र मोदी हैं। पहले विपक्ष जोर-जोर से चिढ़ाया करता था कि मंदिर वहीं बनायेंगे, लेकिन तारीख नहीं बतायेंगे, आज जब भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, तो सब के सब क्रेडिट लेने पहुंच रहे हैं। भले वह पार्टियां राम मंदिर निर्माण के खिलाफ जीवन भर बोलती रहीं। राम मंदिर सिर्फ एक मंदिर नहीं है, एक सोच है, जूनून है भारत के स्वर्णिम काल के निर्माण का। मोदी युग में भारत ने भू-राजनीति से लेकर विदेश नीति तक, भारतीय बोध के एकीकरण और भारत को देखनेवाले दुनिया के नजरिये पर जबर्दस्त प्रभाव डाला है।

यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में आज भारत 21वीं सदी की सबसे जागृत अवस्था में है। राष्ट्र की इस दिव्यता के पीछे जो प्रचुर आस्था है, उसे बस राजनीतिक इच्छाशक्ति के रूप में देखना सतही होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गवर्नेंस के हर पहलू में बेहतर प्रदर्शन किया है और भारत को आध्यात्मिकता, तकनीक और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी पंक्ति में ला खड़ा किया है। देश की एकजुटता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास सराहनीय है। चाहे सभ्यता और संस्कृति में उत्तर और दक्षिण की खाई को पाटनेवाली काशी तमिल संगमम की वाराणसी में स्थापना हो, जिसका मकसद उत्तर और दक्षिण के लोगों के बीच संबंध को मजबूत करना है। अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद वहां से सिखों और गुरु ग्रंथ साहिब के तीन स्वरूपों की सम्मानजनक वापसी को भी इसमें याद किया जायेगा। सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह के चार बेटों की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाये जाने का मोदी का एलान भी बहुप्रतीक्षित और ऐतिहासिक कदम है।

मोदी युग में भव्य राम मंदिर का निर्माण, चारधाम को जोड़ने का विकास कार्य चालू है, केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण और प्रांगण में आदि शंकराचार्य की भव्य मूर्ति की स्थापना, आजादी के बाद, पहली बार कुपवाड़ा में एलओसी के पास नवरात्र में पहली बार पूजा मां शारदा के मंदिर में पूजा का आयोजन, सोमनाथ मंदिर का विस्तार, उज्जैन में महाकाल लोक का निर्माण, भव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण, विंध्याचल क्षेत्र में विंध्य कॉरिडोर का निर्माण, 500 साल बाद पावागढ़ के माता मंदिर में ध्वज पताका और भी भारत की सांस्कृतिक धरोहरों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। जिन मूर्तियों और धरोहरों को आक्रांता लूट कर ले गये, उन्हें वापस लाने का क्रम जारी है। आज भारत चांद पर पहुंच चूका है। यह कार्य भी मोदी युग में सफल हुआ और आज दक्षिणी सतह पर जिस जगह चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर उतरा, उसे शिवशक्ति पॉइंट नाम दिया गया। इतना ही नहीं, हफ्ते भर बाद भारत ने सूर्य की स्टडी के लिए अपना पहला मिशन आदित्य एल-1 भी लॉन्च कर दिया।

1955 में जब जवाहर लाल नेहरू ने सऊदी के राजा को काशी बुलाया था, तब काशी विश्वनाथ मंदिर को ढक दिया गया था, काशी की कई मंदिरों में पूजा और आरती को रुकवा दिया गया था, जब तक सऊदी का राजा काशी में रहा। सरकारी बिल्डिंगों पर कलमा तय्यब पेंट करवायी गयी थी। वहीं जब 2023 के जी 20 समिट में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया भर के नेताओं को बुलाते हैं, उन्हें भारत की संस्कृति से अवगत करवाते हैं। नरेंद्र मोदी जिस आकृति के सामने खड़े होकर मेहमानों का स्वागत कर रहे थे, उसके पीछे कोणार्क का काल चक्र बना हुआ था। वह भारत के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व का प्रतीक है। जिस भारत मंडपम में पीएम मोदी ने मेहमानों का स्वागत किया, वह भारत मंडपम भगवान बसवेश्वर की अनुभव मंडपम की अवधारणा से प्रेरित था। आज जब वही सऊदी राजा के पुत्र प्रिंस सलमान भारत आये, वह भारत की सांस्कृतिक विरासतों की तस्वीरें और धरोहरों को देखते रह गये। उसे ढका नहीं गया। जी20 शिखर सम्मेलन की कामयाबी भी बता रही है कि भारत की संस्कृति, विविधता और सभ्यता वैश्विक क्षेत्र में फिर से नया जीवन ले रही है। इस शिखर सम्मेलन में आये विदेशी मेहमानों को प्रधानमंत्री मोदी ने जो तोहफा दिया, वे भी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचायक हैं। मोदी युग में नौसेना को गुलामी के निशान से आजादी मिली। देश के आजाद होने के बाद भारतीय सेना में ब्रिटिश औपनिवेशक झंडे और बैज का ही इस्तेमाल होता रहा। 26 जनवरी 1950 को ध्वज के पैटर्न में सिर्फ भारतीयकृत में बदलाव किया गया था। ध्वज में यूनियन जैक को तिरंगे से बदल दिया गया था। मोदी राज में नौसेना के नये ध्वज से क्रास को हटा दिया गया। साथ ही नौसैनिक क्रेस्ट को फिर से झंडे में शामिल किया गया है। इस पर संस्कृत में शं नो वरुणः लिखा गया है। पीएम मोदी का कहना है कि भारत ने गुलामी के एक निशान को अपने सीने से उतार दिया है। अब से छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित निशान नौसेना के ध्वज में लहरायेगा। पीएम मोदी ने यह ध्वज नौसेना के जनक छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित किया।

संसद की नयी इमारत के निर्माण और इसकी शुरुआत ने भी भारत के स्वर्ण युग की यादें ताजा कर दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मई को जब नयी संसद में चोल राजवंश से जुड़े सेंगोल (राजदंड) की स्थापना की, तो यह देश के लिए जड़ों से जोड़ने वाला क्षण रहा। मोदी युग में भारत की प्राचीन विरासत का बोध फिर से लौट रहा है। योग दिवस और इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स प्रोग्राम जैसी कई पहलों के साथ प्रधानमंत्री मोदी सांस्कृतिक जड़ों से मजबूती से जुड़े हुए हैं।

बीते नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नेतृत्व कौशल से भारत की आध्यात्मिक विरासत के साथ-साथ आर्थिक मोर्चे पर भी कामयाबी हासिल की है। आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनॉमी है। इसमें खास बात यह है कि भारत ने उस ब्रिटेन को पीछे छोड़ा, जिसका यह देश कभी उपनिवेश रहा है। क्या 2014 से पहले किसी ने कल्पना की थी कि महामारी से लड़ने के लिए भारत अपना वैक्सीन खुद निर्माण करेगा। भारत ने कोरोना महामारी के खिलाफ अपनी वैक्सीन का भी निर्माण किया और सफलतापूर्वक महामारी को हराया भी। यह मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और अपने वैज्ञानिकों पर भरोसा ही था, जिसने यह कार्य सफल किया। नरेंद्र मोदी द्वारा ऐसी कई जनहित योजनाएं हैं, जिससे आज भारत का गरीब स्वास्थ्य से लेकर फ्री राशन, आवास का लाभ ले रहा है। आज पकिस्तान और चीन भारत को आंख नहीं दिखाता।

भारत दुश्मनों के घर में घुस कर मारने का माद्दा रखता है। पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक को कौन भूल सकता है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटी, मुस्लिम समुदाय में तीन तलाक को खत्म करने के लिए कई सालों से कोशिश की जा रही थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 30 जुलाई 2019 को तीन तलाक विधेयक पारित कर दिया। 15 नवंबर, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के दिन आदिवासियों के सम्मान में जनजाति गौरव दिवस मनाया जा रहा है। उनके लिए हजारों करोड़ की योजनाएं लायी जा रही हैं। भारत के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजना का लाभ मिल रहा है। मोदी युग में अगर भारत के स्वर्णिम युग की शुरुआत कहा जाये, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

झारखंड से विशेष लगाव है प्रधानमंत्री मोदी को

राकेश सिंह

भारतीय राजनीति के देदीप्यमान नक्षत्र नरेंद्र मोदी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के शलाका पुरुष हैं। उनके राष्ट्रवाद की अवधारणा में स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की सूक्तियों, उक्तियों से लेकर लाल-बाल-पाल (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और विपिन चंद्र पाल) के सिद्धांतों और गांधी-पटेल के विचारों के साथ-साथ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की नीतियों, कार्यक्रमों का अद्भुत सम्मिश्रण है। यही कारण है कि 'अहर्निश सेवामहे' के संकल्प के साथ मां भारती की आराधना में तल्लीन यह सेवक देश, समाज के पिछड़े क्षेत्रों, वंचितों, दलितों, आदिवासियों के उत्थान के लिए सदैव नये कार्यक्रम तथा योजनाओं के साथ गतिशील रहता है। झारखंड से पीएम मोदी को खास लगाव है। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी करीब 15 बार (चुनावी दौरे को छोड़कर) झारखंड पधार चुके हैं और जब भी आये हैं, इस राज्य के विकास के लिए नयी योजनाओं की सौगात देकर गये हैं। कई राष्ट्रीय योजनाओं की लॉचिंग तो उन्होंने झारखंड से ही की है, यानी झारखंड को ही उन्होंने लॉचिंग पैड बनाया है।

दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर योजना तथा केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत का शुभारंभ 23 सितंबर, 2018 को रांची में ही मोदी ने किया। हमारी भारतीय परंपरा की धरोहर योग को अंतरराष्ट्रीय फलक पर स्थापित कराने वाले नरेंद्र मोदी ने 21 जून, 2019 को रांची के ही प्रभात तारा मैदान में योग दिवस के सफल आयोजन में उपस्थित होकर स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मानसिकता का व्यावहारिक पाठ पढ़ाया। 2 अक्टूबर 2015 को मोदी ने खूंटी कोर्ट परिसर में लगाये गये सोलर प्लांट का उद्घाटन किया। सौर ऊर्जा से संचालित होनेवाला देश का पहला व्यवहार न्यायालय खूंटी ही बना। यह वैकल्पिक ऊर्जा के प्रति प्रधानमंत्री की लगन और पहल का ही प्रतिफल था। उसी दिन प्रधानमंत्री ने दुमका से मुद्रा योजना की झारखंड में औपचारिक शुरुआत की। आज इस महती योजना का लाभ उठा कर देशभर के हुनरमंद तथा परिश्रमी युवक-युवतियां स्वयं तो अपनी रोजी कमा ही रहे हैं, दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं।

साहिबगंज का मल्टी मॉडल पोर्ट अब ऐसा जल मार्ग बन गया है, जो दुनिया को झारखंड से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। इस ऐतिहासिक पोर्ट का शिलान्यास प्रधानमंत्री ने अप्रैल 2017 में किया और 12 सितंबर 2019 को उद्घाटन भी कर दिया। दरअसल मोदी के राज में योजनाएं समय से ही पूरी की जातीं हैं। यही मोदी का ध्येय है और इसके लिए वह आवश्यक पाथेय की भी व्यवस्था करते हैं। जिस दिन साहिबगंज मल्टी मॉडल पोर्ट का उदघाटन हुआ, उसी दिन जनजातीय क्षेत्रों में खोले जा रहे एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, किसान मानधन योजना और खुदरा व्यावसायिक एवं स्वरोजगार पेंशन योजना का श्रीगणेश भी हुआ। प्रधानमंत्री ने 17 फरवरी 2019 को हजारीबाग में आयोजित कार्यक्रम में हजारीबाग, दुमका और पलामू में मेडिकल कॉलेजों का उदघाटन किया। साथ ही हजारीबाग, पलामू, दुमका तथा जमशेदपुर में 500 बेड वाले अस्पतालों की आधारशिला भी रखी। रामगढ़ तथा हजारीबाग में ग्रामीण जलापूर्ति की चार योजनाओं की आधारशिला भी रखी गयी। उसी दिन पूर्वी भारत में अपनी तरह का पहला और देशभर के तीसरे महिला अभियंत्रण महाविद्यालय का उद्घाटन भी हुआ। झारखंड विधानसभा के नये भव्य भवन का उद्घाटन 12 सितंबर 2019 को प्रधानमंत्री के हाथों संपन्न हुआ। पहले हमारी विधानसभा किराये के भवन मे चलती थी। 39 एकड़ में फैले इस नये विधानसभा भवन की आभा आलौकिक है। पीएम मोदी ने झारखंड के लिए जो किया है, वह राजनीति के इतिहास में नये तरीके से जोड़ कर देखा जा सकता है। नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो पीएम रहते राज्य में तीन बार रात गुजार चुके हैं। वह देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के बाद ऐसे दूसरे नेता हैं, जिनका झारखंड से लगाव बिल्कुल अलग है।

पीएम मोदी का रांची में पहला रात्रि विश्राम

पीएम मोदी ने दुनिया की सबसे बड़ी पब्लिक हेल्थ स्कीम यानी जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) का शुभारंभ सितंबर 2018 को रांची से ही किया था। इसके बाद लोकसभा चुनाव के वक्त 23 अप्रैल 2019 को रांची आये थे। उस दिन उन्होंने हीनू से बिरसा चौक तक रोड शो किया था। तब वह पहली बार राजभवन में रात्रि विश्राम के लिए रुके थे।

पीएम मोदी का रांची में दूसरा रात्रि विश्राम

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर 21 जून 2019 को प्रधानमंत्री रांची के प्रभात तारा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे। इसके लिए वह एक दिन पहले ही रांची पहुंचे थे। यह दूसरा मौका था, जब उन्होंने राजभवन में रात्रि विश्राम किया था। इससे पहले जनवरी 2019 में वह पलामू आये थे। तब उन्होंने मंडल डैम परियोजना का ऑनलाइन शिलान्यास किया था।

पीएम मोदी की यात्रा के क्या हैं मायने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर गतिविधि सुर्खियां बटोरती है। 2014 में पहली बार गैर आदिवासी मुख्यमंत्री रघुवर दास के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पीएम ने कई बार झारखंड का दौरा किया। दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ स्कीम यानी आयुष्मान भारत योजना तक की लांचिंग रांची से की। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर भी रांची आये। 2014 से 2019 तक झारखंड को केंद्र का लांचिंग पैड तक कहा जाने लगा था। 2024 के चुनावी वर्ष से ठीक पहले उनके भगवान बिरसा की जन्मस्थली पर आने के कार्यक्रम ने चर्चा के बाजार को गर्म कर दिया है। वह देश के पहले प्रधानमंत्री होंगे, जो भगवान बिरसा की जन्मस्थली पर जायेंगे।

पीएम के झारखंड के स्थापना दिवस के दिन उनके उलिहातू आगमन की क्या वजह हो सकती है, क्योंकि केंद्र सरकार बार-बार इस बात पर फोकस करती है कि आदिवासियों के लिए जो काम किये जा रहे हैं, वो आज तक किसी ने नहीं किया। यहां तक कि पीएम की पहल पर ही आदिवासी समाज की द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनीं। पीएम के दौरे को इस मायने में भी खास माना जा रहा है, क्योंकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ की 70 विधानसभा सीटों पर दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होना है।

चुनाव के वक्त पीएम मोदी वोटरों तक अपनी बात पहुंचाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। जब भी किसी राज्य में चुनाव होता है, तो वह पड़ोस के दूसरे राज्य को चुनते हैं और वहां से मैसेज देते हैं। उनके उलिहातू आगमन को भी इसी रूप में देखा जा रहा है।

जानकारों का कहना है कि जहां तक पीएम के उलिहातू आने की बात है, तो इसका छत्तीसगढ़ पर कोई असर पड़ेगा, ऐसा नहीं लगता, क्योंकि पीएम की नजर लोकसभा चुनाव पर है। उन्होंने आदिवासी को राष्ट्रपति बनाया है। आदिवासियों की रोज बात कर रहे हैं। पीएम मोदी अब तक दो बार खूंटी आ चुके हैं। वैसे उलिहातू आकर पीएम मोदी पूरे देश के आदिवासियों को मैसेज देना चाहते हैं। वह बताना चाहते हैं कि केंद्र की सरकार आदिवासियों के हित को लेकर कितनी गंभीर है। दरअसल, केंद्र में जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा कभी झारखंड के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। लेकिन पिछले चुनाव में खूंटी से लोकसभा सीट जीतने पर पीएम मोदी ने उन्हें कैबिनेट में बड़ी जगह दी। इसलिए पीएम चाहते हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव की तरह ही आदिवासी वोटर उनके साथ भावनात्मक रूप से जुड़े रहें। पीएम मोदी के झारखंड दौरे और भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू जाने को लेकर झारखंड के भाजपा नेता भी खासे उत्साहित हैं। झारखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पीएम मोदी को आदिवासी हितैषी बताया है और कहा कि पीएम मोदी ने 8 आदिवासी समाज के सांसदों को मंत्रिमंडल में जगह दी है।

तीसरी बार पीएम मोदी का रात्रि विश्राम

यह अलग बात है कि साल 2019 में झारखंड में सत्ता गंवाने के बाद पीएम मोदी का झारखंड आने का सिलसिला कम हो गया। तब भाजपा नेताओं ने कोरोना काल को इसका सबसे बड़ा कारण बताया था। पिछले चार वर्षों में पीएम मोदी ने खुद को 15 नवंबर 2021 को झारखंड से कनेक्ट किया था। उस दिन उन्होंने दिल्ली से भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क सह संग्रहालय का ऑनलाइन शिलान्यास किया था। उसी दौरान उन्होंने भगवान बिरसा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रुप में मनाने की घोषणा की थी। जुलाई 2022 को पीएम मोदी देवघर आये थे। यहां के द्वादश ज्योतिर्लिंग की पूजा करने वाले वह पहले प्रधानमंत्री बने। उनसे पहले देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने 1952 में इस मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। तब उन्होंने देवघर एयरपोर्ट और एम्स के अलावा 16 हजार करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था।

क्यों झारखंड कहलाता था केंद्र का लांचिंग पैड

2019 में विधानसभा चुनाव की रैलियों को छोड़ दें, तो रघुवर सरकार के पांच वर्षों के कार्यकाल में सितंबर तक पीएम मोदी 12 बार झारखंड आये। 23 सितंबर 2018 को उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी पब्लिक हेल्थ स्कीम यानी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ भगवान बिरसा की धरती से ही किया था। इस स्कीम की बदौलत गरीबों को पांच लाख तक के इलाज की सुविधा मिल रही है। इससे पहले 2 अक्तूबर 2015 को पीएम मोदी ने खूंटी में 2.22 करोड़ रुपये की लागत से बने 180 किलोवाट की रूफटॉप सोलर सिस्टम का उद्घाटन किया था। खूंटी जिला न्यायालय सौर ऊर्जा से चलने वाला देश का पहला कोर्ट बना था। 25 मई 2018 को पीएम मोदी धनबाद आये थे। तब सिंदरी खाद कारखाना, देवघर में एम्स, देवघर में एयरपोर्ट, चाइबासा और कोडरमा मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया था। उन्होंने पतरातू ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड और तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड की क्षमता विस्तार वाली योजनाओं की आधारशिला भी रखी थी।

बाल दिवस पर याद किये गये पं नेहरू

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत झरपो शिशु विकास विद्यालय में बाल दिवस मनाया गया। विद्यालय के संस्थापक ज्योतिष पंडा, प्रधानाध्यापक सत्यानंद पांडेय। शिक्षक, शिक्षिकाए और बच्चों ने पंडित जवाहर लाल नेहरू जी के तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलित कर नेहरू जी का जन्म दिन मनाया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सत्यानंद पांडेय ने कहा कि आज नेहरू जी का जन्म दिन है उनका जन्म 14 नवंबर 1889 ईसवी को इलाहाबाद के प्रयाग राज में हुआ था बच्चो से उनका बहुत ही लगाव था। बच्चों से वह अत्यधिक प्रेम करते थे इसलिए बच्चे उन्हे चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे इन्हीं के कारण सरकार ने इनका जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, और आज पूरे भारत वर्ष में इनका जन्म दिन को बाल दिवस के रूप में। मनाया जाता है नेहरू जी 1947 से 1964 ईसवी तक देश के प्रधान मंत्री रहकर देश की सेवा किये उनकी मृत्यु 27 मई 1964 ईसवी को हो गई इस अवसर पर छात्राएं अमीषा कुमारी, अर्चनाकुमारी आरुषि कुमारी, दुर्गा कुमारी, सोनपरी, अंकित राणा, परी कुमारी, सिवानी कुमारी, ऊर्जा कुमारी, अनामिका कुमारी ने कार्यक्रम में भाग लिया इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सुरेश मिश्रा, प्रमोद पांडेय, मुन्नी देवी, आरती देवी, मनीषा कुमारी, मुस्कान कुमारी, धर्मेंद्र पांडेय, विकास पांडेय उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। पेड़ों के समीप दीप प्रज्वल्लित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। तरुण वृक्ष के पास 151 दीप जलाकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया गया। बीएड कॉलेज के सेवा निर्वित शिक्षक डॉ मनोज सिंह उर्फ बरगद बाबा के अध्यक्षता में यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा की यह कार्यक्रम होने से समाज को पर्यावरण बचाने के लिए जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। सामजिक कार्यकर्त्ता डॉ देवेंन्द्र सिंह ने कहा डॉ मनोज सिंह पेड़ को बच्चे की तरह देखभाल करते है, बरगद बाबा की उपाधी भी इन्हे मिली है। पेड़ों की रक्षा होगी तभी हमारे जीवन की रक्षा होगी। पेड़-पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है ये हमें न सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि घर के आसपास पौधरोपण करने से गर्मी, भू क्षरण, प्रदूषण आदि की समस्या से हम सभी बच सकते हैं। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक रविकांत ओम, मोहन महतो, रंजीत मेहता, बिनोद कुमार रवानी, रोहित मेहता, जयनारायण मेहता आदि उपस्थित थे।

जीएम कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता

इचाक (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर को जीएम कॉलेज में बाल दिवस मनाया गया। महाविद्यालय प्रभारी पंकज कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना करते हुए कहा कि, विफलता तभी होती जब हम अपनी आदर्शों और सिद्धांतों को भूल जाते हैं। बाल दिवस बच्चों को समर्पित भारत का एक राष्ट्रीय त्योहार है बच्चों को संबोधित करते हुए पूर्व संगीत शिक्षक सुबोध कुमार दास गीत सुनाते हुए कहा कि, चली जा रही है उम्र धीरे धीरे, बचपन भी जाये जवानी भी जाये बुढ़ापे का होगा भैया असर धीरे धीरे, आज के बच्चे कल का भारत बनायेगें, देश के भविष्य को निर्माण करेंगे। इस मौके पर महाविद्यालय में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मंच संचालन अनुबाला ने किया। इस कार्यक्रम में रत्नेश कुमार राणा, दीपक प्रसाद, अजीत हंसदा, रियाज अहमद, आशीष कुमार पांडे, संगम कुमारी, संजीत कुमार यादव, प्रणत कुमार दास, राजकुमार दास, ने बारी-बारी से बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिये। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिनोद कुमार मेहता, कृष्ण कुमार मेहता, राजकुमार, प्रिया कुमारी, संजय प्रजापति, सुनीता टोप्पो, सपना देवी का सराहनीय योगदान रहा।

अंचल कार्यालय पर पंचायत समिति सदस्यों का धरना

सदर अंचल जमीन दलालों का अड्डा बना हुआ है: प्रमुख

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। सदर प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में मंगलवार को व्याप्त अनियमिता के खिलाफ एक दिवसीय धरना किया गया। अध्यक्षता प्रमुख वीणा देवी ने किया। धरना के उपरांत सदर अंचल अधिकारी शशि भूषण सिंह को उपायुक्त के नाम से एक मांग पत्र भी सौंपा गया। जिसमें प्रखंड मुख्यालय कार्य दिवस पर किसी भी प्रकार का बैठक नहीं किया जाये, बैठक होने के कारण ग्रामीणों को बहुत काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जमीन दलालों का प्रवेश अंचल कार्यालय में निषेध हो। मोटेशन या जाति, आय, आवासीय किस कारण रद्द किया जाता है एक प्रति प्रखंड प्रमुख को उपलब्ध कराया जायें सदर प्रमुख वीणा देवी और उप प्रमुख रविकांत सिंह उर्फ गोविंद सिंह ने कहा की सदर अंचल जमीन दलालों का बना है। धरना को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने भी संबोधित किया। सदर प्रखंड के पूर्व प्रमुख बृजेश भूषण सिंह ने कहा की सदर प्रखंड के विविध पंचायतों में मनरेगा योजनाओं में गड़बड़ी हुई है इसकी जांच होनी चाहिए। मौके पर अनीता देवी, अशोक कुमार यादव, कंचन मेहता, अनीता देवी, किरण देवी, दशरथ यादव, नविता देवी, नीलम देवी, प्रकाश देव, बसंत रविदास, मीना देवी, मुकेश कुमार, रवि कुमार, रूबी देवी, संगीता सिंह, सुरेश महतो, संगीता देवी, सबरा खातून, सतीश राम, उषा देवी और अन्य पंचायत समिति सदस्य और सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

नवनिर्मित स्तनपान कक्ष का उपायुक्त ने किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। बाल दिवस के अवसर पर उपायुक्त हजारीबाग नैन्सी सहाय द्वारा समाहरणालय भवन में नवनिर्मित स्तनपान कक्ष का उद्घाटन किया गया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि स्तनपान कक्ष बनाने का उद्देश्य समाहरणालय भवन में कार्यरत महिला पदाधिकारी कर्मचारीगण तथा जनता-दरबार एवं अन्य सरकारी कार्यों हेतु जिलान्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं के लिए अपने शिशू को स्तनपान कराने हेतु एक सुरक्षित एवं बेहत्तर परिवेश मुहैया कराया जाना है ताकि वे कार्य के दौरान भी अपने शिशू को नियमित रूप से स्तनपान करा सकें। मौके पर उपस्थित इन्दु प्रभा खलखो, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग द्वारा जानकारी दी गई कि दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पारित न्यायादेश के आलोक में विभागीय स्तर से सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए फीडिंग रूम स्थापित किये जाने का निदेश दिया गया है। उपायुक्त के निदेर्शानुसार समाहरणालय भवन में भू-तल एवं प्रथम तल में स्तनपान कक्ष का निर्माण कराया गया है। इस अवसर पर निवेदिता रॉय, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, संजय प्रसाद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी तथा समाहरणालय एवं समाज कल्याण विभाग के कर्मचारीगण सहित कई अन्य उपस्थित रहें।

द आइ स्कूल में रंग भरो प्रतियोगिता का आयोजन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। सहाना रोड स्थित एडुमेटा द आइ स्कूल में मंगलवार को बाल दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बच्चों ने रंग भरो प्रतियोगिता और ओपन डांस प्रतियोगिता में भाग लिया। मौके पर विद्यालय की निदेशक मधु कुमारी ने सबका ध्यान चाचा नेहरू जी की विशेष बातों पर दिलाया और बच्चों को अच्छे नागरिक बनने को प्रेरित किया। इस दौरान केक काटा गया और बच्चों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहीं सभी बच्चों को पुरस्कृत कर शुभकामनाएं दी गयी। स्कूल की एडमिन श्रुति राय ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया। आयोजन को सफल बनाने में स्कूल टीचर सपना, स्वाति के अलावा विकास और असगर की भूमिका रही। वहीं बच्चों में शनाया, अयांश, आदिति, श्रद्धा, अंशुल समेत अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

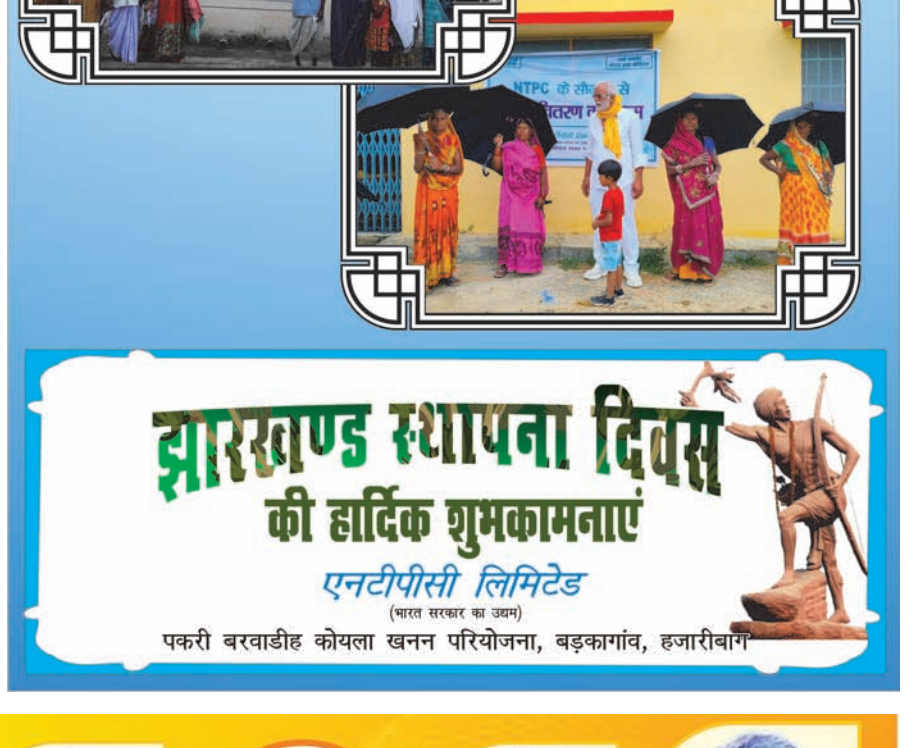

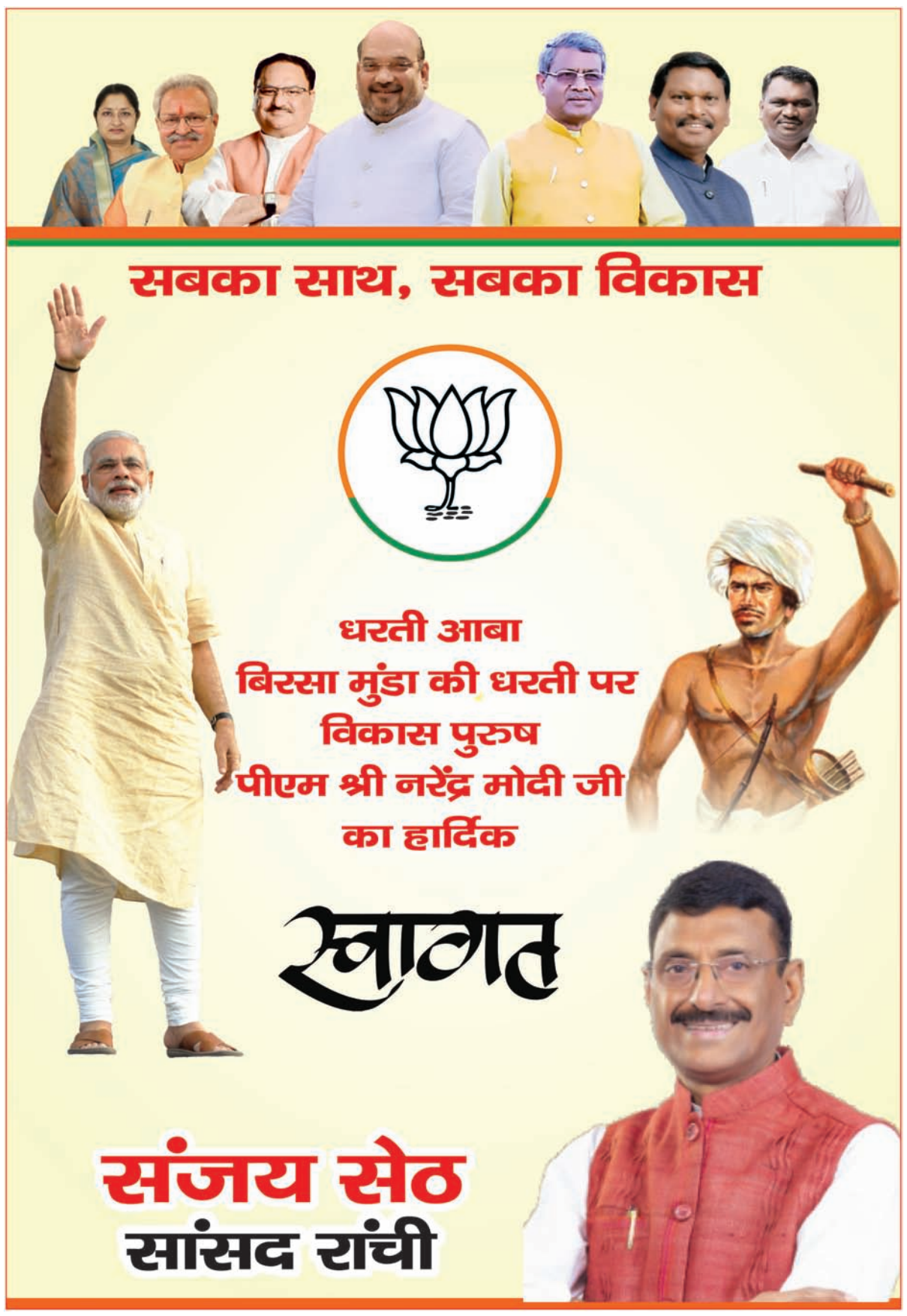

निर्माण से जुड़े खतरे

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में रविवार तड़के जिस तरह से सिल्क्यारा सुरंग का एक हिस्सा धंस गया। इससे न सिर्फ इस हादसे में फंसे सभी 40 मजदूरों की जान बचाने की चुनौती खड़ी हो गयी है, बल्कि संवेदनशील क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण से जुड़े हादसों को देखते हुए इन पर अलग से विचार करने की जरूरत फिर से रेखांकित हुई है। अच्छी बात यह है कि स्थानीय प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। सुरंग में फंसे मजदूरों से संपर्क स्थापित करके यह पता कर लिया गया कि वे सभी सुरक्षित हैं। उन तक ऑक्सिजन और भोजन पहुंचाने की भी व्यवस्था की गयी। इन तक पहुंचने के लिए मलबे हटाते हुए एक अलग सेफ पैसेज बनाने की कोशिश की जा रही है। निश्चित रूप से इस मामले में भी इस पर पूरे देश की नजरें टिकी रहेंगी कि कितनी जल्दी सभी 40 मजदूरों को सुरक्षित निकाला जाता है। मगर यह इस प्रकरण का केवल एक पहलू है। दूसरा उतना ही अहम पहलू है कि इस पहाड़ी राज्य में चलने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्टों और समय-समय पर होने वाले हादसों का। यह सुरंग बहुचर्चित चार धाम हाइवे प्रॉजेक्ट का हिस्सा है। इस प्रॉजेक्ट पर सवाल उठे थे और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। सरकार ने उस वक्त शीर्ष अदालत में यह दलील दी थी कि देश के रक्षा हितों के मद्देनजर यह परियोजना जरूरी है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट से प्रॉजेक्ट को मंजूरी भी मिली थी।

पर्यावरण के जानकार हिमालय क्षेत्र में नये कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण को लेकर आगाह करते आये हैं। कुछ समय पहले ही जोशीमठ में जमीन धंसने की घटनाओं को लेकर यह बात दोहराई गयी थी।

यह बात ठीक भी है कि देश के रक्षा हितों से समझौता नहीं किया जा सकता। खैर, शुरुआती खबरों में इस हादसे को भूस्खलन का परिणाम बताया गया है, लेकिन फिलहाल राहत और बचाव कार्यों पर पूरा फोकस होने के कारण उस बारे में विस्तृत और प्रामाणिक सूचना नहीं आयी है। यह सुनिश्चित करना होगा कि हादसे से जुड़ी तात्कालिक चुनौतियों से निपटने के बाद इसके कारणों से जुड़ी रिपोर्ट पर भी बारीकी से गौर करते हुए सभी जरूरी कदम उठाये जायें। ध्यान रहे, पर्यावरण के जानकार हिमालय क्षेत्र में नये कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण को लेकर आगाह करते आये हैं। कुछ समय पहले ही जोशीमठ में जमीन धंसने की घटनाओं को लेकर यह बात दोहराई गयी थी। उस वक्त भी कहा गया था कि कुछ प्रॉजेक्ट्स की वजह से जमीन धंसने की प्रक्रिया तेज हुई है। यह बात भी सामने आयी थी कि दशकों पहले की रिपोर्ट में संभावित हादसे को लेकर चेतावनी दी गयी थी। इसी तरह के सवाल हिमाचल प्रदेश को लेकर भी उठाये जा चुके हैं। चिंता की बात यह है कि एक्सपर्ट्स की ऐसी तमाम सिफारिशें कुछ समय बाद धूल खाने लगती हैं। न तो विकास प्रक्रिया की रफ्तार पर उनका कोई खास असर दिखता है, न उसके स्वरूप में कोई बदलाव नजर आता है। सबसे बड़ी चुनौती आज भी यही है कि पहाड़ की खास जरूरतों को समझते हुए वहां के लिए विकास का नया ढांचा तय किया जाये।

अभिमत आजाद सिपाही

बिहार में जातीय जनगणना के अनुसार प्रदेश में अनुसूचित जाति की आबादी 19.7 प्रतिशत यानी लगभग 20 प्रतिशत है और अनुसूचित जनजाति की आबादी 1.7 प्रतिशत यानी लगभग 2 प्रतिशत है। मतलब यह है कि इन दोनों वर्गों को प्रस्तावित आरक्षण ठीक उतना ही है, जितनी उनकी आबादी है। यही कानून सम्मत है। इस जनगणना के अनुसार पिछड़ा वर्गों की आबादी 27.0 प्रतिशत और अति पिछड़ों की आबादी 36.1 प्रतिशत है।

आरक्षण में बढ़ोतरी का औचित्य क्या है?

योगेंद्र यादव

बिहार सरकार ने नौकरियों में आरक्षण को बढ़ा कर 65 प्रतिशत कर दिया है। विधानसभा द्वारा पारित कानून के अनुसार अब अनुसूचित जातियों को 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति को 2 प्रतिशत, पिछड़ों को 18 प्रतिशत और अति पिछड़ों को 25 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इस फैसले को लेकर देश भर में बहस हो रही है। होनी भी चाहिए।

प्रश्न पूछे जा रहे हैं कि क्या 65 प्रतिशत आरक्षण बहुत ज्यादा नहीं है? क्या यह संविधान सम्मत है? क्या इसके पीछे राजनीतिक मंशा है? इन सवालों पर सफाई से बातचीत होना जरूरी है, क्योंकि जो सवाल आज बिहार के हैं, वह कल पूरे देश में उठ सकते हैं। आरक्षण की मात्रा उचित है, कम है या बहुत ज्यादा, इसका फैसला करने के लिए हमें सबसे पहले दो तथ्य चाहिए। पहला जिस वर्ग के लिए आरक्षण किया जा रहा है, उसकी आबादी में अनुपात कितना है? दूसरा आरक्षित वर्ग को आज नौकरी में कितना हिस्सा मिल रहा है? पहले आबादी के आंकड़ों को देखें। बिहार में जातीय जनगणना के अनुसार प्रदेश में अनुसूचित जाति की आबादी 19.7 प्रतिशत यानी लगभग 20 प्रतिशत है और अनुसूचित जनजाति की आबादी 1.7 प्रतिशत यानी लगभग 2 प्रतिशत है। मतलब यह है कि इन दोनों वर्गों को प्रस्तावित आरक्षण ठीक उतना ही है, जितनी उनकी आबादी है। यही कानून सम्मत है। इस जनगणना के अनुसार पिछड़ा वर्गों की आबादी 27.0 प्रतिशत और अति पिछड़ों की आबादी 36.1 प्रतिशत है।

इस जनगणना के अनुसार पिछड़ा वर्गों की आबादी 27.0 प्रतिशत और अति पिछड़ों की आबादी 36.1 प्रतिशत है।

यानी इन दोनों वर्गों को आरक्षण बढ़ाने के बावजूद जितना कोटा मिलेगा (पिछड़ों को 18 और अति पिछड़ों को 25 प्रतिशत) वह उनकी आबादी से काफी कम है। प्रदेश में अनारक्षित यानी सामान्य वर्ग की आबादी 15.5 प्रतिशत है। नयी आरक्षण नीति के तहत उनके लिए 35 प्रतिशत पद खुले रहेंगे। इसलिए अब नौकरियों में आज की स्थिति देखें। बिहार की जनगणना के मुताबिक सवर्ण हिंदुओं का बिहार की जनसंख्या में अनुपात केवल 12 प्रतिशत है, लेकिन सरकारी नौकरियों में उनका हिस्सा 29 प्रतिशत और प्राइवेट सेक्टर की पक्की नौकरी में 39 प्रतिशत है। उनका जनसंख्या के अनुपात में ढाई से 4 गुना हिस्सा है। पिछड़ों का हिस्सा अनुपात के कमोबेश बराबर है। पिछड़ी जातियों की जनसंख्या 27 प्रतिशत है, सरकारी नौकरी में उनका हिस्सा 30 प्रतिशत तो अन्य प्राइवेट सेक्टर की नौकरी में उनका 25 प्रतिशत हिस्सा है। इनकी तुलना में अति पिछड़े और दलित जातियों की स्थिति काफी कमजोर है। अति दलित जातियों की जनसंख्या 36 प्रतिशत है, लेकिन सरकारी नौकरी में उनका हिस्सा केवल 23 प्रतिशत और प्राइवेट में 22 प्रतिशत है। वहीं दलित समाज की जनसंख्या 20 प्रतिशत होने के बावजूद सरकारी नौकरी में 14 प्रतिशत और प्राइवेट में मात्र 8 प्रतिशत है। अभी यह परिवार द्वारा दी गयी सूचना पर आधारित है। जब यह आंकड़े आधिकारिक रूप से सरकारी और प्राइवेट संस्थानों से लिए जायेंगे, तो पिछड़ों, अति पिछड़ों और दलितों की नौकरियों में संख्या और भी कम होने की संभावना है। मतलब यह कि इन वर्गों की हिस्सेदारी बढ़ाने की आवश्यकता है। संवैधानिकता का प्रश्न उतना बड़ा नहीं है, जितना बताया जाता है। हमारे संविधान में साफ तौर पर कहा गया है कि किसी पिछड़े वर्ग को न्यायपूर्ण हिस्सा देने के लिए किया गया कोई भी विशेष प्रावधान समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं माना जायेगा। आरक्षण की नीति इसी कानूनी बुनियाद पर टिकी है।

बिहार की जनगणना के मुताबिक सवर्ण हिंदुओं का बिहार की जनसंख्या में अनुपात केवल 12 प्रतिशत है, लेकिन सरकारी नौकरियों में उनका हिस्सा 29 प्रतिशत और प्राइवेट सेक्टर की पक्की नौकरी में 39 प्रतिशत है। उनका जनसंख्या के अनुपात में ढाई से 4 गुना हिस्सा है। पिछड़ों का हिस्सा अनुपात के कमोबेश बराबर है। पिछड़ी जातियों की जनसंख्या 27 प्रतिशत है, सरकारी नौकरी में उनका हिस्सा 30 प्रतिशत तो अन्य प्राइवेट सेक्टर की नौकरी में उनका 25 प्रतिशत हिस्सा है।

हां, सुप्रीम कोर्ट ने एक जमाने में यह बंदिश जरूर लगायी थी कि सब तरह का आरक्षण कुल मिला कर 50 प्रतिशत की सीमा से पार नहीं जाना चाहिए। बाकी आधी नौकरियां खुली प्रतिस्पर्धा के माध्यम से तय होनी चाहिए। इसके बावजूद अनेक राज्यों ने 50 प्रतिशत से अधिक के आरक्षण का प्रावधान किया है। वर्ष 2018 में केंद्र सरकार ने इडब्ल्यूएस यानी गरीब वर्ग के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण कर अपने आप इस सीमा का अतिक्रमण कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर वैधता की मुहर भी लगा दी है। इसलिए यह माना जा सकता है कि 50 प्रतिशत की सीमा अब कोई लक्ष्मण रेखा नहीं बची है। रही बात आरक्षण के पीछे राजनीतिक मंशा की। इसमें कोई संदेह नहीं कि नीतीश कुमार सरकार ने यह आरक्षण बढ़ा कर पिछड़ों और अति पिछड़ों को रिझाने की कोशिश की है। जब तक नीतीश कुमार भाजपा के सहारे सरकार चला रहे थे, तब तक उन्हें अगड़े वोटों का आसरा था।

अब वह अपने नये सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिल कर पिछड़ों और अति पिछड़ों में अपना आधार मजबूत करना चाहते हैं। सच यह है कि लोकतंत्र में हर बड़ी नीति राजनीति से प्रभावित होती है। जब नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार ने 2018 में आनन-फानन में इडब्ल्यूएस आरक्षण लागू किया था, तब उसके पीछे भी 2019 के चुनाव में वोट का गणित रहा था। आश्चर्य की बात यह है कि जिन लोगों ने उस वक्त मोदी सरकार की नीयत में कोई खोट नहीं पाया था, वे सब अब नीतीश कुमार की सरकार के राजनीतिक निहितार्थ पढ़ने में व्यस्त हैं। सच यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राशन की योजना को अगले 5 साल तक बढ़ाने की घोषणा भी वोट के गणित से संचालित है। लेकिन उस पर भी कोई सवाल नहीं उठाता। ऐसे में शंका खड़ी होती है कि वोट बैंक की राजनीति के सवाल तभी क्यों उठते हैं जब पिछड़ी जातियों को कुछ सुविधाएं देने की बात आती है? बिहार की जातिगत जनगणना के आंकड़ों पर चर्चा क्यों नहीं होती? बिहार में आर्थिक और शैक्षणिक आधार पर गहरी जातिगत विषमता पर चिंता क्यों नहीं होती? कहीं इसके पीछे हमारे सवर्ण हिंदू मीडिया और टिप्पणीकारों का जातीय पूर्वाग्रह तो नहीं?

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने को तैयार हों युवा झारखंड

बाबूलाल मरांडी

झारखंड आज 23 वर्ष का युवा प्रदेश हो गया। ऐसा युवा जिसमें असीम ताकत हो,असीम संभावनाएं हों, जिसे अकूत संपत्ति का खजाना मिला हो, जिसे प्रकृति ने अपने हाथों से सौंदर्य दिये हों। जी हां, ऐसा ही झारखंड जहां के लोग बोलते हैं, तो गीत बन जाता है, चलते हैं, तो संगीत बन जाता है।

अमर शहीद धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो, तिलका मांझी, नीलांबर पीतांबर, जतरा टाना भगत, बुधु भगत जैसे हुतात्माओं की प्रेरणा से ओत-प्रोत यह धरती आज भी कोख में अमीरी और गोद में गरीबी की कहावत को चरितार्थ कर रही है।

अलग झारखंड के पहले अर्थात 15 नवंबर 2000 के पूर्व झारखंड की जनता ने क्षेत्रीय विसमताओं का दंश झेला, जिसके कारण अलग राज्य की मांग उठी थी, लेकिन झारखंड बनने के बाद यदि 23 वर्षों में भी झारखंड विकास के निर्धारित लक्ष्य को नहीं पा सका, गरीबी नही मिटी, आज भी लोग भोजन वस्त्र आवास के बिना जीने को मजबूर हैं, तो शासक वर्ग के नीति और नीयत पर प्रश्न खड़ा करना राज्य की जनता का बुनियादी हक है। कहा जाता है कि जिस ओर जवानी जाती है, उस ओर जमाना चलता है। इसलिए राज्य की युवा शक्ति जिसकी आबादी एक करोड़ के करीब होगी को राज्य की दशा और दिशा पर अवश्य सोचना चाहिए।

आज प्रदेश में वैसी युवा शक्ति है, जिनका जन्म संयुक्त बिहार में हुआ है और वैसे युवा भी है जिनका जन्म झारखंड में हुआ। दोनों के पास अनुभव है। राजनीतिक, सामाजिक सोच है। बेरोजगारी से लड़ने की संघर्ष शक्ति है, उन्हें पता है कि 23 वर्षों में किसकी सरकार ने राज्य को विकास के पायदान पर ऊपर पहुंचाया और किसने अपने परिवार, पैसे के लिए काम किये।

आज की दिन दलीय कमियों को गिनाने का नही है, लेकिन एक बार मन में सही गंभीर समीक्षा करने की जरूरत है। चाहे अलग राज्य के गठन की बात हो या फिर सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी सिंचाई, कृषि क्षेत्र में राज्य को आगे बढ़ाया और किसने राज्य को जमीन लूट, खान खनिज की लूट, पत्थर, कोयले की लूट में झोंक दिया।

जल, जंगल, जमीन, आदिवासी समाज के उत्थान, युवाओं के रोजगार पर जनता से वोट मांगना आसान होता है, परंतु नीति और नीयत के अभाव में उसे जमीन पर उतारना बहुत कठिन होता है।

23 वर्षों के युवा झारखंड का आधा समय इसी झूठ फरेब ने बर्बाद कर दिया। काम करने वाली सरकारें, जिनकी नियत नीति दोनो साफ रही उनके खिलाफ झूठ का तूफान खड़ा किया गया। लेकिन अब जिम्मेवार उम्र में झारखंड पहुंच गया। यह उम्र परिवार की जिम्मेवारी संभालने का उम्र है और इस काल में हुई चूक या भटकाव जीवन को कष्टों में झोंकने जैसा है।

आज का दिन स्वर्णाक्षरों में अंकित दिन है। भगवान बिरसा मुंडा जैसे महान विभूति को ईश्वर ने झारखंड की धरती पर जन्म दिया।

श्रद्धेय अटलजी की सरकार ने जन भावनाओं के अनुरूप राज्य का गठन भी आज के दिन ही किया और अब तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस घोषित कर न सिर्फ जनजाति समाज का सम्मान बढ़ाया, बल्कि पूरे विश्व में झारखंड को नयी पहचान दी, महिमा मंडित किया।

मैं समस्त झारखंड वासियों को ऐसे महान दिन पर नमन करते हुए शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही युवा शक्ति से राज्य को भ्रष्टाचार के दलदल से निकाल कर विकसित झारखंड बनाने केलिए संकल्पित होने का आह्वान करता हूं।

(लेखक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड हैं।)

ओड़िशा/जमशेदपुर की खबरें

धरती आबा बिरसा मुंडा की मूर्ति का अनावरण आज

धरती आबा बिरसा मुंडा हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत : रामचंद्र सहिस

आजाद सिपाही संवाददाता

बोड़ाम। झारखंड राज्य के 23वां स्थापना दिवस बोड़ाम पटमदा प्रखंड में आजसू पार्टी ने हर्ष उल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर आजसू पार्टी के बोड़ाम पटमदा प्रखंड कमिटी के नेतृत में बोड़ाम के हॉटतला में धरती आबा बिरसा मुंडा की प्रतिमा अनावरण किया जायेगा। मंगलवार को पूर्व मंत्री सह आजसू पार्टी के प्राधन महासचिव रामचंद्र सहिस ने आजाद सिपाही के संवाददाता से वार्ता के दौरान कहा कि 15 नवंबर झारखंड के स्थापना दिवस पर दिन के 11:00 बजे जुगसलाई विधानसभा स्थित बोड़ाम के हॉटतला में धरती आबा बिरसा मुंडा की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा। पूर्व मंत्री ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने अन्याय अत्याचार के खिलाफ जो लड़ाई किये है वे आज भी प्रसंगीत है। उनके बताये हुए रास्ते पर चलने की जरूरत है। भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श को जन जन तक पहचाने की जरूरत है। उन्होंने शराब दे दूर रहने को कहा था। इस उद्देश्य को स्थापना दिवस के अवसर पर ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पूर्व मंत्री ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा के विचारो को आगे बढ़ाने के लिए झारखंड राज्य का स्थापना की गया था। बुधवार को मूर्ति का अनावरण किया जायेगा। इस अवसर पर उनके विचारो को ग्रामीणों के समक्ष संकल्प लेंगे। प्राचीन काल के जो झारखंडी संस्कृति है नटुआ नाच बोड़ाम पटमदा के स्थानीय कलाकार करेंगे। प्रकृति से जुड़ा हुआ झुमुर नाच होगा। इसके साथ ही चाऊनाच का किया जायेगा। इस अवसर पर जोरदार के ग्रामीण क्षेत्र के हजारों हजार लोग उपस्थित रहेंगे।

जमशेदपुर परिसदन में झामुमो जिला समिति की बैठक

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्र समिति के निदेर्शानुसार बुथ स्तर पर समितियों के गठन के लिए पूर्वी सिंहभूम जिला समिति की एक बैठक आयोजित की गई। मंगलवार को जमशेदपुर परिसदन में आयोजित बैठक में जिला स्तरीय प्रखंड के लिए पर्यवेक्षको का चयन किया गया। साथ ही प्रखंड स्तर पर नियुक्त प्रखंड पर्यवेक्षको के लिए प्रखंड समिति और पंचायत समिति से समन्वय स्थापित करते हुए बूथ कमेटी बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया आगामी 22 नवम्बर के बैठक में सभी प्रखंड समिति और शहरी निकाय में नगर समितियों की चयन की जायेगी। जिसमें नियुक्त किए गये पर्यवेक्षक अपने-अपने प्रखंड में प्रखंड समिति के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश देंगे। बैठक में बुथ कमिटी गठन के साथ-साथ सदस्यता अभियान भी चलाने का निर्देश दिया गया। बुथ कमेटी गठन की प्रक्रिया आगामी 15 दिसंबर 2023 तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में केंद्रीय कार्यकारणी सदस्य एवं 20 सूत्री जिला उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार, पूर्व सांसद श्रीमती सुमन महतो, शेख बदरुद्दीन, वीर सिंह सुरेन, जिला सचिव घनश्याम महतो, सागेन पूर्ति, पिंटु दत्ता, बागराई मार्डी,अरुण प्रसाद, युगल किशोर मुखी, नंदू सरदार, अजय रजक, हीरा मुनी मुर्मू, कमलजीत कौर गिल, नरोत्तम दास सहित अन्य शामिल रहे।

जिंदल स्टेनलेस की रेटिंग्स में हुआ सुधार क्रिसिल एए पॉजिटिव से हुआ एए/स्टेबल

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। क्रिसिल रेटिंग्स ने आज भारत की अग्रणी स्टेनलेस स्टील निमार्ता कंपनी जिंदल स्टेनलेस की रेटिंग में सुधार किया है। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) की दीर्घकालिक बैंक सुविधाओं और ऋण कार्यक्रम को लेकर इसकी रेटिंग संशोधित कर क्रिसिल एए-/पॉजिटिव से क्रिसिल एए/स्टेबल कर दी है। अल्पकालिक बैंक सुविधाओं को लेकर कंपनी की रेटिंग क्रिसिल ए1+ पर बनी हुई है। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक, अभ्युदय जिंदल नेइस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, रेटिंग में सुधार समग्र और निरंतर विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हमारा मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो, व्यापक बाजार उपस्थिति और संचालन में लचीलापन हमें विशिष्ट रूप से प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के साथ कई बाजार जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने स्टेनलेस स्टील के प्रति जागरूकता और इसे अपनाने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई प्रयास किए हैं। चाहे वह चंद्रयान के लिए या फिर भारत के पहले क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के लिएसामग्री की आपूर्ति हो, हम एक स्टेनलेस राष्ट्र के निर्माण के दृष्टिकोण से प्रेरित हैं। क्रिसिल के अनुसारजिंदल स्टेनलेस की रेटिंग में सुधार, एक बेहतर कारोबारी जोखिम प्रोफाइल, हालिया क्षमता विस्तार और अधिग्रहण के माध्यम से भविष्य में होने वाले एकीकरण तथा प्रभावी कार्यशील पूंजी प्रबंधन की स्वीकृति है। इसके अतिरिक्त, इस सकारात्मक दृष्टिकोण को एक मजबूत मांग परिदृश्य का समर्थन मिला है। पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) लक्ष्यों के संदर्भ में, कंपनी का लक्ष्य ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों में बदलाव के जरिएअपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा अनुकूलन आदि पर ध्यान केंद्रित करके 2050 तक नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करना है। जिंदल स्टेनलेस के ग्रुप सीएफओ और कार्यकारी निदेशक अनुराग मंत्री ने कहा, जिंदल स्टेनलेस कीरेटिंग में सुधार मजबूत व्यवसाय प्रबंधन को लेकर हमारी विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन रणनीति को दशार्ती है। ऑर्गेनिक और गैर ऑर्गेनिक पूंजीगत व्यय के बावजूद, हमारा लीवरेज अनुपात उद्योग की शीर्ष श्रेणी में बना हुआ है।

लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है उद्देश्य: निलिंद अग्रवाल

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा के तत्वावधान में शहर के बिजुलिया तालाब में निःशुल्क डायबिटीज चेक अप शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में 87 लोगों ने डायबिटीज, बीपी और वजन की जांच करवाया। मौके पर मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष निलिन्द अग्रवाल ने बताया की इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता के बीच डायबिटीज और ब्लड प्रेशर का जागरूकता लाना है, जो यह एक महत्वपूर्ण पहल है। क्योंकि लोगों में हाई ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर लेवल्स की बीमारी की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इस निःशुल्क सेवा का लाभ उठाने वाले लोगों ने इस कार्यक्रम की सराहना की और आयोजकों का धन्यवाद दिया। मौके पर अध्यक्ष निलिन्द अग्रवाल, सचिव आशीष अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, विजय खंडेलवाल, नितेश बेरेलिआ, राहुल मित्तल, आशुतोष बेरलिया मौजूद थे।

सिमडेगा समाहरणालय, सिमडेगा
(भू-अर्जन शाखा)
प्रपत्र VI
झारखण्ड सरकार
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू-अर्जन निदेशालय) या उपायुक्त या समुचित सरकार

प्रारम्भिक अधिसूचना का प्रारूप
(अधिनियम–30 / 2013 की धारा–11(1)के अधीन)

अधिसूचना सं0–..... दिनांक–.....

चूँकि झारखण्ड सरकार / उपायुक्त सिमडेगा को यह प्रतीत होता है कि मौजा–टिकरा, थाना न0 –31, थाना / अंचल–जलडेगा, जिला–सिमडेगा में भूमि, सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा परियोजना – कोलेबिरा (SH- 04) गांगुटोली जामटोली (SH- 04) पर भाग–1 कि0मी0 0.00 से कि0मी0 10.36 एंव भाग –2 22.00 से 38. 95 कुल लम्बाई 28.31 कि0मी0 तक पथ चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण हेतु अपेक्षित है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि मौजा–टिकरा, थाना न0 –31, थाना / अंचल–जलडेगा, जिला – सिमडेगा में उपर्युक्त कथित योजना के लिए कमोवेश 7.175 एकड़ यानि 2.903 हेक्टेयर मानक माप का रैयती भूखण्ड जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है–

क्रम संख्या	खाता सं0	सर्वे भूखण्ड सं0	स्वमित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल एकड़ में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	सीमा भूखण्ड संख्या				वृक्ष		संरचनाएँ	
							उ0	द0	पु0	प0	किस्म	संख्या	प्रकार	प्लिंथ एरिया sft.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	143	1306	रैयती	टांड़	0.18	कोमल कंडुलना, मनसिद्ध कंडुलना, लुथर कंडुलना, नियरजन कंडुलना पेसरान मतियस मुंडा	अंश	1307	1307	सड़क	–	–	मकान	–
2	143	1308	रैयती	टांड़	0.21	कोमल कंडुलना, मनसिद्ध कंडुलना, लुथर कंडुलना, नियरजन कंडुलना पेसरान मतियस मुंडा	अंश	अंश	1300	1307	–	–	–	–
3	143	1300	रैयती	टांड़	0.33	कोमल कंडुलना, मनसिद्ध कंडुलना, लुथर कंडुलना, नियरजन कंडुलना पेसरान मतियस मुंडा	अंश	अंश	1127	1308	–	–	–	–
4	159	1307	गैरमजरूआ खास	जंगल झाड़ी	0.25	गैरमजरूआ खास	1306	अंश	1308	सड़क	–	–	–	–
5	123	1227	रैयती	टांड़	0.195	असीम तोपनो पिता दानेल मुंडा, जकरिया वो सुलेमान पेसरान जुनास मुंडा, सेवेयान वो मरसलन पेसरान मनसुख मुंडा	अंश	1226	1209	1300	–	–	–	–
6	159	1226	गैरमजरूआ खास	परती कदीम	0.10	गैरमजरूआ खास	1227	1225	1209	1300	–	–	–	–
7	137	1210	रैयती	टांड़	0.15	रोषन लुगुन वो दीपक लुगुन पेसरान नेलसन, समर्पण लुगुन वो आषीष लुगुन पेसरान असियन लुगुन वो हर्ष लुगुन पिता निम्रोद लुगुन	1209	अंश	1207	1209	–	–	–	–
8	119	1186	रैयती	टांड़	0.24	निस्तार लोमगा पिता मतियस लोमगा, जुनास लोमगा पिता इसाक मुंडा, मासी वो विश्राम वो आमुस पेसरान उदय लामगा	अंश	अंश	1185	1209	–	–	–	–
9	144	1185	रैयती	टांड़	0.155	जुसाफ मुंडा वो कुनुल मुंडा पे0 प्रेमचन्द मुंडा, कोमल होरो वो जोलेन होरो पेसरान जुनास मुंडा	अंष	अंश	1177	1186	–	–	–	–
10	155	1173	रैयती	टांड़	0.385	ईमिल वो सुदर्षन पे0 मनसुख मुंडा, जोनसन वो ईमानुएल, वो प्रेमप्रकाष वो अजित पेसरान जेम्स मुडा, सुमन्ती होरो पिता उम्बलन होरो	1177	अंश	अंश 1174	1185	–	–	–	–
11	155	1177	रैयती	टांड़	0.21	ईमिल वो सुदर्षन पे0 मनसुख मुंडा, जोनसन वो ईमानुएल, वो प्रेमप्रकाष वो अजित पेसरान जेम्स मुडा, सुमन्ती होरो पिता उम्बलन होरो	अंश	1173	1176	1185	–	–	–	–
12	133	1176	रैयती	टांड़	0.18	निरल होरो वो सलीम होरो पेसरान हेरन, प्रभात होरो पिता मनमसीह, जोन होरो पिता ओतोंग, अनिल वो असीम पे0 मगन, एनेम वो हरियर पे0 मसीहचरन, नमजन पिता मरकस, हलन पिता सुवन	अंश	1173	1174	1177	–	–	–	–
13	159	1175	गैरमजरूआ खास	परती	0.035	गैरमजरूआ खास	–	–	–	–	–	–	–	–
14	154	1174	रैयती	टांड़	0.04	ईमिल वो सुदर्षन पे0 मनसुख मुंडा, जोनसन वो ईमानुएल, वो प्रेमप्रकाष वो अजित पेसरान जेम्स मुडा, सुमन्ती होरो पिता उम्बलन होरो	503	अंश	504	1773	–	–	–	–
15	155	503	रैयती	परती कदीम	0.03	ईमिल वो सुदर्षन पे0 मनसुख मुंडा, जोनसन वो ईमानुएल, वो प्रेमप्रकाष वो अजित पेसरान जेम्स मुडा, सुमन्ती होरो पिता उम्बलन होरो	अंश	1174	504	505	–	–	–	–
16	154	504	रैयती	टांड़	0.18	ईमिल वो सुदर्षन पे0 मनसुख मुंडा, जोनसन वो ईमानुएल, वो प्रेमप्रकाष वो अजित पेसरान जेम्स मुडा, सुमन्ती होरो पिता उम्बलन होरो	अंश	अंश	504	1174	–	–	–	–
17	133	505	रैयती	टांड़	0.03	निरल होरो वो सलीम होरो पेसरान हेरन, प्रभात होरो पिता मनमसीह, जोन होरो पिता ओतोंग, अनिल वो असीम पे0 मगन, एनेम वो हरियर पे0 मसीहचरम, नमजन पिता मरकस, हलन पिता सुवन	अंश	508	500	504	–	–	–	–
18	150	500	रैयती	टांड़	0.14	जोहन पिता सबन, सुजीत पिता कोमल, संदीप वो विजय वो पूनम पिता बजिल	अंश	508	482	पुराना सड़क	–	–	–	–
19	133	508	रैयती	टांड़	0.04	निरल होरो वो सलीम होरो पेसरान हेरन, प्रभात होरो पिता मनमसीह, जोन होरो पिता ओतोंग, अनिल वो असीम पे0 मगन, एनेम वो हरियर पे0 मसीहचरन, नमजन पिता मरकस, हलन पिता सुवन	पुराना सड़क	अंश	536	507	–	–	–	–
20	159	482	गैरमजरूआ खास	परती कदीम	0.30	गैरमजरूआ खास	–	–	–	–	–	–	–	–
21	134	535	रैयती	टांड़	0.06	खतिरन वो तुरतन पे0 मनोहर, विजय वो विनोद वो विरसिंह पे0 किरन, कुलन होरो वो गतियन होरो वो अमृत होरो वो जयसिंह होरो पे0 सेवन, मनमसीह वो जयधन पे0 मनसिद्ध, जषुवा पिता मनसुख मुंडा	पुराना सड़क	अंश	536	526	–	–	–	–
22	159	536	गैरमजरूआ खास	परती पत्थर	0.01	गैरमजरूआ खास	–	–	–	–	–	–	–	–
23	138	537	रैयती	टांड़	0.08	पतरस बारला पिता अमुस, इलियास बारला वो नियरजन बारला पे0 दाउद बारला, रूबेन बारला पिता इलियास बारला, एमलेन बारला पिता रोयन बारला	पुराना सड़क	अंश	517	पुराना सुड़क	–	–	–	–
24	144	477	रैयती	टांड़	0.06	जुसाफ मुंडा वो कुनुल मुंडा पे0 प्रेमचन्द मुंडा, कोमल होरो वो जोलेन होरो पेसरान जुनास मुंडा	अंश	पुराना सड़क	476	482	–	–	–	–
25	144	475	रैयती	टांड़	0.02	जुसाफ मुंडा वो कुनुल मुंडा पे0 प्रेमचन्द मुंडा, कोमल होरो वो जोलेन होरो पेसरान जुनास मुंडा	अंश	पुराना सड़क	617	746	–	–	–	–
26	144	448	रैयती	टांड़	0.185	जुसाफ मुंडा वो कुनुल मुंडा पे0 प्रेमचन्द मुंडा, कोमल होरो वो जोलेन होरो पेसरान जुनास मुंडा	अंश	682	446	617	–	–	–	–
27	159	617	गैरमजरूआ खास	जंगल झाड़ी	0.28	गैरमजरूआ खास	–	–	–	–	–	–	–	–
28	141	444	रैयती	टांड़	0.18	हाबिल पिता बरनाबस, मीका वो शोसन वो शोधन वो जीवन वो ओलोन वो रेजन पे0 हलन	अंश	382	435	382	–	–	–	–
29	141	438	रैयती	परती कदीम	0.08	हाबिल पिता बरनाबस, मीका वो शोसन वो शोधन वो जीवन वो ओलोन वो रेजन पे0 हलन सुषीस पिता नहुम जयंत वो हेमन्त पिता विक्टर	अंश 435	अंश	437	435	–	–	–	–
30	141	437	रैयती	टांड़	0.035	हाबिल पिता बरनाबस, मीका वो शोसन वो शोधन वो जीवन वो ओलोन वो रेजन पे0 हलन सुषीस पिता नहुम जयंत वो हेमन्त पिता विक्टर	436	अंश	436	438	–	–	–	–
31	141	436	रैयती	टांड़	0.09	हाबिल पिता बरनाबस, मीका वो शोसन वो शोधन वो जीवन वो ओलोन वो रेजन पे0 हलन सुषीस पिता नहुम जयंत वो हेमन्त पिता विक्टर	अंश	अंश	395	435	–	–	–	–
32	141	395	रैयती	टांड़	0.16	हाबिल पिता बरनाबस, मीका वो शोसन वो शोधन वो जीवन वो ओलोन वो रेजन पे0 हलन सुषीस पिता नहुम जयंत वो हेमन्त पिता विक्टर	अंश	अंष	433	436	–	–	–	–
33	106	433	रैयती	टांड़	0.08	सुनिल तिडू पिता सामुएल मनबहाल तिडू पिता डेविट तिडू, प्रमुदान तिडू पिता जोहन, लियन तिडू पिता विक्टर, विनित तिडू पिता अभिराम, सुनील तिडू वो सजेन तिडू वो गोस्नर तिडू पेसरान स्व0 सेवेयन तिडू	अंष	अंश	399	395	–	–	–	–
34	159	431	गैरमजरूआ खास	परती कदीम	0.025	गैरमजरूआ खास	–	–	–	–	–	–	–	–
35	159	398	गैरमजरूआ खास	जंगल झाड़ी	0.085	गैरमजरूआ खास	–	–	–	–	–	–	–	–
36	148	393	रैयती	परती कदीम	0.035	सुशील बारला पिता नियरजन, सलन वो सागेन पे0 हरदुगुन, सेवन पिता मनसिद्ध, हलन पिता अगस्तुस, सेवन वो सागेन पे0 हेरन, संतोष पिता सिमोन, नेलसन पिता ख्रिस्टो, नमजन वो जोलेन वो जेम्स वो पौलूस पेसरान मनसिद्ध, यीषु वो विश्राम पिता पतरस, संदीप पिता निस्तार, वरदान पिता मरकस	सड़क	अंश	396	397	–	–	–	–
37	113	350	रैयती	टांड़	0.71	प्रमोद वो हंसराज पे0 मनसुख, अजय वो अजित पे0 मरसलन, किरण तिडू पिता शांतियल, लसदेव वो उम्बलन पे0 साामुएल, मंगलदास पिता हरदुगन, सलीम वो पतरस वो उलिसन पे0 सुगड़, एनेम पिता हेरन, ऐजुब पिता जुनास	सड़क	अंश	349	351	–	–	–	–
38	106	357	रैयती	टांड़	0.05	सुनिल तिडू पिता सामुएल मनबहाल तिडू पिता डेविट तिडू, प्रमुदान तिडू पिता जोहन, लियन तिडू पिता विक्टर, विनित तिडू पिता अभिराम, सुनील तिडू वो सजेन तिडू वो गोस्नर तिडू पेसरान स्व0 सेवेयन तिडू	अंश	सड़क	356	358	–	–	–	–
39	159	349	गैरमजरूआ खास	परती कदीम	0.04	गैरमजरूआ खास	–	–	–	–	–	–	–	–
40	155	337	रैयती	परती कदीम	0.415	ईमिल वो सुदर्षन पे0 मनसुख मुंडा, जोनसन वो ईमानुएल, वो प्रेमप्रकाष वो अजित पेसरान जेम्स मुडा, सुमन्ती होरो पिता उम्बलन होरो	सड़क	अंश	336	338	–	–	–	–
41	159	347	गैरमजरूआ खास	परती कदीम	0.105	गैरमजरूआ खास	सड़क	अंश	335	339	–	–	–	–
42	159	338	गैरमजरूआ खास	जंगल झाड़ी	0.135	गैरमजरूआ खास	–	–	–	–	–	–	–	–
43	110	330	रैयती	परती कदीम	0.19	सिप्रीयन सुरीन पिता मतियस मुंडा, पुनीत सुरीन वो जीरेन सुरीन पे0 आलोक सुरीन, समीर सुरीन वो अरून सुरीन पे0 सेबेयान सुरीन, सुमीत सुरीन वो रोनित सुरीन पे0 संतोष सुरीन	318	337	अंश	317	–	–	–	–
44	144	318	रैयती	परती कदीम	0.685	जुसाफ मुंडा वो कुनुल मुंडा पे0 प्रेमचन्द मुंडा, कोमल होरो वो जोलेन होरो पेसरान जुनास मुंडा	312	330	अंश	टिनगिना सिमाना	–	–	–	–
कुल रकबा					7.175									

PR311330 (Simdega)23-24*D

उपायुक्त,
सिमडेगा

सत्यानंद भोक्ता ने किया मेला का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। राज्य के लोकप्रिय श्रम, प्रशिक्षण और कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता एक दिवसीय दौरे पर चतरा लोकसभा क्षेत्र के पांकी विधानसभा क्षेत्र के मनातू प्रखंड पहुंचे। इस दौरान मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मनातू प्रखंड क्षेत्र में आयोजित प्रसिद्ध चेडी जतरा मेला में शामिल हुए। मेला के आयोजकों ने मुख्य अतिथि मंत्री सत्यानंद भोक्ता का ढोल नगाड़ा के साथ फुल माला पहनाकर तथा अंगवस्त्र देकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर भोक्ता ने पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित किया और फीता काट कर मेले का उद्घाटन किया। मौके पर पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ विटू सिंह, विधानसभा प्रभारी डॉ अरुणदेव कुमार, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, युवा जिला अध्यक्ष केदार यादव, मुखिया कुसमी देवी, चंदन यादव अजय सिंह चेरो, रामाशीष सिंह चेरो, नंदकिशोर सिंह चेरो, पंचू सिंह चेरो, रामचंद्र भुइया, सरोज गझू, केदार यादव, रामप्रसाद यादव मौजूद थे।

भुरकुंडा में जयंत सिन्हा का स्वागत

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। सांकी में आयोजित जनसंवाद व किन्नी में डायर जतरा मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन करने जाने के दौरान हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा का मंगलवार को मतकमा चैक भुरकुंडा में भाजपाइयों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपाईयों ने सांसद जयंत सिन्हा को फूल माला से लाद दिया। मौके पर हजारीबाग लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि नारायण चंद्र भौमिक मुख्य रूप से मौजूद थें। सांसद का स्वागत करने वालो में भाजपा भदानीनगर मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र करमाली, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि जगतार सिंह, अनुपम पाठक, जुगल नायक, जेपी पांडेय सहित दर्जनों भाजपाई शामिल थे।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.33-KUR-TRD-OT-2023-24

कार्य का नाम : तीन वर्षों के लिए मेरामण्डली (MRDL) एवं बूढ़ापंक (BDPK) स्टेशन से प्रारंभ होने वाली (Taking off) मेसर्स टाटा स्टील लिमिटेड (TSL) की निजी साइडिंग में OHE रख-रखाव।

विज्ञापित मूल्य (रुपये में) : 2,47,91,235.84,

EMD (रुपये में) : 2,74,000/-, पूरा होने की अवधि : 1095 दिन।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक : 16.11.2023,

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक : 30.11.2023 को 1300 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD),
PR-768/O/23-24 खोरधा रोड

23 को निकाली जायेगी जन यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। आदिवासी समाज के शुभचिंतकों के द्वारा आगामी 23 नवम्बर को जन यात्रा निकाली जाएगी। यह जानकारी जिप सदस्य एवं किसान कांग्रेस के संयोजक हन्दु भगत ने दी। उन्होंने कहा कि यह जन यात्रा उराँव छात्रावास से निकल कर उपायुक्त कार्यालय पहुंचेगी।

श्री भगत ने कहा कि आजादी के 70 बरसों के बाद भी डुमरडीह पंचायत , गुमला के पड़कीटोली और नवाडीह के बीच खटवा नदी में पुलिया एवं सड़क का निर्माण नहीं होने से आम ग्रामीणों , स्कूली छात्र - छात्राओं को काफी कठिनाई होती है । बरसात में यह इलाका टापू बन जाता है। आश्चर्य की बात ३ङ्क यह है कि यह क्षेत्र जिला मुख्यालय से महज दस किमी की दूरी पर स्थित है। और बारिश के बाद इसका जिला मुख्यालय से संबंध विच्छेद हो जाता है । पंचायत स्थित आदिवासी उच्च विद्यालय , गढ़टोली चहारदिवाली एवं अतिरिक्त भवन नहीं रहने से बच्चों का पठन - पाठन का कार्य बाधित हो रहा है । आदिवासी विकास उच्च विद्यालय फोरी का सर्वांगिण विकास की मांग भी उपायुक्त से रखी जाएगी। पंचायत के गम्हरिया ग्राम में खाता सं. 84 , प्लॉट सं- 683 + 684 गौर मजरूआ सार्वजनिक जमीन की बन्दोबस्ती रद्द करने की मांग काफी अरसे से की जा रही है। इस मांग को पूरा किये जाने को लेकर 23 नवम्बर को यह जन - यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि भारी संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनावें। यात्रा का नेतृत्व पूर्व जिप सदस्य एवं किसान कांग्रेस के संयोजक हन्दु भगत करेंगे । इस जनयात्रा में मुख्य रूप से नारायण लोहरा , मंगरा उरांव , एतवा तिर्की , संजय खलखो , बुधवा खलखो (पड़की टोली) , सुमेश्वर उरांव , बन्धन उरांव , बुधेश्वर उरांव , रूपू उरांव , कुमार बानू (गम्हरिया) आदि शामिल रहेंगे।

जशपुर विस क्षेत्र में वित्त मंत्री ने खूब बहाया पसीना

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। झारखंड प्रदेस के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, गुमला जिला कांग्रेस अध्यक्ष चेतू उरांव ने छत्तीसगढ़ राज्य के जसपुर विधानसभा छेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा किया एवं कांग्रेस पार्टी के उमीदवार को भारी मत से विजयी दिलाने की अपील किया। डॉ उरांव ने जसपुर विधानसभा के लोदाम में कोंग्रेस कार्यकताओं के साथ बैठक कर रणनिति बतलायी।उसके बाद ग्राम पुतरी चौंरा ,कुलडा, नवाटोली,नेवाड़ टोली,जाम टोली,पतराटोली, धवटाटोली, रतियाटोली डडगांव आदि गांवों का दौरा कर सैकड़ों ग्रामीणों के साथ बैठक किया। बैठक से पहले ग्रामीणों ने अदिवासी रीति रिवाज से पूरी जोस खरोश से पारंपरिक ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुऐ कोंग्रेस पार्टी के उम्मीदवार को वोट देकर भारी बहुमत से जिताने की अपील की। कहा कोंग्रेस पार्टी हीं गरीबों, किसान, मजदूर की पार्टी है, गरीब किसान एवं मजदूर का सर्वांगीण विकास कोंग्रेस पार्टी की सरकार में संभव है।इस दौरा कार्यक्रम में गुमला जिला के कॉंग्रेस कार्यकर्ता भी साथ थे। इसमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष चैतु उरांव, प्रदेश सचिव अकील रहमान , जिला उपाध्यक्ष मानिक चंद साहू, प्रदेश प्रतिनिधि मुरली मनोहर प्रसाद,संजय दुबे,महासचिव खालिद साह, सेवादल अध्यक्ष कलाम आलम, कोंग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कोंग्रेसी खुदी भगत दुखी,तरुण गोप, जारी प्रखंड बिससूत्री सदस्य मो रिजवान अन्सारी के साथ अन्य कांग्रसी शामिल थे।

झानद के कैडर कन्वेंशन का आज होगा आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही) । झारखंड नवनिर्माण दल आज जिला मुख्यालय गुमला में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय कैडर कन्वेंशन कार्यक्रम आयोजित कर वीर बिरसा मुंडा जयंती पर उनको पुष्पांजलि दी जाएगी। वहीं झारखंड नवनिर्माण दल का स्थापना दिवस भी मनाई जाएगी । साथ ही झारखंड राज्य की स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्वजों व शहीदों के सपनों का झारखंड नवनिर्माण के लिए आंदोलन को तेज करने की भी भावी रणनीति कन्वेंशन में बनाई जाएगी। प्रखंड स्तर के प्रभारी कन्वेंशन में भाग लेंगे । अलग राज्य के 22 वर्षों के बाद भी झारखंड में सर्वमान्य स्थानीय व नियोजन नीति झारखंड की सत्ता में बैठने वाली कोई भी सरकार नहीं बना पाई है। इस राज्य में लोग रोजी-रोटी की तलाश में पलायन और बड़ी संख्या में मानव तस्करी के शिकार होने को मजबूर हैं।

आपसी रंजिश में युवक की हत्या

सिसई (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के असरो पहानटोली निवासी श्याम सुंदर गोप की आपसी रंजिश के कारण गला दबाकर सोमवार की रात को हत्या कर दी गई। ग्रामीणों की सूचना पर मंगलवार को एसडीपीओ मनीष चन्द्र लाल व थानेदार आदित्य कुमार चौधरी ने दल बल के साथ असरो गांव के करीधाईन खेत नाला के पास से शव बरामद कर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। घटना के बावत मृतक की पत्नी तिजाईन देवी ने गांव के ही छह लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोपी गांव के ही अजीत गोप, पवन गोप, पंकज गोप, अशोक गोप, दिलीप गोप के साथ दिनेश उरांव को बनाया है।

तालाब में मिला अधेड़ का शव

चैनपुर(आजाद सिपाही) । चैनपुर थाना क्षेत्र के कुड़केल गांव के बालाछापर स्थान स्थित एक तालाब से पुलिस ने मंगलवार की सुबह 9:00 बजे के करीब एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया है। जिसकी पहचान नहीं हो पाई है वहीं कई दिनों तक पानी में शव रहने के कारण शव से काफी दुर्गंध भी आ रही थी जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया। उक्त व्यक्ति लाल रंग का शर्ट पहने हुए हैं, वही चैनपुर थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने लोगों से अपील की है कि शव की पहचान होने पर तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें।

बूथों की स्थिति जानने के लिए की गयी बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

भरनो। प्रखंड कार्यालय सभागार मे प्रखंड अंतर्गत सभी 77 बूथों का वास्तविक स्थिति की जानकारी हेतु अनुमंडल पदाधिकारी बसिया श्रीमती जयवंती देवगम द्वारा सभी बीएलओ सुपरवाइजर के साथ बैठक की गई। बूथवार फॉर्म 6, फॉर्म 7, फॉर्म 8 की समीक्षा की गई तथा निर्देश दिए कि सभी प्राप्त आवेदनों को ऑनलाइन बीएलओ ऐप से यथाशीघ्र कराये तथा अधिक से अधिक संख्या में फॉर्म भरवाए। बैठक के बाद अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा बूथों का निरीक्षण भी किये। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री अरुण कुमार सिंह,अंचल अधिकारी ,श्रीअविनाश कुजूर प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्री राम कृष्ण ओहदार, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी प्रमोद कुमार सहित सभी बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित थे।

बाइक-स्कूटी की टक्कर में दो की मौत

सिसई(आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड़ में बाइक व स्कुटी में सीधी टक्कर दो लोगों की मौत हो गई, वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों मे बरगांव करंजटोली निवासी चमरा साहु व टोटो इंदरो गांव निवासी दिलीप उरांव वहीं दो घायलों में नगर लालमाटी धोबीटोली निवासी प्रभु उरांव व टोटो इंदरो गांव निवासी केश्वर उरांव शामिल हैं। जानकारी के अनुसार केश्वर , दिलीप व प्रभु बाइक से बरगांव की ओर जा रहे थे,इसी दौरान कॉलेज रोड स्थित रमेश हार्डवेयर के समीप सिसई की ओर आ रहे स्कुटी सवार चमरा साहु के बीच टक्कर हुई। घटना स्थल पर ही चमरा साहु व दिलीप उरांव की मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने चारों को तत्काल रेफरल अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने चमरा साहु व दिलीप उरांव को मृत घोषित कर दिया, वहीं केश्वर उरांव व प्रभु उरांव की गंभीर हालत को देखते हुए दोनों को रेफर कर दिया गया है।

NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
Medininagar, Palamu

Tender No. : NPU/CCDC/07/2023, Date : 11.11.2023

Tender Notice

Nilamber-Pitamber University, Medininagar, Palamu - 822102, Jharkhand invites tenders under two bid system (Part-I : Technical Bid and Part-II : Financial Bid), from experienced, reputed and registered agencies / firms/ Companies for "Supply of manpower and Security Guards at Nilamber-Pitamber University, Medininagar, Palamu, Jharkhand". The detailed information about the tender document can be obtained and downloaded from the University website using the given URL :https://npu.ac.in (w.e.f. 13.11.2023)

By the order of Vice-Chancellor
Sd/- Registrar
N.P. University, Palamu

Memo No. NPU/CCDC/07/23, Dated : 11.11.2023

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डीलर संघ

बिशुनपुर, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अमित कुमार मिश्रा

बीडीओ
रायडीह, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपक कुजूर

उपप्रमुख
रायडीह प्रखंड, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कमलेश बारला

प्रखंड अध्यक्ष
सरना प्रार्थना सभा
पालकोट प्रखंड, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

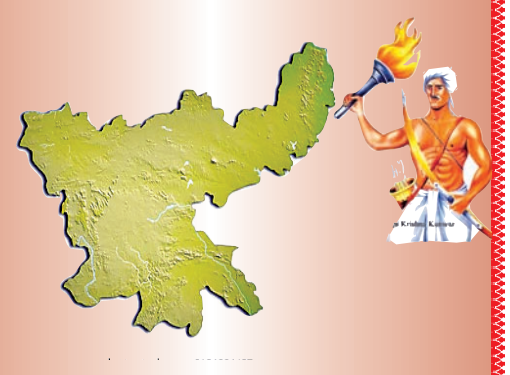

जिला खनन पदाधिकारी
गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जिग्गा सुसारण होरो (जिग्गा मुंडा)

विधायक

सिसई विधानसभा क्षेत्र, झारखंड सरकार

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कुंदन कुमार सिंह

थाना प्रभारी बिशुनपुर, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ओमप्रकाश गुप्ता व अरुणा देवी

प्रज्ञा केंद संचालक
सह युवा समाजसेवी
कलिगा सरुडा, प्रखंड बसिया, जिला गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुशील कुमार होता 'पप्पू'

जिला उपाध्यक्ष
जिला कॉंग्रेस कमिटी
सह प्रदेश इंटक उपाध्यक्ष
बसिया गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रखंड कॉंग्रेस कमिटी परिवार

प्रखंड- बसिया,
जिला गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अधिवक्ता

मीर मेराज

जिला सचिव
कांग्रेस पार्टी, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शंकर राम

अध्यक्ष
जिला बैडमिंटन संघ
सह प्रखंड कृषि पदाधिकारी,
सदर प्रखंड, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी
गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

चैतू उरांव

जिला अध्यक्ष

कांग्रेस पार्टी, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुपचंद अधिकारी

जिला अध्यक्ष

भारतीय जनता पार्टी, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हरीश कुमार

अंचलाधिकारी
सदर अंचल, गुमला
व अंचल कार्यालय परिवार, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दीप नारायण उरांव

निवर्तमान अध्यक्ष

नगर परिषद, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शंकर लाल जाजोदिया

अध्यक्ष
व
समस्त परिवार

लायंस क्लब ऑफ गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुदर्शन भगत

सांसद

लोहरदगा संसदीय क्षेत्र, भारत सरकार

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुपम किशोर

डीएस, सदर अस्पताल, गुमला
व
सदर अस्पताल परिवार गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जिग्गा सुसारण होरो

(जिग्गा मुंडा)

विधायक

सिसई विधानसभा क्षेत्र, झारखंड सरकार

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रखंड विकास पदाधिकारी
सह
प्रखंड विकास कार्यालय परिवार
सदर प्रखंड, गुमला

महत्वपूर्ण न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निक्की प्रधान को अर्जुन पुरस्कार देने का आग्रह

खूंटी (आजाद सिपाही)। खरवार भोगता समाज विकास संघ जिला समिति के खूंटी के जिला संयोजक सुदर्शन भोक्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और झारखंड की गौरव निक्की प्रधान को अर्जुन पुरस्कार देने का आग्रह किया है। मंगलवार को बयान जारी कर जिला संयोजक ने कहा कि वीर बिरसा की पावन धरती खूंटी जिले के मुरहू प्रखंड के सूदूरवर्ती गांव हेसल से निक्की प्रधान ने अपने कठोर परिश्रम और लगन से हर मुसीबत को पार कर विश्व पटल पर अपनी जन्मस्थली के साथ ही राज्य और देश का नाम रोशन किया है। निक्की महिला हॉकी में झारखंड की एकमात्र खिलाड़ी है, जिन्हें अपनी प्रतिभा के चलते दो-दो बार आलंपिक और एक बार वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ गेम्स समेत 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे खूंटी जिले वासियों को आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री निक्की प्रधान को अर्जुन पुरस्कार के लिए अवश्य प्रस्तावित करेंगे।

सरना धर्म कोड की सौगात देकर जायें पीएम मोदी : सरना धर्म सोतो समिति

खूंटी (आजाद सिपाही)। सरना धर्म सोतोः समिति के केंद्र डौगड़ा में केंद्र और शाखाओं के धर्मगुरु सह शाखा अध्यक्षों की मंगलवार को हुई बैठक में प्रधानमंत्री का धरती आबा किरसा मुंडा के पैतृक गांव उलिहातु आगमन पर चर्चा की गई। बैठक में खुशी जाहिर की गई कि प्रधानमंत्री खूंटी आ रहे हैं। सभी आशावित हैं कि प्रधानमंत्री प्रकृति पूजक सरना धर्मावलंबियों की चिरपरिचित मांग सरना धर्म कोड की सौगात देकर जाएंगे। बैठक में धर्मगुरु बगरय मुंडा, धर्मगुरु सोमा कंडीर, धर्मगुरु भैयाराम ओड़ेया, जीतू पाहन, जीतनाथ पाहन, धीरजू मुंडा, सूरज मुंडा, मधु बारला, बिरसा तोपनो, गोपाल बारला, अविनाश हेंबरोम, मंगलसिंह मुंडा, टेपई कच्छप आदि लोग शामिल हुए।

डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में बाल दिवस आयोजित

बेड़ो (आजाद सिपाही)। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में मंगलवार को बाल दिवस का आयोजन किया गया। स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार एवं शिक्षकों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद शिक्षकों ने बच्चों के लिए कुछ कार्यक्रम पेश किया। वहीं, बच्चों के बीच कुछ खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। निदेशक कैलाश कुमार ने कहा के बाल दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर किया जाता है। वे न केवल देश के प्रथम प्रधानमंत्री, बल्कि एक स्वतंत्रता सेनानी भी थे। देश की आजादी के लिए वे जेल भी गए। वो बच्चों से बहुत प्यार करते थे। इसीलिए आजादी के बाद उन्होंने अपने जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में मानने के लिए कहा। आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। उन्होंने बच्चों से लक्ष्य का निर्धारण कर पढ़ाई करने और अपने देश का नाम रौशन करने की अपील की। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

बरौदी मेले में चाक-चौबंद रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। बुढ़मू प्रखंड के ऐतिहासिक बरौदी मेला में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। मेला में विधि व्यवस्था की तैयारी को लेकर मंगलवार को मेला समिति और प्रशासन की संयुक्त बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने की। बैठक में मेले वाले दिन 25 नवंबर को ठाकुरगांव-पिठोरिया मुख्य मार्ग से वाहनों का परिचालन बंद रखने का निर्णय लिया गया। साथ ही मेला क्षेत्र में शराब और जुआ खेल कराने वालों के खिलाफ सख्ती कार्रवाई का निर्णय लिया गया। मौके पर समिति के अध्यक्ष रामजतन पाहन, बिहारीलाल महतो, जैनुल अंसारी, पनेनाथ महतो, जहरुद्दीन अंसारी, सीटू मुंडा और छुन्नूलाल महतो आदि मौजूद थे।

ठाकुरगांव में सोहराई जतरा का आयोजन

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के खिजुरटोला गुरुगाई में मंगलवार को सोहराई जतरा का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन सत्यनारायण मुंडा, जिप सदस्य रामजीत गंझू, थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार, पूर्व जिप उपाध्यक्ष पार्वती देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रमुख ने कहा कि जतरा सभी संप्रदाय को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। मेला में समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मेले के सफल आयोजन में गणेश गोप, बलिंद्र गोप, गिरधारी गोप व सीताराम मुंडा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी को लेकर भाजपा नेत्री ने बेड़ो में चलाया जनसंपर्क अभियान

पीएम मोदी जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित: गंगोत्री कुजूर

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो में जनसपंर्क अभियान चलाती गंगोत्री कुजूर।

बेड़ो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारखंड दौरे को लेकर भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने मंगलवार को कार्यकर्ताओं के साथ बेड़ो में जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रांची, खूंटी और उलिहातू में बने 10 जगहों में मांडर विधानसभा के हजारों कार्यकर्ताओं द्वारा झारखंड राज्य की सांस्कृतिक पहचान नृत्य-संगीत मंडली के साथ उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास, उनके मान सम्मान के लिए संकल्पित हैं। वे झारखंड के धरती पुत्र अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा को नमन करने के लिए उनके जन्म स्थान उलिहातु पहुंच रहे हैं। जनजाति समाज के गौरव, कल्याण एवं उनके मान सम्मान के लिए भाजपा संकल्पित और समर्पित है। भाजपा सरकार भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में उनकी जयंती पर राज्य का गठन किया और अब मोदी सरकार ने उनकी जयंती को जनजाति गौरव दिवस घोषित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्यकर्ता पूरी शक्ति लगा दें। इस मौके पर भीखा उरांव, आलोक मिश्रा, सुखदेव कच्छप, बलराम सिंह, राजेश साहू, मोती प्रसाद गुप्ता, गणेश महथा नारायण महली आदि मौजूद थे।

केडीएच पुरनाडीह कोल हैंडलिंग प्लांट का पीएम करेंगे ऑनलाइन शिलान्यास

खलारी (आजाद सिपाही)।सीसीएल एनके एरिया के केडीएच पुरनाडीह कोल हैंडलिंग प्लांट का बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे। उसकी तैयारियों को लेकर एनके प्रबंधन पूरी तैयारी के साथ जुट है। केडीएच साइडिंग के समीप शिलान्यास स्थल बनाया गया है। जहां लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। एलसीडी स्क्रीन भी लगाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर मंगलवार को सीसीएल मुख्यालय से आये अधिकारी, एनके एरिया महाप्रबंधक और मधुकॉन प्रोजेक्ट लिमिटेड के निदेशक आदि कार्यक्रम स्थल पहुंचे।

सोहराई जतरा हमारी संस्कृति, परंपरा व सभ्यता की झलक है : बिरीश मिंज

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। पारंपरिक परंपरा, संस्कृति और भाषा-संस्कृति ही समाज की पहचान है। सभी को अपने पूर्वजों की परंपरा को अक्षुण बनाये रखने के लिये सार्थक पहल करते रहना होगा। ये बातें झामुमो नामकुम प्रखंड अध्यक्ष बिरीश मिंज ने कही। वे नामकुम प्रखंड अंतर्गत हहाप पंचायत के चरनाबेड़ा जामुन टोली गांव में आयोजित सोहराई जतरा में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सोहराई जतरा का आयोजन हहाप पंचायत में हर वर्ष किया जाता है, जो सराहनीय है। यह हमारी परंपरा, सभ्यता एवं संस्कृति की झलक थी और इसे सभी को मिलकर संजोके रखने की जरूरत है। चरनाबेड़ा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोहराई जतरा का आयोजन चांदनी क्लब के सदस्यों द्वारा किया गया है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रखंड अध्यक्ष बिरीश मिंज, ग्राम प्रधान लक्ष्मण लकड़ा, 52 पड़हा अध्यक्ष प्रदीप तिर्की, पंसस रोजलिन मिंज, समाजसेवी बिमल तिर्की, मुखिया नन्हे कच्छप, वार्ड सदस्य मादी टोप्पो उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष सुकरा लकड़ा, सचिव मदन तिग्गा, कोषाध्यक्ष विल्सन लकड़ा शामिल थे। इधर, रामपुर बनाम लकड़ा ब्रदर घाघरा की टीम के बीच फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। जिसमें रामपुर की टीम दो गोल से विजेता बनी। विजेता रामपुर की टीम को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। सोहराई जतरा के अवसर पर देर रात नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

सोहराई जतरा पासंपरिक रीति रिवाज के साथ संपन्न

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दिपावली के दूसरे दिन से सोहराई जतरा पारंपरिक रीति रिवाज के साथ संम्पन्न हुआ। कार्तिक अमावस्या से इटकी बाजार टांड में जतरा लगा है। जतरा पहान अमन उड़ाव के घर से पारंपरिक रीति रिवाज के साथ निकाला गया। महिलायें सिर पर कुमार कलश लेकर मांदर की थाप पर नाचते-गाते बाजार टाड स्थित शक्ति खूटा का परिभ्रमण किया व वहां कुछ देर तक पारंपरिक नृत्य किया। उसके बाद पुनः सभी युवक-युवतियां अलग-अलग नाचते हुए पहन के घर वापस लौट गये। आदिवासी परंपरा में मान्यता है कि इस पर्व के बाद से आदिवासी समाज में शादी-विवाह प्रारंभ हो जाता है। नई शादी का कलश रखा जाएगा और विवाह शुरू हो जाएगा। मौके पर वीरा उरांव, अमन उरांव, संजय उरांव आदि उपस्थित थे।

बाल दिवस पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित

सिल्ली (आजाद सिपाही)। मुरी संत माईकल प्लस टू स्कूल में मंगलवार को बाल दिवस पर फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के पूर्व विद्यालय के निदेशक डॉ राकेश कुमार, प्राचार्य सीएल प्रजापति आदि ने चाचा नेहरू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। निदेशक और प्रधानाचार्य ने बच्चों को चाचा नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बाल दिवस के बारे में विस्तृत जानकारियां दी। इस अवसर पर बच्चे पंडित जवाहर लाल नेहरू, महात्मा गांधी, भारत माता, राधा रानी, देवी माता, कृष्णा, डॉक्टर, क्रिकेटर, प्रिंस, प्रिंसेस, ईशा मसिह, फादर, सरदार, फकीर, दुर्गा माता आदि रंग-बिरंगे पोशाको में बहुत ही लुभावने लग रहे थे। सभी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पिपरवार कोयलांचल में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल व आसपास के ग्रामीण इलाकों में मंगलवार को बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। बचरा डीएवी पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य राजीव रंजन झा ने पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। जिसके बाद दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। प्राचार्य ने कहा कि बाल दिवस देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को समर्पित है, क्योंकि 14 नवंबर को उनका जन्मदिन है। नेहरू जी बच्चों से विशेष स्नेह रखते थे और उनको देश का भविष्य मानते थे। दूसरी ओर, बाल दिवस पर विद्यालय में क्रिकेट मैच आयोजित हुआ। विवेकानंद और हंसराज हाउस के बीच फाईनल मुकाबला खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए विवेकानंद हाउस ने 10 ओवर में 69 बनाया। जिसे हंसराज हाउस की टीम ने सात ओवर में ही जीत लिया।

हमारी संस्कृति को मिलजुल कर आगे ले जाना है : बंधु तिर्की

जतरा हमारी संस्कृतिक पहचानः शिल्पी नेहा तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। प्रखंड के चोरिया में सरना स्थल सुंदरीकरण, धुमकुड़िया भवन एवं जतरा खूंटा का उद्घाटन विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। उन्होंने कहा कि जतरा हमारी सांस्कृतिक पहचान है। जतरा खूंटा पूजनीय है। हमें अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए पुरखों द्वारा बताई गई विधि को अपनाना है। साथ ही युवा गृह धुमकुड़िया के माध्यम से अपने अंदर छिपी प्रतिभा को निखारना है। वहीं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि हमारी संस्कृति को मिलजुल आगे ले जाना है। इससे

जतरा खूंटा का उद्घाटन करती विधाकय शिल्पी नेता तिर्की व पूर्व मंत्री बंधु तिर्की।

पूर्व विधायक शिल्पी नेहा तिर्की एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सरना स्थल पर माथा टेक्कर मांडर विधानसभा वासियों के सुख समृद्धि एवं लंबे जीवन के लिए प्रार्थना किया। इस मौके पर धर्म गुरु बंधन तिग्गा, ईशितयाक अंसारी, मोजीबुल्लाह, चरवा उरांव, मन्ना उरांव, रेखा सांगा समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बिरसा आई हॉस्पीटल
एण्ड रीसर्च सेन्टर
सिताराम कम्प्लेक्स, बुण्डू
निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन
प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार
सम्पर्क करें - 9006359531, 8757281864

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पंकज राज
भाजयुमो लिगल सेल संयोजक सह हिंदु राष्ट्र संघ जिला प्रभरी, चतरा जिला

सरिता देवी
कसियाडीह उर्फ पोकला मुखिया

सबिदा खातुन
गारिलौंग मुखिया

विजय कुमार सिंह
थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर

मिथलेश कुमार गुप्ता
भाजपा जिला महामंत्री

सोनू सिंहा
(नीलेश ज्ञानसेन)
कबरा मुखिया

अमरेश कुमार सिंह
आम्रपाली चंद्रगुप्त महाप्रबंधक

अरविंद सिंह
जिला मुखिया संघ अध्यक्ष सह धनगड़ा मुखिया

सुभाष यादव
बीस सूत्री अध्यक्ष सह मध्य जिप सदस्य

विश्वजीत उरांव
राहम मुखिया

गोविंद तिवारी
भाजपा मण्डल अध्यक्ष

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

किशुन कुमार दास
सिमरिया विधायक

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

जुबैर अहमद

जिलाध्यक्ष, झारखंड मुक्ति मोर्चा, खूंटी जिला समिति

टाटा स्टील फाउंडेशन ने विश्व मधुमेह दिवस मनाया

भुवनेश्वर। नरेंद्रपुर टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) ने विश्व मधुमेह दिवस मनाया। टीएसएफ ने 14 नवंबर को ढेंकनाल जिले के ओड़ापड़ा ब्लॉक के मंगलपुर गांव में एक मल्टी स्पेसीएलटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में मुख्य रूप से 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों पर विशेष ध्यान दिया गया और उनके स्वास्थ्य की जांच की गयी।

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन मौके पर सभी प्रखण्डवासियों, शुभचिंतको और कांके विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई

अंजय बैठा

उप प्रमुख कांके प्रखंड, सह वरिष्ठ समाजसेवी, कांके विधानसभा क्षेत्र

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर बालूमाथ प्रखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

ऐश्वर्या उरांव

जेएमएम, प्रखण्ड अध्यक्ष बालूमाथ

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर बालूमाथ प्रखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सोमा उरांव

बीडीओ,प्रखण्ड बालूमाथ

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

पूरन राम साहू

भाकपा नेता, बडकागांव विधानसभा क्षेत्र

झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से समस्त झारखंडवासियों को 15 नवंबर स्थापना दिवस हार्दिक शुभकामनाएं

शिबू सोरेन जिंदाबाद
हेमंत सोरेन जिंदाबाद

रोहन राम बेदिया

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन मौके पर सभी कांग्रेसजनों शुभचिंतको और रांची लोकसभा क्षेत्र के निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई

श्री मदन कुमार महतो

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, रांची लोकसभा क्षेत्र, झारखंड

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मसीह गुड़िया

अध्यक्ष, जिला परिषदए खूंटी

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

संतोष कुमार कर

प्रमुख, पंचायत समिति, तोरपा, खूंटी

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर बालूमाथ प्रखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

नरेश लोहरा

मुखिया पंचायत बालूमाथ

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कर्नल संजय सिंह

भाजपा के वरीय नेता सह प्रदेश संयोजक, भाजपा सैन्य प्रकोष्ठ, हुसैनाबाद, पलामू

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन मौके पर सभी पार्टी जनों, शुभचिंतकों को और रांची लोकसभा क्षेत्र के निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

श्री हरिनाथ साहू

प्रदेश उपाध्यक्ष, सह रांची लोकसभा प्रभारी लोकहित अधिकार पार्टी

जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की धरती खूंटी में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत

नीलकंठ सिंह मुंडा

विधायक सह प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष, खूंटी विधानसभा क्षेत्र, खूंटी

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संतोष कुमार गुप्ता

सचिव, रौनियार वैश्य कल्याण समिति, जपला, पलामू

जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की धरती खूंटी में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत

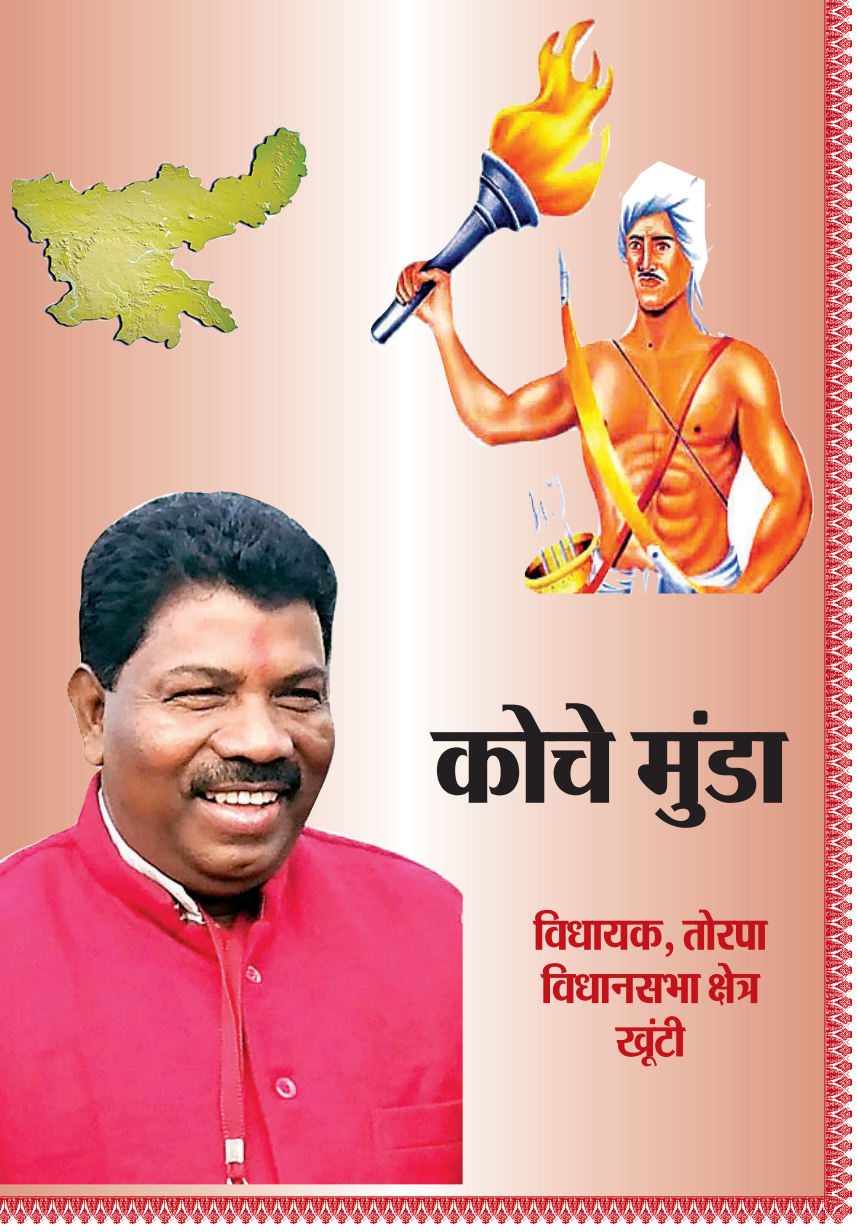

कोचे मुंडा

विधायक, तोरपा विधानसभा क्षेत्र खूंटी

स्वस्थ आहार प्रदर्शनी और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर, पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक मनोज शर्मा रेलवे महिला कल्याण संगठन (ईसीओआरओ) की अध्यक्ष दिव्या शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और रेलवे के मुख्य चिकित्सा अधिकारी आशीष मुखर्जी के नेतृत्व में डॉक्टरों और पैरा-मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति में रेलवे सेंट्रल अस्पताल में भोजन से संबंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अनुभवी चिकित्सकों द्वारा भोजन से पूर्व रक्त के नमूने की जांच की गयी इस अवसर पर पूर्व तट रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल में मधुमेह जागरूकता के लिए स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों ने मधुमेह आहार के बारे में सीखा। इससे पहले महाप्रबंधक शर्मा ने वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए रेल सदन से केंद्रीय अस्पताल तक रैली का नेतृत्व किया।

जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की धरती खूंटी में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत

राधेश्याम सिंह

उप मुखिया कमड़ा पंचायत तोरपा

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अरूण सांगा

कार्यकारी जिलाध्यक्ष, युवा कांग्रेस कमेटी, खूंटी

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मकसूद अंसारी

केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला उपाध्यक्ष, झारखंड मुक्ति मोर्चा, खूंटी

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

काली चरण मुंडा

पूर्व विधायक सह प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष, खूंटी

जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की धरती खूंटी में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत

काशीनाथ महतो

प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा किसान मोर्चा सह विधायक प्रतिनिधि खूंटी

जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की धरती खूंटी में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत

प्रियांक भगत

अध्यक्ष, खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स खूंटी

जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की धरती खूंटी में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत

नारायण साहू

प्रखंड सांसद प्रतिनिधि, रनिया

जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की धरती खूंटी में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत

निखिल कंडुलना

मंडल अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, रनिया मंडल, खूंटी

शिकायत की जांच करने पहुंचीं मनरेगा लोकपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। ग्रामीणों मजदूरों की शिकायत की स्थल जांच को लेकर मनरेगा लोकपाल इंदु तिवारी लोहरदगा पहुची। ग्रामीणों ने अपनी समस्या लोकपाल के समक्ष रखा। मजदूरों में चंपी ऊराइन बताती हैं की सुमित्रा ऊराइन के कूप निर्माण में 13 सप्ताह कार्य की है लेकिन उन्हें अभी तक 9 महीने का भुगतान नहीं हुआ है। वही राजू उरांन सहित अन्य दो मजदूरों को 6 सप्ताह का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। मेट निर्मला देवी से इस विषय पर पूछने से कहती है की कार्य किए मजदूर का भुगतान तकनीक खराबी की वजह से किसी और के खाता में भुगतान हो गया है। सुमित्रा ऊराइन के कूप निर्माण में अनियमित भी पाया गया। कूप के अंदर 7 फिट तक पत्थर से पाटना था जो नहीं किया गया है और कूप के मुख में पारा फिट नहीं बनाया गया है। पूरा पैसा निकाल लिया गया है। कार्यस्थल पर पाया गया की पंचम उरांव के आम बागवानी में एक भी पेड़ जिवित नहीं हुआ है और ना ही काम चल रहा है। फिर भी योजना से कुल 185000 रुपये (एक लाख पच्चासी हजार रुपये) की अवैध निकासी मेट निर्मला देवी एवं रोजगार सेविका मीरा पांडे के मिलीभगत से निकाल लिया गया है। वही अनीता देवी के आम बागवानी से 13600 रुपये (एक लाख छतीस हजार रुपये) की अवैध निकासी कर लिया गया है। लोकपाल ने ग्रामीणों को मनरेगा योजना से संबंधित जानकारी देकर जागरूक किया और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही। गौरतलब है कि निंगनी पंचायत अंतर्गत मनरेगा योजना, आम बागवानी एवं कूप निर्माण में रोजगार सेविका और मेट के द्वारा अवैध निकासी और मजदूरों को उचित भुगतान ना मिलने के सम्बंध में विगत माह मनरेगा लोकपाल को लिखित आवेदन दिया गया था। जिस पर जांच करने मनरेगा लोकपाल इंदु तिवारी कार्यस्थल पर पहुंचीं।

डीसी और एसपी ने छठ घाटों का निरीक्षण किया

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। छठ महापर्व-2023 को लेकर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। सेन्हा प्रखंड के सिठियो छठ घाट का निरीक्षण में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को छठ घाट में वॉच टॉवर निर्माण और ड्रोन से निगरानी और साफ-सफाई, श्रद्धालुओं के छठ घाट तक पहुंच पथ की साफ-सफाई, गहरे पानी से संबंधित बैरिकेटिंग समेत अन्य निदेश दिया गया। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत ठकुराईन तालाब और बड़ा तालाब का भी निरीक्षण किया गया। नगर परिषद, लोहरदगा को दोनो तालाबों में बैरिकेटिंग, साफ-सफाई, रौशनी आदि की व्यवस्था कराये जाने का निदेश दिया गया। मौके पर अनुमण्डल पदाधिकारी, संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, संबंधित थाना प्रभारी, नगर परिषद के सिटी मैनेजर समेत अन्य पदाधिकारीगण व छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दिलीप कुमार सिंह
जिला निबंधन पदाधिकारी
गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मो. फिरोज आलम
महासचिव
जिला कांग्रेस कमेटी, गुमला

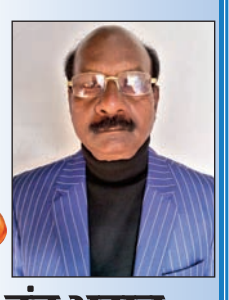

हंदू भगत
जिला सचिव कांग्रेस पार्टी
संयोजक किसान कांग्रेस, गुमला

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की ओर से झारखंड वासियो को झारखंड के 23वां स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई

राजेंद्र सिंह अमर रहे

कुमार जयमंगल
(अनूप सिंह)
विधायक, बेरमो विधानसभा

अनूप सिंह जिंदाबाद

राजकुमार ठाकुर
सचिव, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन सीसीएल कुजू क्षेत्र

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मनीष कुमार
थाना प्रभारी
जारी थाना, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रेशमा रेखा मिंज
अंचल अधिकारी
सह
बीडीओ जारी, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अजीत दुबे
जेएसएलपीएस बीपीओ
पालकोट, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सदानंद सिंह
थाना प्रभारी
गुरदरी थाना, बिशुनपुर प्रखंड, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संतोष महतो
मंत्री, आरा मण्डल, माण्डू विधानसभा, भाजपा

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बादल राम
समाजसेवी
घाघरा, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बोनीफास कुजूर
केंद्रीय सदस्य आजसू
सह
जिला प्रभारी आजसू, गुमला

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

टीपू
प्रतिनिधि
पायोनियर कंपनी घाघरा

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री महेश कुमार
पटवारी - मुखिया, पदुगोड़ा पंचायत, महुदा

Government of Jharkhand
Institute of Public Health
Department of Health, Medical Education & Family Welfare, Jharkhand
Registration No.-47/2021-2022 E-mail- iphjharkhand20@gmail.com, Phone No.-0651-2261142

Admission Advertisement
Certificate program in Geriatric-Care Assistance course
Advt. No. –03/2023/IPH-Geriatric Care Assistance

Institute of Public Health, Namkum invites applications for admission in Geriatric Care Assistance course certified by IGNOU from eligible candidates who have completed Intermediate (10+2) in Science (preferably Biology) from a recognized Institute with 45% marks in aggregate.

The selected Candidates will undergo six month training including theory and clinical practice.

Details of the seats, desired qualification, age etc. are mentioned herein below:-

Sl. No.	Name of the Course	No. of Seats	Essential Qualification	Age Limit
1	Geriatric Care Assistance	30 (UR-13, EWS 2, ST 8, SC 3, BC-I -2, BC-II -2)	Intermediate/10+2 with Science Preferably Biology from a recognized Institute.	Minimum 17 Years Maximum 35 Years

Submission of Application.	Online Mode- http//recruitment.jharkhand.gov.in
Starting date for Application Submission	15th November, 2023
Last date of Application Submission	25th November, 2023 05:00 PM

Interested candidates can see detailed instructions and apply online in the above mentioned website - http//recruitment.jharkhand.gov.in

Director, IPH
RCH Campus, Namkum, Ranchi

PR.NO.310820 Health Med Edu and Family Welfare(23-24):D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, हजारीबाग
नया समाहरणालय भवन, Ground Floor (B-002), हजारीबाग – 825301
Email Id - ssa_hazaribagh@rediffmail.com

विज्ञापन संख्याः– 01 / 2023

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में चयन हेतु आवश्यक सूचना

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के पत्रांक–3545 दिनांक– 14.09.2023 के आलोक में जिला में संचालित **10 आवासीय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों** में पूर्णतया अस्थायी एवं अल्पकालीन संविदा के आधार पर चयन हेतु योग्य एवं अहर्ताधारी केवल **महिला अभ्यर्थियों** से निम्न अंकित शर्तों के अधीन शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक रिक्त पदों के लिए विहित प्रपत्र में आवेदन दिनांक 30.11.2023 के अपराह्न 05:00 बजे तक निबंधित डाक के माध्यम से जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान कार्यालय, नया समाहरणालय भवन, Ground Floor (B-002), हजारीबाग – 825301 में आमंत्रित किए जाते हैं :–

Sl. No.	Name of Post	Vacancy	Roster					Total
			UR	BC-I	BC-II	SC	ST	
1	पूर्णकालिक शिक्षिका (महिला) – भाषा	3	2	0	0	1	0	3
2	पूर्णकालिक शिक्षिका (महिला) – गणित	3	2	0	1	0	0	3
3	पूर्णकालिक शिक्षिका (महिला) – विज्ञान (सीधी भर्ती)	5	2	1	0	1	0	5
	पूर्णकालिक शिक्षिका (महिला) – विज्ञान (बैकलौग)		0	1	0	0	0	
4	पूर्णकालिक शिक्षिका (महिला) – सा0 विज्ञान	1	1	0	0	0	0	1
5	पूर्णकालिक शिक्षिका (महिला) – शारीरिक शिक्षा	2	1	0	0	1	0	2
6	पूर्णकालिक (महिला)–लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर	4	2	1	0	1	0	4

प्रकाशित विज्ञापन की प्रति जिसमें चयन की शर्तें, अहर्ता एवं कोटिवार रिक्तियों की स्थिति तथा आवेदन हेतु विहित प्रपत्र एवं अन्य दिशा–निदेश जिला के अधिकारिक वेबसाईट www.hazaribag.nic.in पर उपलब्ध है । चयन से संबंधित सभी दिशा–निदेश उपरोक्त वर्णित वेबसाईट पर उपलब्ध रहेंगे तथा अभ्यर्थियों को निदेश दिया जाता है कि वे समय–समय पर जानकारी हेतु वेबसाईट का अवलोकन करते रहेंगे ।

(उपेन्द्र नारायण)
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
झा0शि0प0, हजारीबाग

PR311359 (School Education and Literacy)23-24*D

ग्रामीणों ने खुद श्रमदान कर बनायी सड़क

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। जब अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों की गुहार नहीं सुनी तो ग्रामीणों ने एक किलोमीटर तक खुद से ही श्रमदान कर सड़क का निर्माण कर दिया। आजादी के 76 वर्षों के बाद भी यह सड़क नहीं बनी है।मोरवाई पंचायत के बढनिया गांव के ग्रामीणों श्रमादान से बढनिया बस स्टैंड से कोंचा टोली तक सड़क का निर्माण कर प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को आईना दिखाया है। यह जर्जर सड़क बरवाडीह मण्डल मुख्य सड़क को को जोड़ती है। ग्रामीणों के प्रयास से अब सड़क चलने लायक हो गयी है। ग्राम प्रधान जोसेफ सुरीन ने बताया कि लगातार स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विधायक और वाहन तो दूर दोपहिया भी निकलना मुश्किल होता है। बढ़निया बस स्टैंड से कोंचा टोली जाने के लिए यह एकमात्र सड़क है। जिसके जर्जर हो जाने से आवागमन बाधित हो जाता है। ऐसे में इसे खुद से ही बनाकर आवागमन बहाल करना पड़ता है। इस बारे में मोरवाई पंचायत के मुखिया आशीष सिंह चेरो ने कहा कि सड़क के निर्माण के लिए कई बार अधिकारियों से भी अपील की गई है। लेकिन अब तक निर्माण कार्य की दिशा में कार्रवाई आरंभ नहीं हो सकी है।

वार्षिक आमसभा का आयोजन

सेन्हा-लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्याल स्थित बेसिक उच्च विद्यालय खेल मैदान में महिला मंडल द्वारा वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। आयोजित आमसभा में प्रखंड क्षेत्र विभिन्न पंचायतों में संचालित महिला मंडल समूह की सैकडों दीदियां उपस्थित थे। वही प्रखंड व पंचायत स्तरीय महिला समूह को संचालित करने के लिये जिला से आये पर्यवेक्षकों जेएसएलपीएस के जिला प्रबंधक अमिताभ मजूमदार, बिनोद होरो, कुडू प्रखंड दीपक गुप्ता, श्याम प्रजापति, किसको प्रखंड सुधा देवी व लालिमा देवी की निगरानी में 11 सदस्यी कार्यकारणी समिति का चयन आगामी 3 वर्षों के लिये किया गया। महिला मंडल के माध्यम से संचालित करने के लिये चयनित कार्य कारणी समिति द्वारा प्रखंड स्तरीय अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष का चयन किया जाना है। जिसे समिति के माध्यम से प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत ग्राम सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यो में गति प्रदान करना मुख्य उदेश्य है, साथ ही पर्यवेक्षकों द्वारा चयनित सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा गया कि प्रखंड क्षेत्र के पंचायत ग्रामो में सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यो को धरातल पर तन मन और धन से सूचरूप ढंग से संचालित करने के लिये आग्रह किया गया। मौके पर जयन्त कंडुलना, उज्ज्वल शुक्ला, शकुंतला देवी, सज्जाद अंसारी, पूनम देवी, प्रदीप महली, राजकपूर भगत के अलावे एसआई गणेश यादव दल बल के साथ मौजूद थे।

विज्ञान के बिना जीवन संभव नहीं: अलखनाथ पांडेय

आरकेपीएस में बाल दिवस सह विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन, बच्चों ने दिखाया अपना जौहर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। आर के पब्लिक स्कूल में बाल दिवस सह विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के निदेशक अलखनाथ पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि मुकेश निरंजन सिन्हा, प्रमोद चौबे व चंदन जायसवाल के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मानवी व ग्रुप के द्वारा सभी अतिथियों व अभिभावकों के लिए स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। निदेशक और उपस्थित गणमान्य लोगों ने आधुनिक भारत के निमार्ता पंडित जवाहर लाल नेहरु, मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और रिबन काटकर विज्ञान प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन और अवलोकन किया। अपने संबोधन में विद्यालय के निदेशक ने अपने स्कूल के उत्तरोतर विकास और उपलब्धि की चर्चा करते हुए अभिभावकों से स्कूल द्वारा दिए गये दिशानिदेर्शों फर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने बताया कि विज्ञान जीवन का आधार है। विज्ञान के बिना जीवन संभव नहीं है। स्कूल के छात्र-छात्राओं में विज्ञान के प्रति जागरूक और रुचि बढ़ाने व युवा वैज्ञानिक के रूप में प्रेरित करने के उद्देश्य से स्थापना काल से ही 14 नवंबर के दिन बाल दिवस सह विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। **प्रदर्शनी में लगभग 275 मॉडल प्रस्तुत किये गये:** विज्ञान प्रदर्शनी के पूर्व में जूनियर विंग के द्वारा बाल दिवस पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। निदेशक ने स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर नेहरू के जन्मदिन व बालदिवस पर केक काटकर व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रस्तुत किया। निम्नलिखित विषय आधारित मॉडल प्रस्तुत किये गये: चंद्रयान तीन, प्रर्यावरण संरक्षण, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, वाटर हार्वेस्टिंग, ड्रीप इरीगेशन, माइक्रोस्कोप, इको इनवायरमेंट, लेजर सिक्यूरिटी अलार्म आदि।

कक्षा 6 से शाहिद व ग्रुप, राहुल व ग्रुप और दिव्या व ग्रुप को क्रमशः पहला दूसरा व तीसरा स्थान मिला। कक्षा 7 से आयुष व ग्रुप, आरुषि प्रिया व उत्सव ग्रुप और अक्षत व मानशी ग्रुप को क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान मिला। कक्षा 8 से रीत व ग्रुप, श्वेता व ग्रुप और निमशा व ग्रुप को क्रमशः पहला दूसरा और तीसरा स्थान मिला। कक्षा 9से विवेक व ग्रुप, आर्यण व ग्रुप और खुशी व ग्रुप को क्रमशः पहला दूसरा और तीसरा स्थान मिला वहीं कक्षा 10 वीं में रागिब व ग्रुप,वैभव व हिमांशु ग्रुप और आदर्श व समृद्धि ग्रुप को क्रमशः पहला दूसरा व तीसरा स्थान मिला। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर धनंजय तिवारी, बिजय चौबे,अजय केशरी, आनंद सिन्हा, रौशन दुबे और बच्चों के अभिभावक के साथ- साथ स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

सगमा में महायज्ञ को लेकर हुआ भूमि पूजन

सगमा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित भैया रुद्र प्रताप देव हाई स्कूल के प्रांगण में 29 जनवरी से होने वाले नौ दिवसीय शिव-शक्ति महायज्ञ को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों के द्वारा यज्ञ स्थल पर भूमिपूजन व ध्वजारोहण किया। इलाहाबाद से आए आचार्य के द्वारा यजमान हरिदास यादव, महेंद्र यादव, कृष्ण यादव ने सपत्नी पूरे विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करायी गयी। यज्ञ को सफल बनाने को लेकर 101 सदस्य कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें संरक्षक पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा, झामुमो नेता ताहिर अंसारी को संरक्षक बनाया गया है।

पूर्व मंत्री ने छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री का किया वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढवा । पूर्व मंत्री सह भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिनाथ सिंह ने छठ व्रतियों के बीच गढ़वा रंका विधान सभा क्षेत्र के छठ व्रतियों के बीच प्रसाद का वितरण किया जायेगा। जिसका शुभारंभ मंगलवार को किया गया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दस हजार से अधिक छठ व्रतियों के बीच प्रसाद का वितरण किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि आज गढ़वा, डंडा व मेराल प्रखंड के कार्यकर्ता को अपने आवास पर पूजन के लिए प्रसाद दिया जा रहा है। ये कार्यकर्ता अपने पंचायत में प्रसाद बांटने का काम करेगें। इसके अलावा 17 नवंबर को रंका में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दौरान रंका, रंमकंडा और चिनियां प्रखंड के कार्यकर्ताओं के बीच प्रसाद दिया जायेगा। इसमें छठवर्ती तीन दिन का उपवास रहकर भगवान भास्कर को अर्ध्य देने का काम करते हैं। इस मौके पर संजय कांस्यकार, अरविंद तिवारी, भोला चंद्रवंशी आदि लोग उपस्थित थे।

सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। अंतर जिला यूथ बालक/बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2023 के सफल आयोजन के लिए उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजन समिति को अंतिम रूप देने के लिए बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए विभिन्न तकनीकी बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया तथा सर्व सम्मति से आयोजन समिति बनायी गयी जो इस प्रकार है- मुख्य संरक्षक- झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, संरक्षक- उपायुक्त महोदय शेखर जमुआर, पुलिस अधीक्षक महोदय दीपक कुमार पांडेय चेयरमैन उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय, वाइस चेयरमैन विजय कुमार अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा तथा संतोष कुमार डीएसपी गढ़वा, वरीय उपाध्यक्ष- शैलेंद्र कुमार पाठक, अध्यक्ष गढ़वा जिला ओलंपिक संघ,तथा उमेश लोहार जिला खेल पदाधिकारी गढ़वा, उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश दुबे, नवीन कुमार पाठक, नीतीश कुमार निशांत, निलेश मुर्मू, डॉक्टर पतंजलि केसरी, अशोक गुप्ता, जितेंद्र सिन्हा, कृष्ण पाल, आयोजन सचिव- ओमप्रकाश तिवारी, सह सचिव- पंकज मिश्रा, संजीव पांडे, शैलेश नंदन सिन्हा, कमलेश पांडे, विवेक, श्याम नारायण, अरविंद दुबे, अखिलेश, कोषाध्यक्ष- प्रणव कुमार, सह कोषाध्यक्ष- अंशु दुबे, विशाल पांडे, कार्यकारिणी सदस्य- अरविंद दुबे, अरुण, प्रभात रंजन, धीरज। उक्त जानकारी संघ के सचिव ओम प्रकाश तिवारी ने दी।

राज्य स्थापना दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने बैठक की

गढ़वा (आजाद सिपाही)। आज आयोजित होने वाले झारखंड राज्य स्थापना दिवस के मौके पर जिला स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन को लेकर उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की गयी। कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर कार्यक्रम स्थल पर टेंट की व्यवस्था, साफ सफाई, पेयजल, विद्युत, साउंड सिस्टम, बैनर-पोस्टर, बैठने की समुचित व्यवस्था, मीडिया गैलरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, शिलान्यास उद्घाटन समेत अन्य को लेकर आवश्यक निर्देश दिये गये। उपायुक्त श्री जमुआर और उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय द्वारा एक-एक कर सभी विभागों को उनके दायित्व के अनुरूप कार्यक्रम स्थल पर लगाए जाने वाले स्टॉल संबंधी जानकारी प्राप्त की गयी। सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वागत गान और मंच संचालन को लेकर भी उपायुक्त ने जेएसएलपीएस समेत अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में सभिविभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एआइएमआइएम की बैठक आयोजित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा रंका विधानसभा क्षेत्र के रंका प्रखंड के बहाहारा, पंचायत में एआईएमआईएम की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बहाहारा पंचायत से कई लोगों ने एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में बहाहारा पंचायत कमिटी का विस्तार भी किया गया। जिसमें संरक्षक - राज कुमार सिंह को बनाया गया। जबकि अध्यक्ष बिरेंद्र कुमार, महासचिव जितेंद्र प्रसाद गुप्ता, सचिव रामचंद्र बइगा, कोषाध्यक्ष कामेश्वर सिंह, यूवा पंचायत अध्यक्ष कृष्णा सिंह, यूवा सचिव कर्मदेव सिंह, यूवा कोषाध्यक्ष हीरालाल सिंह व सोशल मीडिया प्रभारी मिथलेश कुमार को बनाया गया। इस अवसर पर रंका प्रखंड अध्यक्ष इबरान अंसारी, यूवा नेता आरिफ अंसारी आदि उपस्थित थे।

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश महतो

समाजसेवी रिकवा गिद्दी

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश बेदिया

झामुमो नेता सह
समाजसेवी सिरका गिद्दी

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नकुल महतो

समाजसेवी सह भाजपा
नेता रिकवा डांडी गिद्दी

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हेमलाल गंझू

समाजसेवी
हेसालोंग मैकलुस्कीगंज

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल सोनी

भाजपा नेता सह समाजसेवी
बडका चुम्बा गिद्दी

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पुतुल देवी

मुखिया लपरा पंचायत

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेशर भोगता

प्रदेश संगठन सचिव
ऑल इंडिया एससी एसटी ओबीसी
कॉर्डिनेशन काउंसिल झारखंड

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुशील चंद्र (गुड्डू यादव)

केन्द्रीय सचिव आजसु गिद्दी झारखंड प्रदेश

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अध्यक्ष- सुखी गंझू, उपाध्यक्ष - छोटु खान, सचिव- अर्जुन महतो, सह सचिव- अशोक साव, कोषाध्यक्ष- नागेश्वर महतो, सह कोषाध्यक्ष- छोटु सिंह, मिडिया प्रभारी पुनीत प्रजापति

विस्थापित प्रभावित टिप्पर हाइवा एसोशिएशन एनके पिपरवार

झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रैयत विस्थापितों के हक अधिकार दिलाने के लिए हमेशा तत्पर

बिगन सिंह भोगता
एरिया अध्यक्ष

जगरनाथ महतो
एरिया सचिव

जालिम सिंह
कार्यकारी अध्यक्ष

नरेश गंझू
एरिया उपाध्यक्ष

रामलखन गंझू
एरिया सहसचिव

विनय खलखो
एरिया उपाध्यक्ष

अमृत भोगता
सचिव रोहिणी शाखा

दामोदर गंझू
शाखा अध्यक्ष केडीएच

प्रभाकर गंझू
शाखा सचिव केडीएच

शिवनाथ भोगता
कार्यकारी अध्यक्ष रोहिणी

राजेंद्र उरांव
अध्यक्ष पुरनाडीह शाखा

सोमरा गंझू
केडीएच शाखा

रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया खलारी

धरती आबा को श्रद्धांजलि

सैंड आर्टः अजय शंकर महतो ने झारखंड के भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर दामोदर नदी के तट पर उनकी आकृति बनाकर उनके विचारों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंदुआडीह में एक ही परिवार के तीन लोगों की जल कर मौत, इलाके में पसरा मातम

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह बाजार में सोमवार की देर रात आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। भीषण आग की चपेट में आकर एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई थी। मंगलवार की दोपहर तीनों मृतकों का शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचते ही पूरा बाजार रो पड़ा। दोपहर 2.30 बजे निकली शवों की अंतिम यात्रा के साथ पूरा बाजार उमड़ पड़ा। वहीं शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने सांसद पशुपतिनाथ सिंह, बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो, कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह आदि के साथ जिला चेंबर के पदाधिकारी भी पहुंचे। सांसद ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा भाजपा परिवार पीड़ित परिवार के साथ है। वहीं, पुटकी सीओ विकास कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरी जानकारी ली। बताया कि सरकारी प्रावधान के तहत जो भी मुआवजा होगा वो गुप्ता परिवार को दिया जाएगा। घटना की जांच भी होगी।

केंदुआडीह बाजार में आजाद चौक के समीप सोमवार की देर रात सुभाष गुप्ता के सृंगार स्टोर में अचानक आग लग गयी। दुकान के ऊपरी तल्ले में सुभाष अपने पूरे परिवार के साथ रहते हैं। देखते ही देखते आग इतनी भयावह हो गई कि ऊपर तल्ले को भी अपनी चपेट में लिया। किसी प्रकार दमकल कर्मी व स्थानीय लोगों की मदद से सुभाष गुप्ता और उनके परिजनों को खिड़की से सीढ़ी के सहारे बाहर निकाला गया। तब तक धुआं में दम घुटने से सुभाष की मां उमा देवी (70), बहन प्रियंका गुप्ता (32) और सुभाष की 6 वर्षीय बेटी सौम्या गुप्ता उर्फ मौली की मौत चुकी थी। वहीं, घर में मौजूद सुभाष के पिता अशोक कुमार, पत्नी, दो वर्ष का बेटा और दो भाई सुमित और सुजीत को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी की स्तिथि खतरे से बाहर है।

यह है मामला

बेरमो के गांधीनगर में वाहन की टक्कर से महिला की मौत

बैदकारो/बेरमो (आजाद सिपाही)। गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित बिरसा चौक के समीप फुसरो-हीरक सड़क पर मंगलवार अहले सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। उसकी पहचान इंदू देवी (32) के रूप में हुई है। वह बिरसा चौक के समीप बस डिपो की रहने वाली थी। जानकारी के मुताबिक इंदू अहले सुबह सड़क पार कर रही थी। तभी वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसकी सूचना पाकर गांधीनगर थाना प्रभारी अनूप कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले वाहन की पहचान नहीं हो सकी है। पता लगाने का प्रयास जारी है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा गैंगस्टर प्रिंस खान को दुबई जाकर एटीएम पहुंचाने वाला सहयोगी

प्रिंस के अपराध शो का अंतिम दौर, जल्द होगा गिरफ्त में : एसएसपी

दुबई में बैठा प्रिंस रंगदारी से मिले पैसों की इन एटीएम से करता था निकासी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। गैंगस्टर प्रिंस खान के अपराध का अंतिम दौर चल रहा है, जिसे जल्द समाप्त कर दिया जाएगा। उक्त बातें धनबाद एसएसपी संजीव कुमार ने कही। वे मंगलवार को अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। बताया कि सोमवार की रात धनबाद पुलिस ने प्रिंस को दुबई जाकर एटीएम कार्ड पहुंचाने वाले सहयोगी भीम सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। वह उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का रहने वाला है। एसएसपी ने बताया कि वीर सिंह दिल्ली में रह कर अपने कार्य को अंजाम देता था। बीते महीने दो बार दुबई जाकर प्रिंस को एटीएम पहुंचाया था, ताकि रंगदारी से मिले पैसों की निकासी प्रिंस कर सके। वीर से पूछताछ में दुबई में छिपे प्रिंस को पहुंचाने के लिए वर्तमान में 40 बैंक खातों का प्रयोग किया जा रहा था। इससे पहले प्रिंस तक पैसा पहुंचाने वाले कई बैंक खातों को पुलिस ने फ्रिज कराया है। वर्तमान के 40 बैंक खातों में से 17 की जांच पुलिस ने की है। बाकी की जांच जारी है। अभी तक रंगदारी से मिले पैसे और अपराध में प्रयोग किए गए 25 लाख के ट्रांजेक्शन को चिन्हित किया गया है। एसएसपी ने कहा कि धनबाद पुलिस अपराध और अपराधियों को जड़ से समाप्त करने के लिए कृतसंकल्पित है। एसएसपी की मानें तो वीर के पास से पुलिस को विदेशी मुद्रा 65 दिरहम भी मिला है। पूछताछ के दौरान पता चला कि उसके द्वारा दुबई में कार्य कर रहे प्रवासी मजदूरों के माध्यम से उनके खातों का प्रयोग कर वित्तीय ट्रांजेक्शन किया जा रहा था और वो पैसा अपराध के लिए प्रयोग किया जा रहा था। पूर्व में पकड़ाए प्रिंस के सहयोगी विशाल नंदी और अरशद, दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी, बनारसी दास एक्सीओम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जिले के व्यवसायियों से वसूले गए रंगदारी के 25 लाख रुपये को अंतरित किया गया है जिसे एटीएम द्वारा प्रिंस खान और उसके द्वारा सहयोगी दुबई के शारजाह में निकासी की गई है।

बीसीसीएल प्रबंधन जबरन कर रहा तालाब की भराई

झरिया (आजाद सिपाही)। पूजा पाठ व अन्य धार्मिक कार्यक्रमों से गुलजार रहने वाले झरिया के मोहलबनी बस्ती का तालाब विलुप्त होने की कगार पर है। यही स्थिति रही तो कुछ ही दिनों में तालाब का नामोनिशान ही समाप्त हो जाएगा। भौरा पूर्वी क्षेत्र के मोहलबनी बस्ती के समीप तालाब को बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा जबरन ओबी डंप कर भराई किया जा रहा है। जिससे नाराज ग्रामीणों ने विरोध कर बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बस्ती के तालाब में कई धार्मिक कार्यक्रम हुआ करते हैं। गांवों की महिलाएं उक्त तालाब में छठ पूजा भी करती हैं। जब से आउट सोसिंग कंपनी आई हैं तब से धीरे-धीरे तालाब लुप्त हो रहा हैं। वहीं, मंगलवार को ग्रामीणों की शिकायत पर झरिया सीओ रामसुमन प्रसाद तालाब का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की शिकायत पर निरीक्षण करने पहुंचे थे। तालाब को बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा भरा जा रहा। इसकी जांच होगी।

जुआ खेलने के दौरान मोबाइल चोरी को लेकर मारपीट, युवक लहूलुहान

झरिया (आजाद सिपाही)। सुदामडीह थाना अंतर्गत पाथरडीह जीआरपी कॉलोनी में मोबाइल चोरी को लेकर सोमवार की देर रात दो पड़ोसियों में जमकर मारपीट हो गई। जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें दिलीप मोदी उर्फ जोटला का सिर फट गया। इधर, इदरीश अंसारी (50) को हल्की चोट आई। इस दौरान कुछ महिलाओं को भी चोट लगने की सूचना है। उधर, घटना की सूचना पाकर सुदामडीह पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए चासनाला सीएचसी में भर्ती कराया। इस बाबत दिलीप मोदी ने बताया कि हजारीबाग के विष्णुपुर निवासी उसका साला राकेश मल्हार पूजा में उसके घर आया था। वह स्थानीय युवकों के साथ जुआ खेल रहा था। किसी ने जुआ में अपनी मोबाइल फोन को दांव पर लगा दिया। तभी कुछ युवकों में आपस में कहासुनी हो गई। इसके बाद युवकों ने उसके साले पर मोबाइल चोरी का आरोप लगाया। वहीं देर रात पड़ोस के छोटू सोनार, मनोज सोनार, बिट्टू, रोहित,सुजल पासवान सहित डिगवाडीह व लोकोबाजार के करीब 20-25 लड़कों ने घर पर धावा बोल दिया। घर मे घुसकर तोड़फोड़ व उत्पात मचाया के साथ ही उसकी पिटाई कर दी, जिससे वह लहूलुहान हो गया। यही नहीं, उसकी पत्नी और बच्चों के साथ भी मारपीट की गयी।

20 को बस्ताकोला गौशाला में आयोजित होगा 103वां वार्षिक अधिवेशन

झरिया/धनसार (आजाद सिपाही)। श्री झरिया धनबाद गोशाला बस्ताकोला में 20 नवंबर से आयोजित दो दिवसीय गोपाष्टमी मेला के साथ 103वां वार्षिक अधिवेशन भी आयोजित होगा। इसके अलावा यहां कवि सम्मेलन व छऊ नृत्य,चलचित्र का भी आयोजन किया जाएगा। गोशाला समिति द्वारा मंगलवार को बस्ताकोला गोशाला परिसर में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी गई।

न्यूज रील्स

छठ पूजा के लिए ओड़िशा और बिहार के बीच एक और विशेष ट्रेन

भुवनेश्वर। नियमित ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए और यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व तट रेलवे द्वारा छठ पूजा के लिए ओड़िशा और बिहार के बीच एक और विशेष ट्रेन चलायी जा रही है। इस ट्रेन को पुरी और जयनगर के बीच चलाने का निर्णय लिया गया है। पुरी से यह विशेष ट्रेन 08419 पुरी-जयनगर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी और गुरुवार (16 नवंबर 2023) को 2330 बजे (रात 11.30 बजे) पुरी से रवाना होगी। वापसी दिशा में जयनगर से यह ट्रेन 08420 जयनगर-पुरी स्पेशल बनकर रवाना होगी। यह शुक्रवार (17 नवंबर 2023) को 2330 बजे (रात 11.30 बजे) जयनगर से रवाना होगी।

श्रीमंदिर परिसर में एक जनवरी से पान और गुटखा पर प्रतिबंध

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। श्रीमंदिर में पान और गुटका पर प्रतिबंध लगाया गया। बराह पुराण के आधार पर यह प्रतिबंध लगाया गया। 1 जनवरी से पान और गुटका जैसे ड्रेसकार्ड पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। श्रीमंदिर के अंदर किसी को भी पान और गुटका खाने का अनुमति नहीं या थूकने की अनुमति नहीं। श्रीमंदिर के अंदर पलथिन के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। कोई भी सेबायत, पुलिस, भक्त आदि श्रीमंदिर के अंदर पान, गुटका नहीं खा सकते हैं। श्रीमंदिर में पान और गुटखा खाने पर पहले 500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया था, लेकिन प्रक्रियात्मक त्रुटियों के कारण इसे ठीक से लागू नहीं किया जा सका। हालांकि, यह एक प्रतिबंध नहीं है, बल्कि महाप्रभु की ओर से एक आदेश है। बराह पुराण और नीलाद्रि महोदय में इसका उल्लेख है। इसमें कहा गया है कि अगर आप तामुल सेवन करते हैं तो यह सेवा अपराध है। श्रीमंदिर के मुख्य प्रशासक रंजन दास ने जानकारी दी है कि श्रीमंदिर प्रशासन ने उसी आधार पर ये प्रतिबंध लगाए हैं।

जागृति महिला मंडल ने रेड क्रॉस पार्वती गिरी मातृ भवन में दिवाली उत्सव मनाया

संबलपुर (आजाद सिपाही)। जागृति महिला मंडल की अध्यक्ष अल्पना शुक्ला राव के नेतृत्व में जागृति महिला मंडल की सदस्याओं ने फुलझारन स्थित रेड क्रॉस पारबती गिरि मातृ भवन में दीपावली के अवसर पर एक हृदयस्पर्शी सामाजिक पहल की। मंडल की उपाध्यक्ष रश्मी बेहुरा और अंजलि बापट ने दीपावली के अवसर पर आश्रम वासियों के साथ जश्न मनाते हुए उन्हें उपहार भेंट की। उन उपहारों में साड़ियां और ड्रेस, मिठाइयां और जूस शामिल थे। यह देखकर आश्रम के बुजुर्ग महिलाओं ने बहुत खुशी जाहिर की। इसके अलावे जागृति महिला मंडल की सदस्याओं ने आश्रम के बच्चों से स्नेहिल प्रदर्शन करते हुए उन्हें स्नैक्स, चॉकलेट और मिठाइयां वितरण की। मंडल की सचिव सुमिता घोष, संयुक्त सचिव मिलिना प्रियदर्शिनी, कोषाध्यक्षा अनीता गर्ग और समस्याओं आशा चौधरी, वीणा सिंह, शिप्रा नंदा और अनुसया मिश्रा की सक्रिय भागीदारी से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जैक एन जिल स्कूल में बाल दिवस समारोह का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन, संबलपुर ने संचालित जैक एन जिल स्कूल में बाल दिवस मनाया, जो बच्चों के लिए सहायता प्रदान करने वाला एक गैर-लाभकारी संगठन है। पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन, संबलपुर की अध्यक्ष अंजनी सिंह मुख्य अतिथि थीं। विद्यार्थियों ने कई गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि ने जैक एन जिल स्कूल के विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किये।

इस अवसर पर रुचिका सिंह, उपाध्यक्ष, पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन, संबलपुर, पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन के अन्य सदस्य और जैक एन जिल स्कूल के शिक्षक उपस्थित थे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**